2020-21

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

# वार्षिक रिपोर्ट

# विषय-सूची


| | फोलियो संख्या |
|---|---|
| प्राक्कथन | i-iii |
| शैक्षणिक गतिविधियां | 1 |
| कौशल शिक्षा एव प्रशिक्षण | 13 |
| डिजिटल पहल | 19 |
| परीक्षाएं | 27 |
| केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा | 34 |
| व्यावसायिक परीक्षाएं | 36 |
| सीबीएसई कोविड -19 प्रतिक्रिया प्रणाली | 39 |
| सीबीएसई परामर्श प्रोग्राम | 41 |
| जन अनुक्रियाशीलता और आउटरीच | 44 |
| संबद्धता | 46 |
| मेरिट छात्रवृत्ति योजनाएं | 51 |
| राजभाषा का प्रचार-प्रसार | 54 |
| समारोह व कार्यक्रम | 56 |
| बोर्ड की संरचना | 73 |
| सीबीएसई की संगठनात्मक संरचना | 74 |
| प्रशासनिक परिवर्तन | 75 |
| सहकर्मियों को उनकी सेवानिवृत्ति पर शुभकामनायें | 76 |
| सेकेंडरी स्कूल परीक्षा (कक्षा X) 2020 | 78 |
| सीनियर स्कूल प्रमाणपत्र परीक्षा (कक्षा XII) 2020 | 79 |
| बोर्ड का शासी निकाय | 80 |
| वित्त समिति | 82 |
| परीक्षा समिति | 82 |
| परिणाम समिति | 82 |
| संबद्धता समिति | 83 |
| एनएएस के लिए राष्ट्रीय संचालन समिति | 83 |
| पाठ्यचर्या समिति | 84 |
| प्रशिक्षण सलाहाकार समिति | 86 |
| कौशल शिक्षा समिति | 87 |
| सीटीईटी की सलाहाकार एवं कार्यान्वयन समिति | 89 |
| राजभाषा कार्यान्वयन समिति | 90 |
| तुलन पत्र | 91 |
| सीबीएसई स्टाफ़ संख्या – एक झलक | 92 |
| सीबीएसई शिक्षक पुरस्कार | 93 |
| सीबीएसई मुख्यालय, क्षेत्रीय कार्यालय व शिक्षकों के लिए उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) | 96 |

# प्राक्कथन

इस रिपोर्ट की अवधि के दौरान नई शिक्षा नीति 2020 के कार्यान्वयन के लिए शिक्षा क्षेत्र में सही भावना और कार्य के साथ तैयारियाँ देखने को मिली। वास्तव में NEP 2020 एक ऐतिहासिक कदम था और इसके उद्देश्यों को कोविड-19 की पृष्ठभूमि में संरेखित करने का अवसर मिला।

बोर्ड को कोविड संकट बढ़ने के दौरान कठिन निर्णय लेने पड़े, जहां कोविड के कारण स्कूलों को अनिश्चित काल के लिए बंद करना पड़ा, दसवीं और बारहवीं कक्षा की चल रही वार्षिक परीक्षाओं में व्यवधान हुआ, अन्य प्रमुख व्यावसायिक परीक्षाएं स्थगित हुई, और इस दौरान छात्रों और शिक्षकों के मानसिक स्वास्थ्य की देखभाल करना सबसे महत्वपूर्ण था। अंततः यह विपरीत परिस्थितियों में सभी हितधारकों के धैर्य, दृढ़ संकल्प और कठिनाइयों से शीघ्र उभरने के सामर्थ्य के प्रदर्शन की यात्रा साबित हुई।

शिक्षा का साम्य/समानता स्थापित करने में अहम योगदान है और यह आर्थिक और सामाजिक गतिशीलता, समावेश तथा समानता प्राप्त करने का सबसे अच्छा साधन है और नई शिक्षा नीति 2020 सभी छात्रों के लिए एक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रणाली प्रदान करने के लिए व्यापक संदृश्य देती है।

स्कूली शिक्षा में 25 करोड़ बच्चे, 92 लाख शिक्षक और 15 लाख से अधिक स्कूल शामिल हैं, इनमें से सीबीएसई के पास लगभग 26 हजार स्कूल, 2 करोड़ छात्र और 9 लाख शिक्षक हैं। अपनी गतिविधि के हर क्षेत्र में गुणवत्ता बढ़ाने और वैश्विक बेंचमार्क स्थापित करने के अंतिम लक्ष्य के साथ बोर्ड का मुख्य प्रेरणा-तत्व कारोबारी/ कार्य सुगमता सुनिश्चित करने के लिए नए तरीकों की पहचान करना और प्रक्रियाओं को सरल बनाना है।

NEP2020 में 5+3+3+4 के नए शैक्षणिक और पाठ्यचर्या पुनर्गठन में 3-18 वर्ष की आयु शामिल हैं। इसलिए स्कूलों को एक देखरेख करने वाला, सुरक्षित और उत्साह भरा वातावरण सुनिश्चित करना चाहिए। बोर्ड अपेक्षा करता है कि एक स्कूल व्यापक अधिगम अनुभव, बढ़िया भौतिक बुनियादी ढांचा और अधिगम के लिए अनुकूल उपयुक्त संसाधन प्रदान करे। नई शिक्षा नीति संज्ञानात्मक क्षमताओं के विकास पर विशेष बल देती है - साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान की 'आधारभूत क्षमताएं' और 'उच्च-स्तरीय' क्षमताएं, जैसे विवेचनात्मक चिंतन और समस्या समाधान। सीबीएसई अपनी ओर से स्ट्रक्चर्ड असेसमेंट फॉर अनालज़िंग लर्निंग (सफल) तैयार करने की प्रक्रिया में है, जो कक्षा 3, 5 और 8 के लिए एक फ्रेमवर्क है। यह सक्षमता-आधारित प्रणाली, रटकर सीखने की पद्धति से पूरी तरह हटने के आशय के साथ मूलभूत कौशल और अधिगम परिणामों का परीक्षण करेगी। बोर्ड ने ऑनलाइन आकलन उपकरण विकसित करने के लिए प्रगत संगणन विकास केंद्र (सीडैक) के साथ भागीदारी की है।

हमारे स्कूलों ने पहले से ही आवश्यक अधिगम और विवेचनात्मक चिंतन को संवर्धित करने के लिए, प्रत्येक विषय में और विभिन्न विषयों के बीच, मानक शिक्षाशास्त्र के हिस्से के रूप में, अनुभवजन्य अधिगम, कला और खेल एकीकृत स्वरूपों को अपनाया है। शिक्षा को समकालीन बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डिजाइन थिंकिंग, समग्र स्वास्थ्य, ऑरगैनिक लिविंग, पर्यावरण शिक्षा, वैश्विक नागरिकता शिक्षा (जीसीईडी) जैसे नए युग के विषयों को भी संगत चरणों में पेश किया गया है।

अनिश्चितताओं और अप्रत्याशित स्थितियों को देखते हुए, परीक्षाओं को बीच में ही रद्द करना पड़ा। भारत के माननीय उच्चतम न्यायालय ने छात्रों के स्वास्थ्य और सेहत पर विचार करते हुए 26.06.2020 को आदेश पारित किया, जिसमें दसवीं और बारहवीं कक्षा के लिए सीबीएसई की आकलन योजना को मानदंडों के आधार पर परिणामों की गणना करने के लिए अनुमोदित किया गया है, जिसके बारे में इस रिपोर्ट में आगे के पृष्ठों में विस्तार से दिया गया है।

इससे आंतरिक आकलन के लिए एक व्यवस्थित और पारदर्शी संरचना और बाह्य आकलन के लिए एक मानकीकृत प्रक्रिया की आवश्यकता सामने आई। बोर्ड ने एक आंतरिक आकलन प्रणाली को पेन और पेपर सेक्शन, एकाधिक आकलन गतिविधियों जैसे प्रश्नोत्तरी, मौखिक परीक्षाओं, परियोजनाओं, पोर्टफोलियो और विषय संवर्धन गतिविधियों में विभाजित करके स्थापित किया है। यह आमतौर पर छात्रों में परीक्षा से जुड़े तनाव को कम करेगा। 2020 के बोर्ड परीक्षा परिणामों से गणित में छात्रों के उत्तीर्णता प्रतिशत में भी वृद्धि का संकेत मिला क्योंकि बोर्ड ने कक्षा में गणित (स्टैन्डर्ड) और गणित (बेसिक) के दो स्तरों पर गणित की पेशकश करना शुरू कर दिया- इसी तरह वर्ष 2020-21 से कक्षा 11वीं और 12वीं में अनुप्रयुक्त गणित पर एक नया कोर्स पेश किया गया है।

छात्रों की बात करें तो इस वर्ष भी बोर्ड ने उन्हें काउंसलिंग की सुविधा दी थी, लेकिन एक ऐप के माध्यम से जिसे 'दोस्त फॉर लाइफ' नाम दिया गया था क्योंकि महामारी के कारण नियमित टेली-काउंसलिंग बाधित हो गई थी। 83 प्रधानाचार्य और परामर्शदाता इस कार्यक्रम का स्वैच्छिक रूप से हिस्सा बने, जिनमें से 17 सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, नेपाल, ओमान, कुवैत, जापान, सिंगापुर और संयुक्त राज्य अमेरिका में अवस्थित थे। संबंधित गतिविधियों का विवरण रिपोर्ट में उल्लिखित है।

सुधार लाने और गुणवत्ता बनाए रखने में शिक्षक की प्रमुख भूमिका रहेगी। कोविड ने अधिगम के लिए एक बड़ा संकट पैदा कर दिया था। सीबीएसई ने प्रौद्योगिकी और नवाचारों पर निर्भरता बढ़ाकर, शिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए वैकल्पिक व्यवस्था करके इस चुनौती का सामना किया। वर्ष 2020 में एक घंटे की अवधि के 12 हजार से अधिक ऑनलाइन सत्र आयोजित किए गए जिसमें 7 लाख से अधिक शिक्षकों ने भाग लिया। अच्छी गुणवत्ता वाले ई-कंटेंट के साथ शहरों से लेकर छोटे-छोटे गांवों तक के स्कूलों और शिक्षकों के बीच तालमेल बिठाने के लिए बोर्ड द्वारा शिक्षकों से सामग्री को एकत्र किया गया, जिसका इस्तेमाल वे कभी भी, कहीं भी निःशुल्क कर सकते हैं।

कारोबारी/ कार्य सुगमता को बढ़ाने की दृष्टि से, संबद्धता के लिए पहले से पालन किए जाने वाली 150-200 से अधिक अनुपालनाओं को कम कर दिया गया है और पूरी तरह से नई स्वचालित और डेटा संचालित संबद्धता प्रणाली की सहायता से प्रक्रिया समय को बहुत कम कर दिया गया है। ऑनलाइन स्कूल संबद्धता और निगरानी प्रणाली (OSAMS) आर-3.0 का एक उन्नत संस्करण, जो संबद्धता की विभिन्न श्रेणियों के लिए आवेदन जमा करने से लेकर ग्रांट या अस्वीकृति के लिए पूरी तरह से डिजीटल प्रणाली है, को "स्कूल की वर्चुअल निरीक्षण प्रणाली" (VIOS) के साथ-साथ पेश किया गया था जिसे COVID प्रतिबंधों के दौरान विशेष रूप से बनाया गया था।

परीक्षा प्रणाली को और अधिक मजबूत बनाने के लिए, परीक्षा संबंधी सभी गतिविधियों के लिए एक व्यापक वन स्टॉप पोर्टल विकसित और कार्यान्वित किया गया है। सटीकता सुनिश्चित करने के लिए डेटा के समानांतर मिलान के साथ परिणाम संसाधित किए जा रहे हैं। लीक होने की किसी भी संभावित स्थिति को रोकने के लिए एन्क्रिप्शन, प्रसार, डिक्रिप्शन और तत्काल और सुरक्षित वितरण के लिए प्रश्न पत्रों की छपाई के लिए एक समुचित प्रणाली बनी हुई है। गोपनीय सामग्री ट्रैकिंग और निगरानी (सीएमटीएम) ऐप बोर्ड परीक्षाओं के दौरान अत्यधिक गोपनीय और संवेदनशील सामग्री की इलेक्ट्रॉनिक निगरानी में सहायता करती है।

छात्रों के अधिगम में सुधार के साथ-साथ सुविधा के लिए प्रौद्योगिकी का और उपयोग बढ़ाया गया। वर्तमान में, 2004 से 2020 तक सत्रह वर्ष के X और XII परीक्षार्थियों के परिणाम का डेटा, नियोक्ताओं और उच्च शिक्षा संस्थानों द्वारा सत्यापन के लिए ऑनलाइन उपलब्ध है। परिणाम मंजूषा नामक इस रिपॉजिटरी में लगभग 12 करोड़ डिजिटल शैक्षणिक दस्तावेज जैसे अंक-पत्रक, प्रवास प्रमाणपत्र और उत्तीर्णता प्रमाणपत्र उपलब्ध हैं। विदेशी छात्रों को उनके कॉलेज में प्रवेश के लिए डिजिटल प्रमाणपत्र प्रदान करने के लिए कोविड स्थिति में एक आपातकालीन प्रतिक्रिया के रूप में बनाई गई फेस मैचिंग प्रौद्योगिकी को हाल ही में एक सेकेंड फैक्टर प्रमाणीकरण के रूप में परिणाम मंजूषा में जोड़ा गया है।

सीबीएसई ने इंटेल के सहयोग से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में एक स्व-गतिक्रम वाला/self-paced शिक्षण कार्यक्रम तैयार किया है जो 11 विभिन्न स्थानीय भाषाओं में उपलब्ध है और दृष्टिबाधित लोगों द्वारा उपयोग किए जाने वाले विभिन्न टॉकबैक एप्पलीकेशन के साथ संगत है। इसके अलावा कक्षा VI-VIII के छात्रों के लिए 12 घंटे की अवधि के 11 कौशल मॉड्यूल, कक्षा VI-VIII के छात्रों के लिए कोडिंग और कक्षा VIII-XII के छात्रों के लिए डेटा साइंस भी इस अवधि के दौरान पेश किए गए हैं।

सीटीईटी जो शुरू में 5 जुलाई, 2020 को आयोजित होने वाली थी, उसे कोरोना वायरस के व्यापक फैलाव के कारण स्थगित करना पड़ा। यह अंततः सभी सुरक्षा उपायों का पालन करते हुए 31 जनवरी 2021 को 3058974 अभ्यर्थियों के लिए आयोजित की गई थी। इसके लिए अतिरिक्त 23 शहरों में परीक्षा केंद्रों की व्यवस्था की गई और अभ्यर्थियों को शहर बदलने की सुविधा दी गई। सीटीईटी में उत्तीर्ण प्रतिशत में पिछले वर्ष की तुलना में सुधार हुआ है; जुलाई 2019 में 16.84% से जनवरी 2021 में 33.94% तक। जैसा एनईपी 2020 में परिकल्पित किया गया है, सीटीईटी को बेहतर परीक्षण आइटम और परीक्षण के तरीके के साथ मजबूत करने के लिए और कदम उठाए जाएंगे।

एनईपी 2020 में संस्तुति की गई है कि नए प्रस्तावित राष्ट्रीय आकलन केंद्र, PARAKH द्वारा छात्र अधिगम स्तर का एक नमूना/प्रतिदर्श आधारित राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण (NAS), अन्य सरकारी निकायों के साथ-साथ सरकारी और प्राइवेट स्कूलों के उपयुक्त सहयोग से किया जाएगा। शिक्षा मंत्रालय द्वारा गठित संचालन समिति ने निर्णय लिया कि उपकरण विकास, परीक्षण, परीक्षण आइटम को अंतिम रूप देना, प्रतिचयन एनसीईआरटी द्वारा किया जाएगा जबकि सैंपल स्कूलों में एनएएस का वास्तविक प्रशासन सीबीएसई द्वारा किया जाएगा। प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार 2020 में सर्वेक्षण नहीं किया जा सका और इसे बाद में 2021 में आयोजित किया गया।

पूरे विद्यालय समुदाय के लिए यह वर्ष एक निर्णायक परीक्षा की तरह रहा है जहां एक ओर हम महामारी के बाद की स्थितियों से जूझ रहे थे, वहीं हमारी स्कूल प्रणाली, शिक्षकों और विद्यार्थियों द्वारा कठिनाइयों से शीघ्र उभरने की क्षमता और आशा के साथ चुनौती का सामना किया गया। बोर्ड निर्बाध और तनाव मुक्त अधिगम और परीक्षण सुनिश्चित करने के लिए सभी यथासंभव प्रयास करेगा।

ये बदलाव माननीय शिक्षा मंत्री, शिक्षा राज्य मंत्री, सचिव (विद्यालय शिक्षा एवं साक्षरता) की प्रेरणा और सहयोग तथा सभी विद्यालय शिक्षा संस्थानों के प्रमुखों, शासी निकाय के सदस्यों, सभी समितियों के सदस्यों, प्रधानाचार्यगण, शिक्षकों, माता-पिता और मीडिया के सहयोग से संभव हो पाए हैं।

मैं सीबीएसई के सभी वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों को इस प्रतिकूल समय में उनके सहयोग एवं समर्थन और चुनौतियों का सामना करने के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। मैं वार्षिक रिपोर्ट के इस संस्करण के लिए मीडिया एवं जन-संपर्क प्रमुख और उनकी टीम की भी सराहना करता हूं।

**मनोज आहूजा, आईएएस**
**अध्यक्ष, के.मा.शि.बो.**

**दिल्ली**

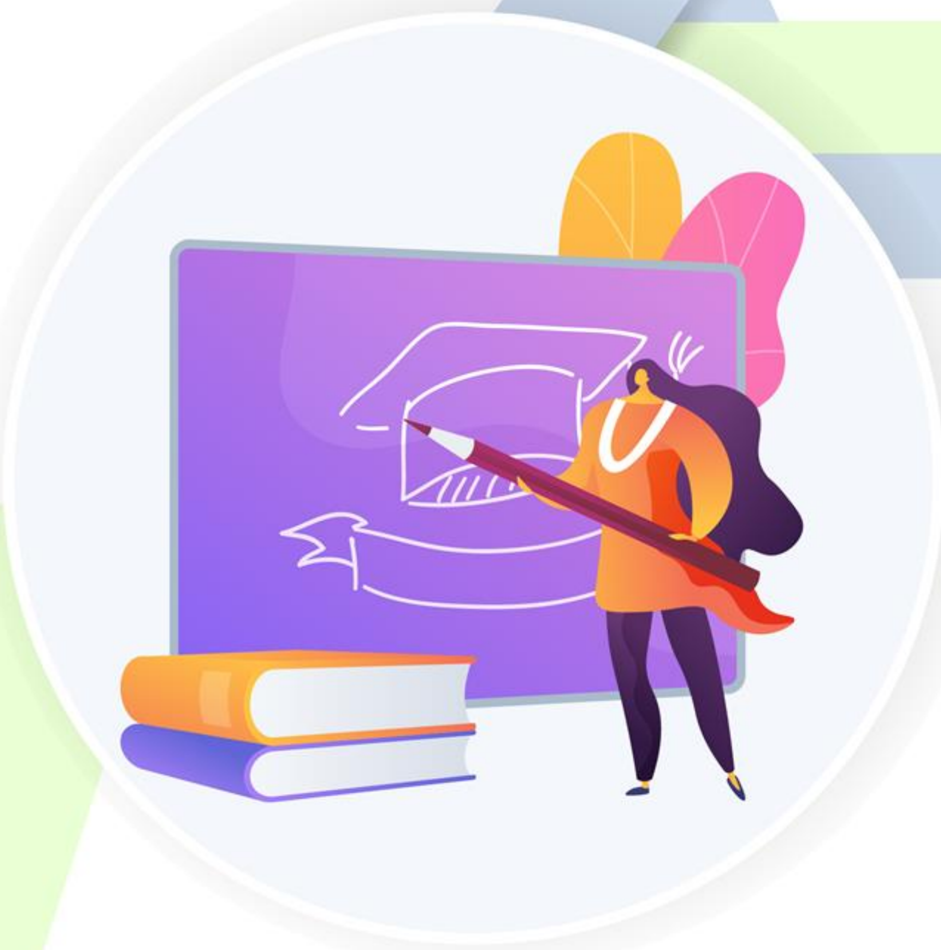

# शैक्षणिक गतिविधियां

## 26वां राष्ट्रीय वार्षिक सहोदय सम्मेलन

### "चुनौतीपूर्ण समय में सक्षमता निर्माण"

बैंगलोर सहोदय स्कूल संकुल द्वारा 11 और 12 दिसंबर 2020 को 'चुनौतीपूर्ण समय में सक्षमता निर्माण' विषय पर वर्चुअल सम्मेलन की मेजबानी की गई। इस वर्ष के सम्मेलन के लिए निम्न उप-विषय थे: *सभी मिश्रित अधिगम वातावरणों के आधार के रूप में प्रौद्योगिकी; सुधार के अवसरों के रूप में कमजोरियों से तालमेल और छात्र सामर्थ्य निर्माण; कला के एकीकरण के माध्यम से प्रामाणिक और सार्थक अधिगम; ध्यानपूर्वक समावेशी होना- सुधार की दिशा में एक कदम; भविष्य के लिए तैयार रहने के लिए दक्षताओं का निर्माण करने वाले उपयुक्त कौशल का विकास करना; मन-मस्तिष्क का लाभकारी प्रबंधन; कक्षाओं में परिवर्तन लाने के लिए एक सशक्त शिक्षक संचालित उपकरण के रूप में अनुसंधान और जांच।*

सम्मेलन में वर्चुअल प्लेटफॉर्म पर 3800 सदस्यों की भागीदारी देखी गई, जबकि YouTube पर 4000 से अधिक सदस्य और फेसबुक पर 5000 लोग भारत और विदेश स्थित स्कूलों से जुड़े।

सम्मेलन की मुख्य सिफारिशों में अनुभवजन्य शिक्षण अधिगम शिक्षाशास्त्रों/विधियों को अपनाना था जैसे कला का एकीकरण, खेल, जीवन-कौशल, शिल्प, मूल्य, खिलौने, कहानियां, आईसीटी एकीकृत शिक्षण अधिगम के लिए एक पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण, एनईपी 2020 की सिफारिशों का कार्यान्वयन; स्व-सुधार के लिए रचनात्मक मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए प्रामाणिक आकलन उपकरणों की डिजाइनिंग करना, पाठ्यचर्या को नया स्वरूप देना, समावेशन पर ध्यान केंद्रित करना।

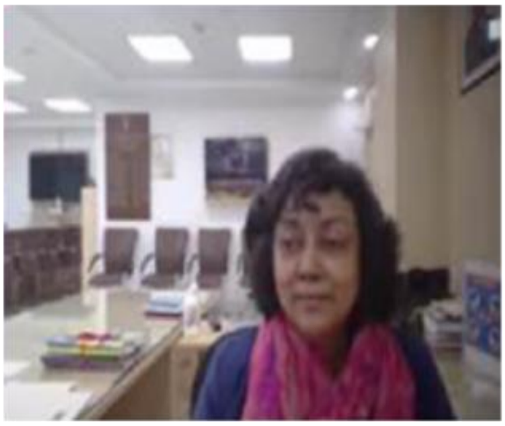

**"चुनौतीपूर्ण समय में सक्षमता निर्माण"**

**"चुनौतीपूर्ण समय में सक्षमता निर्माण"**

# विद्यार्थी संवर्धन गतिविधियां

## अभिव्यक्ति श्रृंखला

सीबीएसई स्कूलों में 15 जून से 21 जुलाई 2020 तक "कोविड 19 जैसे अप्रत्याशित समय में नवप्रवर्तनकारी चिंतन' विषय पर सीबीएसई अभिव्यक्ति श्रृंखला आयोजित की गई थी। प्रतिभागी प्रत्येक श्रेणी के लिए दिए गए विषयों पर चित्र बना सकते थे, पेंट कर सकते थे, कविता, निबंध या पैराग्राफ लिख सकते थे। इस आयोजन में कुल 176667 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

## आर्यभट्ट गणित चुनौती

आनंदपूर्ण आकलन के माध्यम से छात्रों में रुचि और दक्षता को बढ़ावा देने के लिए सीबीएसई द्वारा आर्यभट्ट गणित चैलेंज का आयोजन किया गया था। कंप्यूटर आधारित टेस्ट मुख्य रूप से इस बात पर ध्यान केंद्रित करता है कि बच्चे अपने दैनिक जीवन में गणित को किस सीमा तक लागू करने में सक्षम हैं। परीक्षण के प्रदर्शन से मिले फीडबैक से बोर्ड को स्कूलों और बच्चों का, उनके द्वारा गणित के दैनिक जीवन में उपयोग करने में, मार्गदर्शन करने में सहायता मिलती है। इस साल का आर्यभट्ट गणित चैलेंज 12 नवंबर को शुरू हुआ और 7 दिसंबर, 2020 को समाप्त हुआ। आर्यभट्ट गणित चैलेंज के इस साल के संस्करण में कुल 2.5 लाख छात्रों ने नामांकन किया, इनमें से 1.8 लाख ने कम से कम एक मॉड्यूल पूरा किया और 0.9 लाख प्रतिभागियों ने 100% प्रश्न पूरे किए।

## दीक्षा प्लेटफॉर्म के द्वारा सीबीएसई विज्ञान चुनौती 2020

शिक्षार्थियों के बीच जिज्ञासा, प्रश्न करने/जांचने और उच्च स्तरीय चिंतन पैदा करने की पहल के रूप में, बोर्ड ने 21 दिसंबर 2020 से 11 जनवरी 2021 तक कक्षा 8वीं से 10वीं के छात्रों के लिए विज्ञान चुनौती की घोषणा की। सभी बोर्डों के कक्षा 8वीं से 10वीं तक के छात्र इस चुनौती में भाग लेने के लिए पात्र थे।

चुनौती में भाग लेने के लिए, छात्रों का दीक्षा मंच पर 'सीबीएसई विज्ञान चुनौती 2020' कोर्स में शामिल होना अपेक्षित था, जिससे छात्रों को चुनौती में भाग लेने के अलावा विज्ञान के कुछ पहलुओं को जानने में भी मदद मिली। कोर्स पूरा होने पर दीक्षा प्लेटफॉर्म पर भागीदारी प्रमाण पत्र ऑनलाइन जारी किए गए।

## सीबीएसई हेरिटेज इंडिया प्रश्नोत्तरी

महामारी के चलते, सीबीएसई ने सीबीएसई हेरिटेज इंडिया प्रश्नोत्तरी के पैटर्न को आशोधित किया और छात्रों को एक ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से भाग लेने की अनुमति दी। एक भारत श्रेष्ठ भारत को इस वर्ष जनवरी 2020-21 के लिए निर्धारित प्रश्नोत्तरी के विषयों में से एक के रूप में शामिल किया गया और सभी प्रतिभागियों को ई-प्रमाण पत्र दिए गए।

## कला और संस्कृति पर सीबीएसई अभिव्यक्ति श्रृंखला

कला और संस्कृति पर अपने विचारों को रचनात्मक रूप से व्यक्त करने हेतु छात्रों को एक मंच प्रदान करने के लिए सीबीएसई ने जनवरी 2021 में एक भारत श्रेष्ठ भारत (ईबीएसबी) कार्यक्रम के अनुसार राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों की जोड़ी के उपयोग हेतु द्वितीय अभिव्यक्ति श्रृंखला आयोजित की। प्रत्येक प्रतिभागी को भागीदारी का एक ऑनलाइन प्रमाण पत्र दिया गया। क्षेत्रीय स्तर पर प्रत्येक श्रेणी में दस सर्वश्रेष्ठ प्रविष्टियों का चयन किया गया। प्रत्येक श्रेणी के तहत 3 सर्वश्रेष्ठ प्रविष्टियां चयन की गई और सीबीएसई की वेबसाइट पर अपलोड की गई।

## माननीय शिक्षा मंत्री के साथ संवाद कार्यक्रम

माननीय शिक्षा मंत्री श्री रमेश पोखरियाल 'निशंक' के साथ सीबीएसई स्कूल प्रमुखों का एक संवाद कार्यक्रम 28 जनवरी 2021 को आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य एनईपी 2020 के आधार स्तर पर कार्यान्वयन में स्कूल प्रमुखों को उनकी भूमिका के बारे में जागरूक करना था।

## "न्यू इंडिया फिट इंडिया "

सीबीएसई से संबद्ध विद्यालयों द्वारा दो प्रमुख पहल लागू की जा रही हैं फिट इंडिया स्कूल प्रमाणन प्रणाली; और छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों को शामिल करते हुए फिट इंडिया विद्यालय सप्ताह। फिट इंडिया स्कूल प्रमाणन प्रणाली में, कुल 1,76,162 स्कूलों को फिट इंडिया फ्लैग से सम्मानित किया गया। इसके अलावा, कुल 33,083 और 11,745 स्कूलों ने क्रमशः फिट इंडिया 3 स्टार और 5 स्टार स्कूल प्रमाणन के लिए आवेदन किया।

फिट इंडिया स्कूल वीक की परिकल्पना न केवल स्कूल जाने वाले बच्चों के लिए बल्कि

उनके माता-पिता, शिक्षकों और स्कूल स्टाफ के लिए भी फिटनेस के बारे में जागरूकतापैदा करने की अनिवार्य आवश्यकता के साथ की गई थी। फिट इंडिया स्कूल वीक के वर्तमान संस्करण के दौरान, कोविड-19 के दिशानिर्देशों का अनुसरण करते हुए विभिन्न वर्चुअल गतिविधियों जैसे योग, फ्री हैंड अभ्यास, पेंटिंग, वाद-विवाद, संगोष्ठी के साथ शतरंज, रूबिक्स क्यूब जैसे दिमागी खेलों का आयोजन किया गया।.

### खेलो इंडिया फिटनेस आकलन

सीबीएसई ने स्कूल जाने वाले बच्चों के लिए खेलो इंडिया फिटनेस आकलन कार्यक्रम को भी अपनाया। सीबीएसई स्कूलों के 20,577 शिक्षकों को स्कूलों में फिटनेस का आकलन करने और अन्य स्कूलों को भी प्रशिक्षित करने के लिए प्रशिक्षण दिया गया।

### विद्यालय कोर्स/ पाठ्यक्रम/ पाठ्यचर्या से जुड़े स्ट्रेस संबंधी मुद्दों को संबोधित करने के लिए कला एकीकृत अधिगम

बोर्ड द्वारा अपने सभी संबद्ध स्कूलों के लिए कला शिक्षा और कला एकीकृत शिक्षा अनिवार्य कर दी गई है। अनुभवजन्य शिक्षा की ओर-कला एकीकरण दिशा-निर्देशों पर एक दस्तावेज तैयार किया गया था जिसमें अनुभवजन्य और आनंदमय अधिगम के लिए एक शैक्षणिक साधन के रूप में कला के महत्व पर विवरण, शिक्षकों और प्रधानाचार्यों के लिए कला-एकीकृत अधिगम के लिए दिशानिर्देश और संदर्भ के लिए गतिविधियों और परियोजनाओं की एक संसूचक सूची शामिल थी।

सीबीएसई ने अनुभवजन्य शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए कक्षा I से X के लिए अनिवार्य कला-एकीकृत परियोजना कार्य शुरू किया। इसके भाग के रूप में, शैक्षणिक सत्र 2020-21 से कक्षा IX और X के सभी छात्रों द्वारा प्रत्येक विषय में कम से कम एक कला-एकीकृत परियोजना ली जाएगी, और कक्षा I से VIII के छात्रों को भी किसी दिए गए शैक्षणिक वर्ष में कम से कम एक कला-एकीकृत परियोजना (ट्रांस-डिसिप्लिनरी परियोजना) लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। 12.5 मिलियन से अधिक छात्रों ने ऐसी परियोजनाएं जमा की हैं।

### आकलन केंद्र

एनईपी 2020 में प्रस्तावित PARAKH जैसे मानदंड-आधारित आकलन को लागू करने के लिए आवश्यक प्रणालियों को संस्थागत करने के लिए सीबीएसई को क्षमता निर्माण की आवश्यकता है, जिसके लिए एनसीईआरटी अधिगम परिणामों के अनुरूप आकलन और मूल्यांकन के लिए मानदंड, मानक निर्धारित करने और दिशानिर्देश तैयार करने के लिए और सीबीएसई से संबद्ध विद्यालयों में अधिगम परिणामों की निगरानी करने के लिए सीबीएसई में मूल्यांकन केंद्र स्थापित किया गया है। यह आकलन केंद्र सक्षमता आधारित आकलन के कार्यान्वयन में एक प्रारंभिक कदम होगा। आकलन केंद्र एनईपी 2020 की पृष्ठभूमि में मुख्य चरण के आकलन के लिए निर्विष्टियाँ भी प्रदान करेगा।

### प्रश्न पत्रों की गुणवत्ता में सुधार

वास्तविक जीवन संदर्भों पर आधारित उच्च क्रम अनुप्रयोग उन्मुख प्रश्नों के अनुपात में वृद्धि करके प्रश्न पत्रों की गुणवत्ता में सुधार किया गया । यह रटने पर आधारित अधिगम को कम करने और ज्ञान और कौशल के उपयोग पर ध्यान केंद्रित करने के लिए किया गया है।

### गणित के दो स्तर

बोर्ड ने दसवीं और बारहवीं कक्षा में गणित के दो स्तर शुरू किए ताकि जिन छात्रों को गणित चुनौतीपूर्ण या कठिन लगे, वह आसान विकल्प ले सके।

### पीआईएसए 2022

शिक्षा मंत्रालय (MoE) ने अंतरराष्ट्रीय छात्र आकलन कार्यक्रम- PISA 2022 में भारत की भागीदारी के लिए आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (OECD) के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।

*केंद्रीय विद्यालय संगठन (केवीएस), नवोदय विद्यालय समिति (एनवीएस) द्वारा संचालित स्कूल और संघ राज्य क्षेत्र चंडीगढ़ के स्कूल पीआईएसए 2022 में भाग लेंगे।* सीबीएसई वास्तविक परीक्षा की ओर ले जाने की प्रक्रिया और गतिविधियों का हिस्सा बनेगा, जिसके लिए 2020 में निम्नलिखित पहल की गई:

#### ए. शिक्षकों और छात्रों के लिए संसाधनों का निर्माण

- गणित पर अभ्यास पुस्तक तैयार की गई।
- कक्षा **VI** से **X** के लिए गणित और विज्ञान के लिए शिक्षक एनेरजाइज्ड रिसोर्स सामग्री **(TERM)** जारी की गई**,** जबकि अंग्रेजी और हिंदी के **TERMs** शुरू किए गए।

- कक्षा **I** से **X** के लिए "अधिगम परिणाम प्राप्त करना" शीर्षक से शिक्षक संसाधन जारी किया गया।
- माता-पिता के लिए क्यूआर कोड वाले पीसा प्राइमर जारी किए गए जिनमें पीआईएसए के प्रमुख पहलुओं का विवरण दिया गया था।
- सीसीटी साप्ताहिक प्रश्नों के लिए सक्षमता-आधारित प्रश्न सीबीएसई, यूटी-चंडीगढ़, केवीएस और एनवीएस द्वारा बनाए गए थे। शिक्षा पहलों के माध्यम से विभिन्न कक्षाओं के लिए लगभग 10,000 आइटम के पूल तैयार हुआ।

## बी. शिक्षार्थियों के लिए सुविधा

- बोर्ड ने दिसंबर 2020 में दीक्षा पर कक्षा 8वीं से 10वीं तक के छात्रों के लिए सीबीएसई विज्ञान चुनौती का आयोजन किया।
- जनवरी 2021 में सीबीएसई से संबद्ध सभी स्कूलों के लिए सीबीएसई रीडिंग चैलेंज का आयोजन किया गया।
  •रचनात्मक और विवेचनात्मक चिंतन (सीसीटी) अभ्यास अंग्रेजी, गणित और विज्ञान में विकसित किए गए।
- सीबीएसई ने सभी सीबीएसई स्कूलों के लिए सीसीटी साप्ताहिक अभ्यास शुरू किया जिसके तहत प्रति सप्ताह 5 सक्षमता आधारित प्रश्न अभ्यास के लिए प्रति छात्र और शिक्षक दीक्षा प्लेटफॉर्म पर अपलोड किए गए।

## सी. वेबिनार 'पाठ बोधन कौशल संवर्धन" पर वेबिनार

यूटी-चंडीगढ़ के शिक्षकों के लिए 27 अक्टूबर 2020 को एक वेबिनार आयोजित किया गया था जिसे यूट्यूब पर लाइव स्ट्रीम किया गया था।

पीआईएसए के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए यूटी, चंडीगढ़ के माता-पिता/ अभिवावकों के लिए 4, 5 और 6 सितंबर 2020 को तीन वेबिनार आयोजित किए गए।

इन कार्यक्रमों में तीन दिनों की अवधि में 52,000 अभिभावकों ने भाग लिया।

## डी. अधिगम अंतराल की पहचान के लिए विशिष्ट मध्यवर्तन

प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन (पीईएफ) के समर्थन से, सीबीएसई ने यूटी, चंडीगढ़ के छात्रों में अधिगम अंतराल की पहचान करने के लिए मध्यवर्तन शुरू किए और अंग्रेजी और हिंदी में छात्रों के लिए उपकरण/साधन पर पायलट कार्य किया गया।

## सीबीएसई सर्वेक्षण

सीबीएसई द्वारा जुलाई से अक्टूबर **2020** तक किए गए एक सर्वेक्षण में, यह पता चला कि **13,527** स्कूलों द्वारा जवाब दिया गया जिसमें:

- यू ट्यूब, जूम, व्हाट्सएप, दीक्षा, ऑफलाइन मोड जैसे विभिन्न तरीकों का उपयोग करके 10,799 विद्यालय (80%) कक्षाएं संचालित कर रहे थे।
- 9764 (71%) विद्यालयों ने अपने सभी छात्रों के लिए पाठ्यपुस्तकों की उपलब्धता सुनिश्चित की थी।
- 11711 विद्यालयों (87%) ने अपने शिक्षकों को ऑनलाइन प्रशिक्षण दिया।
- 97 प्रतिशत शिक्षकों ने दूरस्थ शिक्षा को संतोषजनक पाया।
- 88 प्रतिशत छात्रों ने दूरस्थ शिक्षा को संतोषजनक पाया।
- 41 प्रतिशत स्कूलों ने बताया कि उनके छात्रों को गणित सीखने में कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है।
- 55 प्रतिशत स्कूल व्यक्तिगत अधिगम योजनाएं बच्चों के घर भेज रहे थे।

अक्टूबर 2020 के अंत में क्षेत्रीय स्तर पर शुरू हुए एक दूसरे सर्वेक्षण में यह बात सामने आई कि

- 21,883 विद्यालयों (लगभग 90%) ने अधिगम अंतराल जानने के लिए सफलतापूर्वक आंतरिक सर्वेक्षण किया और किसी न किसी तरह से अपने छात्रों तक पहुंचे।
- औसतन लगभग 15% छात्रों में कथित तौर पर कुछ अधिगम अंतराल/कमियां दिखाई दी।
- लगभग 18% छात्र ऑनलाइन कक्षाओं में शामिल नहीं हो पाए।
- लगभग सभी क्षेत्रों में 90% से अधिक विद्यालयों ने ऑनलाइन कक्षाओं में भाग नहीं लेने वाले छात्रों का मार्गदर्शन/सहयोग करने के लिए उपाय किए।

विद्यालयों को सुग्राही बनाने और छात्रों तक पहुंचने और अधिगम अंतराल को दूर करने के प्रयासों की निगरानी में बोर्ड के क्षेत्रीय कार्यालय शामिल थे।

छात्रों के मार्गदर्शन के लिए विद्यालयों द्वारा निम्न प्रमुख गतिविधियाँ की गई:

- निजीकृत अधिगम योजना
- माता-पिता के साथ नियमित संपर्क
- परियोजना कार्य के माध्यम से अधिगम
- अधिगम सामग्री, सैंपल पत्र और नोट्स साझा करना
- शिक्षकों द्वारा व्यक्तिगत रूप से घर का दौरा
- रिकॉर्डेड वीडियो व्याख्यान, कार्यपत्रक और अधिगम सामग्री भेजना
- छात्रों को अपने संदेह दूर करने के लिए माता-पिता की सहमति से स्कूल जाने के लिए प्रेरित करना
- माता-पिता को बुलाने के लिए पत्र भेजना अगर वे टेलीफोन से जवाब नहीं दे रहे हों
- शिक्षकों द्वारा व्यक्तिगत दूरभाष
- छात्रों के साथ मांग आधारित अलग-अलग सत्र
- सतत परामर्श सत्र

विद्यालयों के पुन: खुलने के बाद उन्हें और सुग्राही बनाने के लिए, सीबीएसई द्वारा सभी स्कूलों को मित्रवत रचनात्मक तरीके से अधिगम अंतराल का आकलन करने और तदनुसार जहां भी आवश्यक हो उपचारात्मक उपायों को प्राथमिकता देने की सलाह दी गई। स्कूलों को समयबद्ध तरीके से अधिगम अंतराल को दूर करने के लिए मिश्रित मोड में उपचारात्मक सत्रों की योजना बनाने का सुझाव दिया गया था क्योंकि बच्चे और शिक्षक ऑनलाइन तरीकों से परिचित और अवगत थे।

## छात्रों में अधिगम अंतराल को पाटने के लिए की गई गतिविधियाँ

### (i) कोविड-19 के दौरान अधिगम संवर्धन; सतत अधिगम के लिए दिशानिर्देश:

एनसीईआरटी ने बिना डिजिटल उपकरणों वाले, डिजिटल उपकरणों तक सीमित पहुंच वाले और डिजिटल उपकरणों वाले छात्रों पर ध्यान केंद्रित करते हुए अधिगम संवर्धन पर दिशानिर्देश तैयार किए। सीबीएसई ने स्कूलों को अपने छात्रों में अधिगम अंतरालों को दूर करने और उनकी अधिगम उपलब्धि की इष्टतम प्राप्ति के लिए इन दिशानिर्देशों को अपनाने की सलाह दी।

### ( ii) जहां संभव हो वहां ऑनलाइन कक्षाओं का संचालन करने के लिए शिक्षकों का विशेष क्षमता निर्माण

सीबीएसई ने ऑनलाइन शिक्षणशास्त्र सहित विभिन्न क्षेत्रों में 5,50,000 शिक्षकों (अप्रैल से दिसंबर 2020 तक) को प्रशिक्षित किया। शिक्षकों की क्षमता बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण के बाद कई बाइट-आकार के मॉड्यूल भी तैयार किए गए और प्रसारित किए गए। भारत सरकार के निष्ठा कार्यक्रम के तहत 403634 शिक्षकों को भी प्रशिक्षित किया गया।

### (iii) वैकल्पिक शैक्षणिक कैलेंडर

एनसीईआरटी द्वारा प्रकाशित सप्ताह-वार योजना में पाठ्यपुस्तक में अध्यायों के आधार पर अधिगम गतिविधियाँ शामिल हैं, जिन्हें अधिगम परिणामों के साथ प्रतिचित्रित किया गया है ताकि शिक्षकों को छात्रों की अधिगम में प्रगति के आकलन और निष्पादन करने में सुविधा हो। सीबीएसई ने शिक्षकों द्वारा इसके प्रभावी उपयोग के लिए 17 जुलाई 2020 को वैकल्पिक शैक्षणिक कैलेंडर पर एक ऑनलाइन अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया जिसे लगभग 2,55,000 शिक्षकों और प्रधानाचार्यों ने देखा।

### (iv) पाठ्यक्रम (syllabus) का युक्तिकरण

सीबीएसई ने केवल इस वर्ष के लिए एक अस्थायी उपाय के रूप में योगात्मक परीक्षाओं के उद्देश्य से पाठ्यक्रम में कमी की थी, ताकि लॉकडाउन के प्रभाव को कम किया जा सके और जो स्कूलों के बंद किए जाने और प्रत्यक्ष/आमने-सामने के अनुदेशात्मक घंटों में कमी के संदर्भ में थी। प्रत्येक विषय के लिए पाठ्यक्रम समिति ने आवश्यकता के कारण पाठ्यक्रम सामग्री को युक्तिसंगत बनाते समय निम्नलिखित पर विचार किया और पाया:

ए) सभी विषय महत्वपूर्ण हैं लेकिन इस असाधारण स्थिति में, कुछ ऐसे विषय जो छात्र पहले ही पढ़ चुके हैं या छात्र उच्च कक्षाओं में विस्तार से अध्ययन करेंगे, उन्हें योगात्मक आकलन से हटाया जा सकता है। शिक्षक इन विषयों पर आवश्यकतानुसार चर्चा कर सकते हैं।

(बी) जिन विषयों/अवधारणाओं का भावी अधिगम पर न्यूनतम प्रभाव पड़ता है, उन्हें बोर्ड परीक्षा के उद्देश्य से छोड़ा जा सकता है।

(सी) परिशोधन के अनुसार प्रैक्टिकल घटकों में उपयुक्त परिवर्तन किए जाने की आवश्यकता है।

(डी) शिक्षकों से उन अवधारणाओं को एकीकृत करने की अपेक्षा की जाती है जो पिछले और उसके बाद के विषयों के संबंध में कक्षा में परिशोधित पाठ्यक्रम का हिस्सा नहीं हैं।

## कोविड के दौरान शिक्षकों के लिए विशेष संसाधन:

### (v) पाठ्यचर्या के साथ प्रतिचित्रित अधिगम परिणाम

सीबीएसई ने एनसीईआरटी (दसवीं कक्षा तक के सभी विषयों के लिए) द्वारा निर्धारित प्रत्येक अधिगम परिणामों को निर्धारित पाठ्यपुस्तकों में विषयों के साथ प्रतिचित्रित करने का कार्य किया ताकि शिक्षकों की सक्षमता-आधारित शिक्षा के प्रति समझ बढ़ाने में, और महामारी के दौरान उनके प्रयासों में इसके उपयोग के लिए सहायता दी जा सके। (http://cbseacademic.nic.in/web_material/Manuals/TeachersResource_LODoc.pdf)

### (vi) शिक्षक एनर्जाइज्ड रिसोर्स सामग्री या TERM

कक्षा 6 से 10 के पूरे पाठ्यक्रम को शामिल करते हुए दो विषयों - विज्ञान और गणित - के लिए हस्तपुस्तक तैयार की गई थी ताकि शिक्षकों की उनके कक्षा शिक्षण को एक सक्षमता वाले फ्रेमवर्क के साथ संरेखित करने में सहायता की जा सके। अवधारणाओं को आकलन मदों के एक समूह के साथ एनसीईआरटी अधिगम परिणामों से जोड़ा गया है। http://cbseacademic.nic.in/manual.html

### (vii) अनुभवजन्य अधिगम और सक्षमता-आधारित शिक्षा पर MOOCs मॉड्यूल

अनुभवजन्य अधिगम और सक्षमता-आधारित शिक्षा से संबंधित शिक्षणशास्त्र और शिक्षण और अधिगम प्रक्रिया में वास्तविक जीवन की स्थितियों को एकीकृत करने की आवश्यकता पर गतिविधि-आधारित और अत्यधिक आकर्षक मॉड्यूल तैयार किए गए थे।https://bit.ly/cbse-explrn-wb
http://bit.ly/CompetencybasedEducation

### (viii) विद्यादान

विद्यादान-2 को अप्रैल, 2020 में एक राष्ट्रीय सामग्री योगदान कार्यक्रम के रूप में लॉन्च किया गया था, जिसके माध्यम से शैक्षिक निकायों, निजी निकायों और व्यक्तिगत विशेषज्ञों द्वारा स्कूली शिक्षा के लिए ई-लर्निंग संसाधनों के योगदान या दान की सुविधा देने के लिए दीक्षा मंच और उपकरणों का उपयोग किया जाता है। अब तक, सीबीएसई को योगदान के रूप में अंग्रेजी भाषा में 8592 विषय-वस्तुएं प्राप्त हुई है।

### (ix) डिजिटल शिक्षा पर प्रज्ञाता दिशानिर्देश

जो छात्र स्कूल बंद होने के कारण घर पर थे ये दिशानिर्देश उनके लिए ऑनलाइन या मिश्रित, डिजिटल शिक्षा पर ध्यान देते हुए विकसित किए गए थे। ये दिशानिर्देश विभिन्न श्रेणियों के छात्रों के लिए स्क्रीन टाइम की सिफारिश करते हैं। ये एर्गोनॉमिक्स और साइबर सुरक्षा के संबंध में 'क्या करें' और 'क्या न करें' संबंधी पर्याप्त जानकारी देते हैं। ऑनलाइन कक्षाओं के दौरान उपकरणों का उपयोग कैसे करें और उचित मुद्रा कैसे रखें इसके बारे में इन्फो-ग्राफिक्स दिए गए हैं। https://mhrd.gov.in/sites/upload_files/mhrd/files/pragyata-guidelines_0.pdf

### (x) ओलैब्स

सीबीएसई ने ओलैब्स पर अपने संबद्ध स्कूलों के गणित, जीव विज्ञान, भौतिकी और रसायन विज्ञान के शिक्षकों के लिए वर्चुअल प्रशिक्षण का आयोजन किया जिसमें 22 हजार शिक्षकों ने भाग लिया। ऑनलाइन वर्चुअल लैब्स (ओलैब्स) एक ऐसा प्लेटफॉर्म है जो इंटरनेट का प्रयोग करते हुए लैब प्रयोग सिखाता है। ओलैब्स की सामग्री एनसीईआरटी/सीबीएसई और राज्य बोर्ड पाठ्यक्रम के साथ संरेखित है। https://olabs.edu.in

### (xi) 21वीं सदी के कौशल पर छात्रों के लिए कॉमिक पुस्तकें

यह सुनिश्चित करने के लिए कि शिक्षार्थी आनंदायक साधनों के माध्यम से अपनी पढ़ाई जारी रखें और महामारी के दौरान भी 21वीं सदी के कौशल हासिल करें, सीबीएसई द्वारा विद्यालय जाने वाले बच्चों के लिए दो कॉमिक पुस्तकें ऑनलाइन जारी की गईं। ये कहानी के माध्यम से शिक्षार्थी को विवेचनात्मक चिंतन और समस्या समाधान कौशल आत्मसात करने में सहायता करती हैं।
http://cbseacademic.nic.in/web_material/ComicBooks/Cogito.pdf

### (xii) गणितीय साक्षरता पर अभ्यास पुस्तक

सीबीएसई एक अनूठी वर्कबुक- **ए लिटिल मैथमैजिक** लाया जो कि छात्रों के लिए विवेचनात्मक और रचनात्मक चिंतन कौशल को बढ़ाने हेतु एक अभ्यास पुस्तक है। यह पुस्तक प्रारंभिक विद्यालय के बच्चों के लिए है और कहानियों, रोमांच, मस्ती और हास्य के माध्यम से बच्चे को गणित की दुनिया में ले जाती है।

# नई प्रकाशित हस्तपुस्तक और मैनुअल

टीचर्स रिसोर्स फॉर अचीविंग लर्निंग आउटकॉमस

हैंडबुक ऑफ़ इंक्लूसिव एजुकेशन

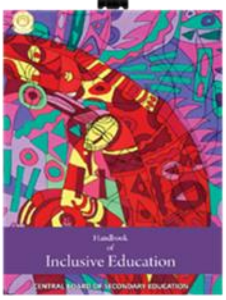


हैंडबुक ऑफ़ जॉयफुल लर्निंग

मैथमेटिकल लिटरेसी

कॉमिक बुक – दा क्वेश्चन बुक

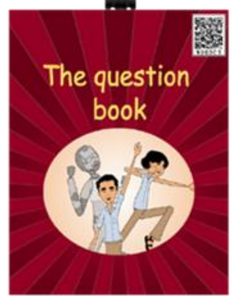


21 सेंचुरी स्किल हैंडबुक

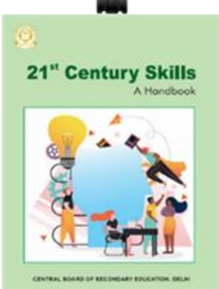


प्रिंसिपल्स हैंडबुक

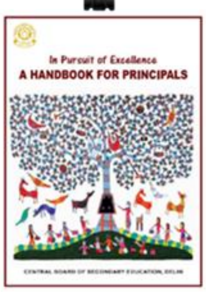


साइबर सेफ्टी मैन्युअल

फिजिकल एजुकेशन क्लास 11

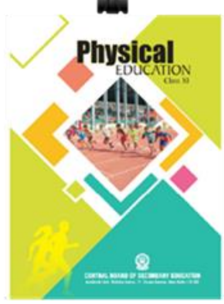


फिजिकल एजुकेशन क्लास 12

कॉमिक बुक – कोगिटो

पेडगोजिकल लीडरशिप: अ हैंडबुक फॉर लीडिंग लर्निंग स्कूल

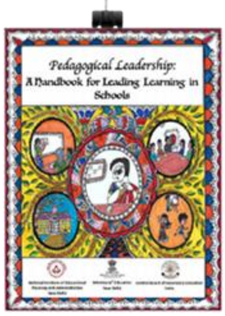


असेसमेंट फॉर कम्पेटेन्सी बेस्ड एजुकेशन (सीबीई )

असेसमेंट फ्रेमवर्क

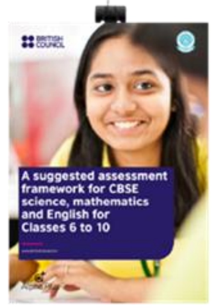

**(xiii) साइबर सुरक्षा और साइबर धमकी**
छात्रों को सुरक्षित इंटरनेट उपयोग में अभिविन्यस्त करने के लिए और साइबर धमकी के बारे में सुग्राही बनाने के लिए, सीबीएसई द्वारा माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों के छात्रों के लिए साइबर सुरक्षा पर एक छात्र-अनुकूल हस्तपुस्तक तैयार की गई है। इस पुस्तिका में बहुत ही आकर्षक और सरल संरूपों में सामग्री है, जिसमें ई-सामग्री को कई स्थानों पर क्यूआर कोड से टैग किया गया है ताकि छात्र की समझ को और बढ़ाया जा सके।
http://cbseacademic.nic.in/web_material/Manuals/Cyber_Safety_Manual.pdf

**(xiv) 21वीं सदी के कौशल पर हस्तपुस्तक**
यह पुस्तिका 21वीं सदी के कौशल या उन कौशलों पर केंद्रित है जो विभिन्न चुनौतियों से निपटने के लिए समग्र विकास हेतु एक व्यक्ति के लिए आवश्यक हैं।
http://cbseacademic.nic.in/web_material/Manuals/21st_Century_Skill_Handbook.pdf

**(xv) कार्य शिक्षा और एक्शन (Work Education and Action) के माध्यम से सामाजिक सशक्तिकरण (SEWA)**
सीबीएसई ने स्वास्थ्य और शारीरिक शिक्षा के तहत कार्य शिक्षा और एक्शन (SEWA) के माध्यम से सामाजिक सशक्तिकरण का एक अनिवार्य घटक क्षेत्र पेश किया है। यह बच्चों को संबंधित परियोजनाओं के माध्यम से सामुदायिक सेवा करने, पर्यावरणीय, नागरिक जिम्मेदारियों, लोकतंत्र या स्वास्थ्य और फिटनेस के बारे में जानने के द्वारा उनके मानसिक, भावनात्मक और सामाजिक स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करता है। कक्षा IX से XII (बारहवीं के लिए, पहले सेमेस्टर / टर्म के अंत तक) के सभी छात्र वर्ष भर SEWA कार्यक्रम में भाग लेते हैं। प्रत्येक वर्ष लगभग 60 लाख छात्र ये परियोजनाएं करते हैं।

**(xvi) क्वारंटाइन अवधि को और लाभदायक/उपयोगी बनाने के लिए सुझाव**
सीबीएसई ने क्वारंटाइन अवधि को और लाभदायक/ उपयोगी बनाने के लिए वार्षिक योजना, छात्र संवर्धन और शिक्षक संवर्धन से संबंधित कुछ गतिविधियों का भी सुझाव दिया जैसे विभिन्न विषयों और कक्षाओं के लिए अधिगम परिणामों को परिभाषित करना; शैक्षिक और सह-शैक्षिक गतिविधियों के लिए वार्षिक पाठ्यचर्या योजना तैयार करना; सीडब्ल्यूएसएन के लिए विशेष गतिविधियां डिजाइन करना; दीक्षा के लिए ई-सामग्री विकसित करना; शिक्षकों द्वारा सर्वोत्तम पद्धतियों पर ब्लॉग लिखना।

**(xvii) समावेश के लिए विशेष मध्यवर्तन**
सीबीएसई ने सीडब्ल्यूएसएन की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए गतिविधियों की योजना बनाने और एकीकरण करने के लिए लॉकडाउन को लाभदायक/ उपयोगी बनाने हेतु शिक्षकों को सलाह दी। स्कूलों को यह सुनिश्चित करने की सलाह दी गई थी कि विशेष आवश्यकता वाले सभी बच्चे और वे बच्चे जिनके माता-पिता आवश्यक सेवाओं (स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों) में शामिल थे, उन्हें सुलभ और अनुकूलित अधिगम के लिए उनकी विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुसार गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्राप्त होती रहे। इस संबंध में स्कूलों के लिए कुछ निम्न सुझाव थे:

(ए) प्रत्येक विशिष्ट बच्चे से संपर्क करें और व्यक्तिगत जरूरतों का आकलन करें और अधिगम के लिए आवश्यक समायोजनों पर चर्चा करें।

(बी) छात्रों की आवश्यकता के आधार पर सभी प्रकार की अधिगम सामग्री (वर्चुअल, मुद्रित या प्रसारित) में प्रिंट के विकल्पों का उपयोग करें, जैसे अनुदेश में ऑडियो या अन्य प्रारूप, चित्र, कैप्शन, बड़े प्रिंट और साइन-लैंग्वेज विकल्प।

(सी) छात्रों और अभिभावकों पर दबाव को कम करने के लिए अनुसूची और समय सीमा में ढील, सहायक तकनीक, सरलीकृत गृहकार्य और रचनात्मक आकलन का उपयोग करना।

(डी) शिक्षकों का मार्गदर्शन करना और प्रशिक्षण देना और उन्हें दूरस्थ और ऑनलाइन स्थितियों में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को पढ़ाने के तरीके पर साक्ष्य-आधारित संसाधन उपलब्ध कराना।

(ई) विशेष शिक्षकों और परामर्शदाताओं की विशेषज्ञ सलाह देकर माता-पिता का सहयोग करना।

(एफ) विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के ऑनलाइन अधिगम में सहायता पर अंतर्दृष्टियों के लिए प्रज्ञाता दिशानिर्देश के खंड 3.4 का अनुसरण करना।

# राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

माननीय प्रधान मंत्री की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने देश में विद्यालय और उच्च शिक्षा प्रणालियों में परिवर्तनकारी सुधारों के लिए मार्ग प्रशस्त किया।

यह 21वीं सदी की पहली शिक्षा नीति है और चौंतीस वर्ष पुरानी राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनपीई) 1986 का स्थान लेती है। नई नीति पहुंच, निष्पक्षता, गुणवत्ता, वहनीयता और जवाबदेही के मूलभूत स्तंभों पर बनी है।

### सामर्थ्य और जवाबदेही

यह नीति सतत विकास के लिए 2030 एजेंडा के साथ संरेखित है और इसका उद्देश्य विद्यालय और महाविद्यालय शिक्षा दोनों को अधिक समग्र, लचीली, बहु-विषयक, 21वीं सदी की जरूरतों के अनुकूल बनाते हुए और प्रत्येक छात्र की अद्वितीय क्षमताओं को उभारने के प्रयोजन के साथ भारत को एक जीवंत ज्ञान-आधारित समाज और वैश्विक ज्ञान महाशक्ति के रूप में बदलना है।

## मुख्य बातें: विद्यालय शिक्षा

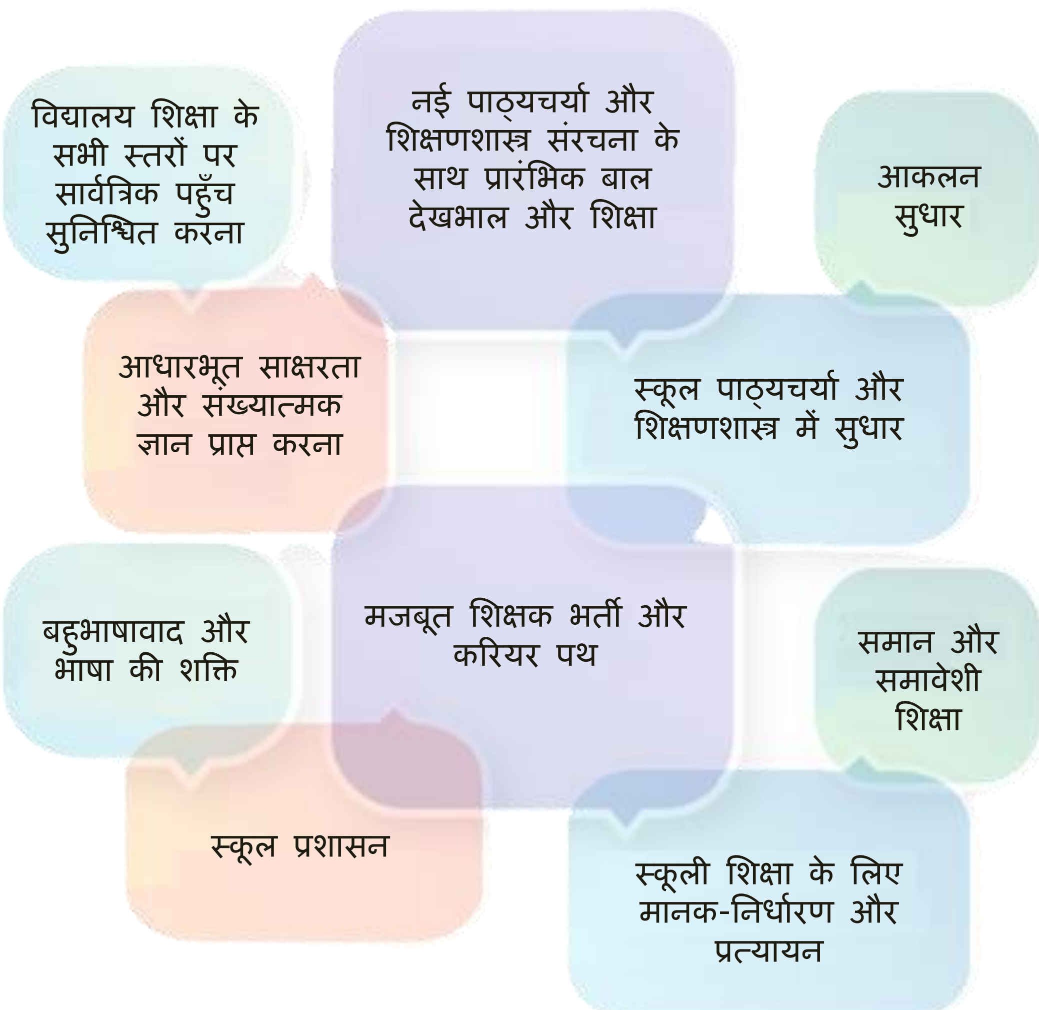

# कौशल शिक्षा एवं प्रशिक्षण

युवा पीढ़ी की दक्षता बढ़ाने और उन्हें विभिन्न कैरियर विकल्पों से अवगत होने के लिए भी जागरूक करने के लिए बोर्ड माध्यमिक स्तर पर 18 कौशल विषयों और वरिष्ठ माध्यमिक स्तर पर 38 कौशल विषयों की पेशकश करता है।

### प्रशिक्षण कार्यक्रम

सीबीएसई द्वारा विभिन्न कौशल विषयों के लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों मोड में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें सीबीएसई से संबद्ध स्कूलों के लगभग 50,000 प्रधानाचार्यों और शिक्षकों ने भाग लिया और लाभान्वित हुए।

**कौशल विषयों को चुनने वाले विद्यालयों की संख्या**

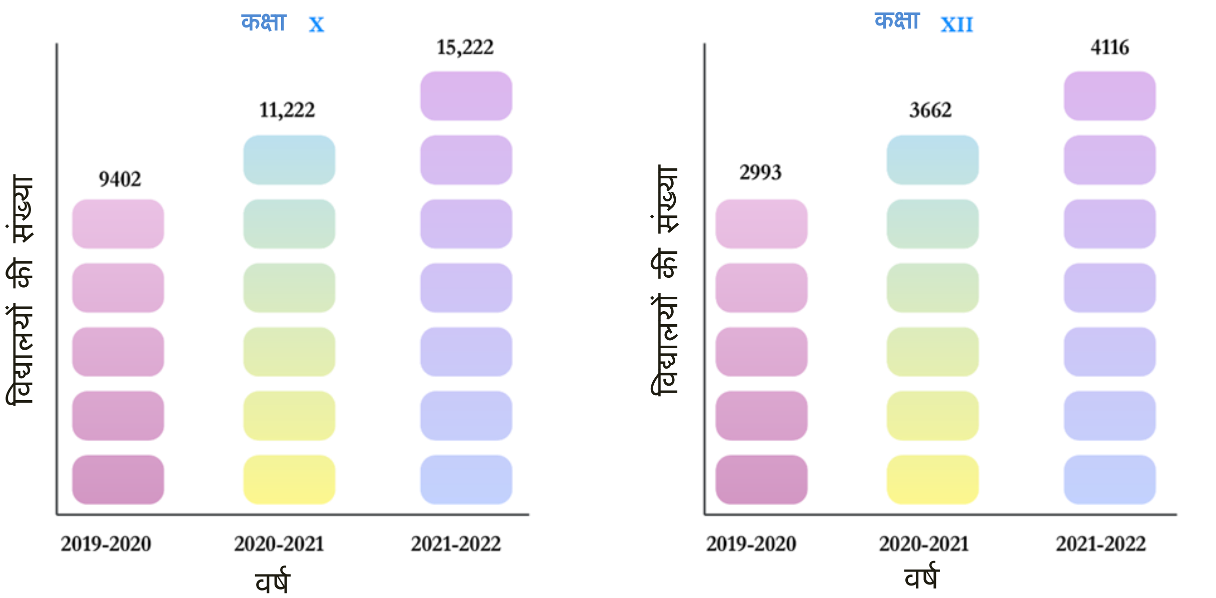


### नए कौशल विषय

अप्रैल 2020 से प्रारंभ करके, दसवीं कक्षा में फिजिकल एक्टिविटी ट्रेनर और बारहवीं कक्षा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में नया कोर्स शुरू किया गया था।

छठी/सातवीं/आठवीं कक्षा में कौशल मॉड्यूल

अप्रैल 2020 में मिडल विद्यालय स्तर पर 12 घंटे की अवधि के कौशल मॉड्यूल भी पेश किए गए हैं:

- कृत्रिम बुद्धिमत्ता
- ब्यूटी एंड वेलनेस
- डिजाइन थिंकिंग
- वित्तीय साक्षरता
- सूचना प्रौद्योगिकी
- यात्रा और पर्यटन
- मार्केटिंग / कॉमर्शियल एप्लीकेशन
- संचार मीडिया
- हस्तशिल्प

### सीबीएसई - इंटेल एआई 4 यूथ

छात्रों हेतु 13-17 अक्टूबर, 2020 तक एक वर्चुअल संगोष्ठी आयोजित की गई थी, जिसके निम्न प्रयोजन थे:

- वैश्विक नेतृत्वकर्ताओं से एआई की तैयारी और उभरती प्रौद्योगिकियों के बारे में जानकारी प्राप्त करना
- डिजिटल तैयारी के लिए एक व्यापक अनुभव प्राप्त करना
- अपने स्वयं के साथियों द्वारा बनाई गई AI सामाजिक प्रभाव परियोजनाओं का साक्षी बनना

एआई के लिए पीढ़ी को तैयार करने की दिशा में उनकी भूमिका को स्पष्ट करना

इस संगोष्ठी के दौरान सीबीएसई और इंटेल ने दुनिया के सबसे प्रसिद्ध प्लेटफॉर्म - **गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स** का उपयोग करते हुए अपनी तरह की पहली 'सभी के लिए खुली' गतिविधि की योजना बनाई थी।

सीबीएसई-एआई फॉर यूथ वर्चुअल संगोष्ठी के दौरान **13-14 अक्टूबर, 2020 को "अधिकांश उपयोगकर्ताओं द्वारा 24 घंटे में एक ऑनलाइन कृत्रिम बुद्धिमत्ता पाठ लेने"** के लिए एक गिनीज रिकॉर्ड भी बनाया गया था। यह अपनी तरह का पहला रिकॉर्ड है, जिसका पहले कभी प्रयास नहीं किया गया और भारत इसे धारण करने वाला पहला देश है।

### आईबीएम के सहयोग से बेहतर भारत हैकथॉन के लिए एआई

एआई का उपयोग करके बेहतर भारत के निर्माण हेतु संयुक्त राष्ट्र के संधारणीय विकास लक्ष्यों को संबोधित करते हुए एआई सोल्यूशन निर्मित करने के लिए छात्रों से बेहतर भारत हैकाथॉन के लिए आईबीएम एआई हेतु श्रेष्ठ विचारों का चयन किया गया।

एआई फॉर यूथ वर्चुअल संगोष्ठी **115561**

गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड के लिए आधिकारिक प्रयास **58317**

सीबीएसई और इंटेल द्वारा 24 घंटे में ऑनलाइन एआई पाठ पर सहभागिता के लिए एआई गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया गया **13000**

### एआई एकीकृत बहु-विषयक शिक्षाशास्त्र

सीबीएसई ने शिक्षण और अधिगम के और संवर्धन के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को एक बहु-विषयक एकीकृत शिक्षण दृष्टिकोण के रूप में पेश किया है। इस संबंध में **'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इंटीग्रेशन अक्रोस सब्जेक्ट्स'** शीर्षक से एक हस्तपुस्तिका भी तैयार की गई है। कक्षा VI - X के लिए हिंदी, अंग्रेजी, गणित, सामाजिक अध्ययन और विज्ञान के पांच प्रमुख विषयों में से प्रत्येक के लिए शिक्षण और अधिगम के संवर्धन के लिए 200+ बहु-विषयक एआई एकीकृत पाठ योजनाओं का एक नया सेट संकलित किया गया है।

ये पाठ योजनाएं स्कूलों के उपयोग के लिए हस्तपुस्तिका के रूप में जारी की गई हैं और दीक्षा वेबसाइट (http://bit.ly/aiondiksha) के साथ-साथ सीबीएसई शैक्षणिक वेबसाइट (http://cbseacademic.nic.in/ai.html ) पर उपलब्ध हैं।

- हैकाथॉन के हिस्से के रूप में आईबीएम एआई विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन के लिए 103 छात्र परियोजनाओं (260+ छात्रों) का चयन किया गया था और इन परियोजनाओं को हैकर अर्थ मेंटरशिप प्लेटफॉर्म पर रखा गया था। गहन मार्गदर्शन के बाद, हैकाथॉन का फाइनल 7 और 9 जुलाई को आयोजित किया गया, जहां छात्रों ने आईबीएम के निर्णायक मण्डल पैनल के समक्ष अपने परियोजना प्रोटोटाइप प्रस्तुत किए।

- शीर्ष 3 परियोजनाओं को हैकाथॉन के विजेताओं के रूप में चुना गया और शीर्ष 15 परियोजनाओं को आईबीएम एडटेक यूथ चैलेंज इंडिया 2020 में भाग लेने के लिए चुना गया, जिससे उन्हें आईबीएम के साथ 2 सप्ताह की प्रशिक्षुता करने का अवसर मिला। चयनित छात्रों को वर्चुअल प्रशिक्षुता भी प्रदान की गई।

## सीबीएसई द्वारा कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर प्रकाशित मैनुअल

### ऑनलाइन प्रशिक्षण सत्र

कोविड 19 ने मानव संपर्क और संवाद के स्तर को बदल दिया है। इस स्थिति में आमने-सामने क्षमता निर्माण कार्यक्रम (सीबीपी) रोक दिए गए थे; और बोर्ड ने वैकल्पिक व्यवस्था अपनाई – यह थी एक घंटे की अवधि के ऑनलाइन सत्र। 2020-21 के दौरान बोर्ड के 16 सीओई और प्रशिक्षण इकाई द्वारा आयोजित प्रशिक्षण सत्रों में 10 लाख से अधिक शिक्षकों ने भाग लिया है।

### ऑस्ट्रेलिया वर्चुअल मास्टर क्लास

सीबीएसई ने निम्नलिखित विषयों पर ऑस्ट्रेलियाई व्यापार और निवेश आयोग के सहयोग से ऑस्ट्रेलिया वर्चुअल मास्टर क्लास के तहत स्कूल के नेतृत्वकर्ताओं के लिए ऑनलाइन सत्र शुरू किए:

(ए) अंतरिक्ष का भविष्य - कक्षा में विज्ञान कथा को वास्तविकता में बदलना
(बी) अग्रणी डिजिटल लर्निंग
(सी) महामारी से करियर और जीवन के परिवर्तनकारी सबक - अर्थशास्त्र की दृष्टि से
(डी) क्या आज के छात्रों की तुलना में सुनहरी मछली की ध्यान अवधि वास्तव में अधिक होती है?
(ई) स्कूलों के लिए डिजिटल और सोशल मीडिया रणनीतियाँ
(एफ) कोविड -19 संकट के बाद कार्यस्थल पद्धतियों को दोहराना

### पॉडकास्ट

सीबीएसई से संबद्ध स्कूलों के शिक्षकों और शिक्षाविदों की सहायता से सीओई, प्रशिक्षण इकाई और शैक्षणिक इकाइयों द्वारा ग्रेडवार सामग्री पर 700 से अधिक पॉडकास्ट तैयार किए गए थे। सभी पॉडकास्ट छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों के लिए सीबीएसई शिक्षा वाणी पर उपलब्ध हैं।

### वर्चुअल प्रोफेशनल विकास सत्र

सीबीएसई स्कूल नेतृत्वकर्ताओं और शिक्षकों के लिए "कनाडा सीरीज़-इनोवेट एंड इंस्पायर" 20-24 जुलाई, 2020 का आयोजन किया गया था। इसी तरह 'परिवर्तनकारी प्रशिक्षण सप्ताह' के तहत 4 से 10 अगस्त, 2020 तक सत्र आयोजित किए गए थे। यह पांच वर्चुअल कार्यशालाओं की एक श्रृंखला थी जिसे विशेष रूप से प्रतिभागियों को छात्र उपलब्धि के लिए एक समग्र दृष्टिकोण प्रदान करने के साथ डिज़ाइन किया गया था।

नॉटिंघम विश्वविद्यालय, मलेशिया के सहयोग से **अल्पकालिक ऑनलाइन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम** शुरू किए गए। यह शृंखला नेतृत्व, परिवर्तन के प्रबंधन, विद्यालयों में प्रोफेशनल अधिगम समुदाय, गुणवत्तायुक्त आश्वासन व विद्यालय संस्कृति, 21वीं सदी शिक्षणशास्त्र और सोशल मीडिया एवं शिक्षण पर केंद्रित थी।

3 सितंबर 2020 को प्रो. डेविड वुड्स के साथ **ग्रेट स्कूलों के नौ स्तंभों पर वेबिनार** का आयोजन किया गया। प्रोफेसर डेविड वुड्स, विजिटिंग प्रोफेसर, शिक्षा संस्थान, यूनिवर्सिटी कॉलेज, लंदन ने इस वेबिनार का संचालन किया जिसे विशेष रूप से सीबीएसई से संबद्ध स्कूल के शिक्षकों, उप प्रधानाचार्यों और प्रधानाचार्यों के लिए डिज़ाइन किया गया था।

कोविड 19 के बाद कार्यस्थल पद्धतियों को दोहराना

आस्ट्रेलिया वर्चुअल मास्टर कक्षा

वर्चुअल प्रोफेशनल विकास सत्र

ग्रेट स्कूलों के नौ स्तंभों पर वेबिनार

नोबेल पुरस्कार विजेता के साथ अनौपचारिक संवाद

वर्चुअल प्रोफेशनल विकास सत्र

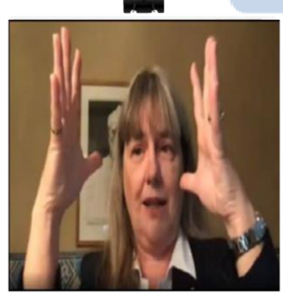

कक्षा 9 से 12 के लिए सीबीएसई पाठ्यक्रम से संरेखित प्रयोगों के एक वर्चुअल अनुभव की सुविधा के लिए गणित, जीव विज्ञान, भौतिकी और रसायन विज्ञान के शिक्षकों के लिए सी-डैक मुंबई के सहयोग से **सीबीएसई स्कूल शिक्षकों के ओलैब्स पर प्रशिक्षण** आयोजित किया गया था।

सीबीएसई द्वारा गांधी स्मृति और दर्शन समिति, संस्कृति मंत्रालय के सहयोग से **अहिंसक संचार पर अभिविन्यास कोर्स** शुरू किया गया। अहिंसा, पारस्परिक सम्मान, समझ और करुणा के गांधीवादी मूल्यों पर आधारित संचार और संघर्ष समाधान का अहिंसक संचार एक प्रभावी तरीका है।

**अनुभवजन्य अधिगम पर एक ऑनलाइन शिक्षक प्रशिक्षण कोर्स** दीक्षा पर लॉन्च किया गया था। सीबीएसई ने इस कोर्स को टाटा ट्रस्ट और महात्मा गांधी इंटरनेशनल स्कूल, अहमदाबाद के सहयोग से विकसित किया था। इस कोर्स का उद्देश्य अनुभवजन्य शिक्षा में शामिल बहु-संवेदी शिक्षण शास्त्र प्रक्रियाओं को साझा करना है, और अधिगम को अधिक आनंदमय, चिंतनशील और बहु-विषयक बनाना है।

राष्ट्रीय दृष्टि दिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान के सहयोग से **नि:शक्तता (दिव्यांगता) पर वेबिनार** शुरू किया गया था। वेबिनार की यह श्रृंखला विशेष रूप से नि:शक्तता वाले छात्रों के प्रधानाचार्यों, शिक्षकों और अभिभावकों के लिए डिज़ाइन की गई थी। (अधिसूचना संख्या-95 दिनांक-13-10-2020)

**निष्ठा मॉड्यूल में सभी प्रारंभिक स्तर के शिक्षकों का प्रशिक्षण** एनसीईआरटी के साथ शुरू किया गया था। निष्ठा पाठ्यक्रम अब दीक्षा पोर्टल के माध्यम से देश भर के सभी प्रारम्भिक स्तर के शिक्षकों (कक्षा **I** से **VIII**) के लिए उपलब्ध हैं। (अधिसूचना संख्या-96 दिनांक-16-10-2020)

**नोबेल पुरस्कार विजेता (भौतिकी 2018), डोना स्ट्रिकलैंड, वाटरलू विश्वविद्यालय, कनाडा** के साथ 26 नवंबर 2020 को अनौपचारिक संवाद आयोजित किया गया था। इस प्रकार सीबीएसई से संबद्ध स्कूलों के शिक्षकों को नोबेल पुरस्कार विजेता के साथ बातचीत करने का मौका मिला। (अधिसूचना संख्या- 100, दिनांक- 11-11-2020)

वास्तविक जीवन स्थितियों से निपटने के लिए आवश्यक ज्ञान, कौशल, मूल्यों और दृष्टिकोण के प्रदर्शन के माध्यम से अधिगम में छात्रों की दक्षता सुनिश्चित करने के लिए सेंट्रल स्क्वायर फाउंडेशन के सहयोग से दीक्षा पर **सक्षमता आधारित शिक्षा (सीबीई) पर ऑनलाइन शिक्षक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम** शुरू किया गया था। (परिपत्र संख्या- 67, दिनांक 10-09-2020)

**एनईपी वेबिनार** सीओई द्वारा प्रधानाचार्यों और शिक्षकों के लिए आयोजित किए गए थे।

बोर्ड द्वारा **Chem** कलेक्टिव वर्चुअल लैब्स का उपयोग **कर रसायन विज्ञान प्रयोगशाला प्रयोगों पर तीन दिवसीय कार्यशाला** का आयोजन किया गया।

**30-30 STEM (सीजन 2)** आईआईटी गांधीनगर के साथ आयोजित किया गया (अधिसूचना संख्या 71 दिनांक 25 फरवरी, 2021)

गूगल के सहयोग से मिश्रित शिक्षा के लिए **प्रौद्योगिकी पर एक नि:शुल्क ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम** शुरू किया गया था (अधिसूचना संख्या 26 दिनांक 10 मार्च 2021)। इस कार्यक्रम के तहत लाइव स्ट्रीमिंग सत्रों में अब तक कुल 9,05,220 दर्शक रिकॉर्ड किए जा चुके हैं।

**चित्रम-दो दिवसीय ऑनलाइन कला कार्यशाला** डीपीएस नचाराम, सिकंदराबाद में शिक्षकों के लिए और छात्रों के लिए प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

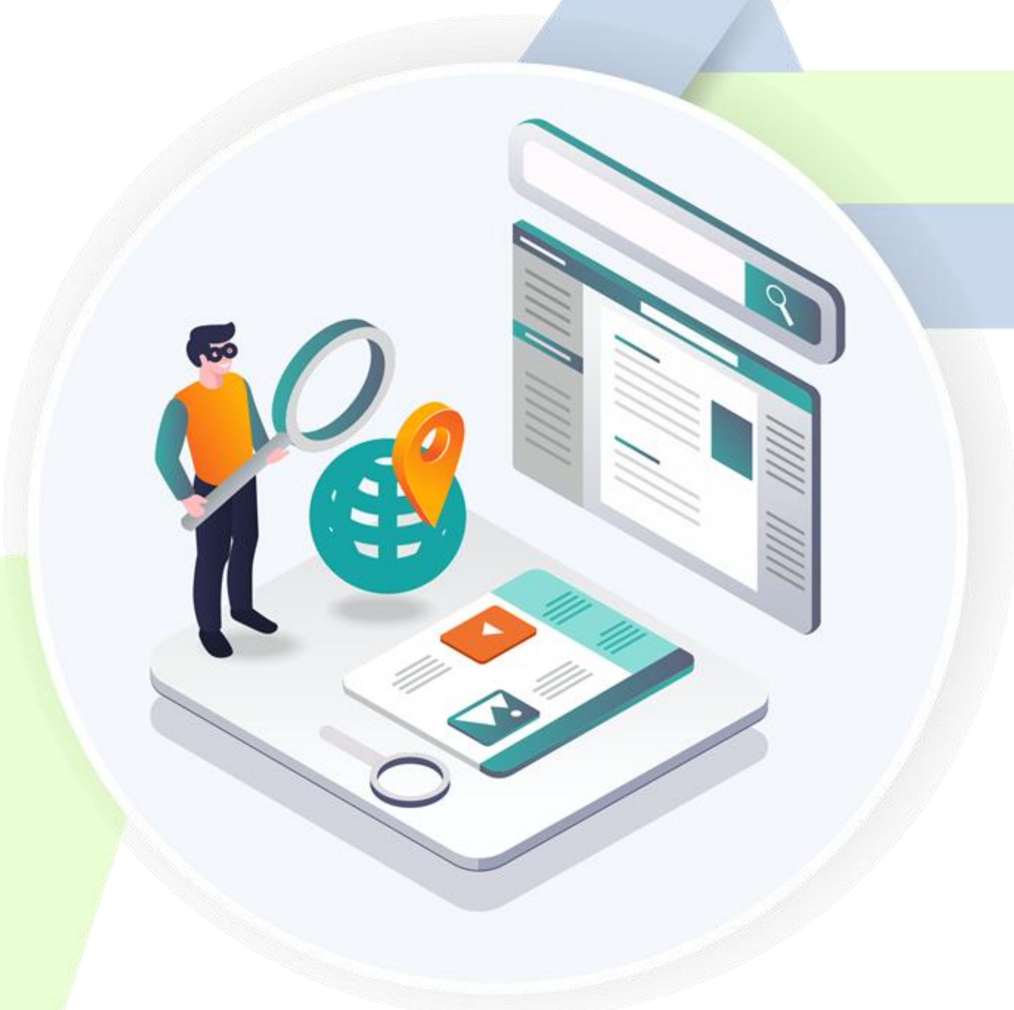

# डिजिटल पहल

## एनईपी 2020 दिशानिर्देश: सुप्रवाही व प्रभावी

राष्ट्रीय शिक्षा नीति **2020** स्वायत्तता, सुशासन और सशक्तिकरण के माध्यम से नवाचार और आउट-ऑफ-द-बॉक्स विचारों को प्रोत्साहित करते हुए लेखा-परीक्षा और सार्वजनिक प्रकटीकरण के माध्यम से शैक्षिक प्रणाली की सत्यनिष्ठा, पारदर्शिता और संसाधन दक्षता सुनिश्चित करने हेतु एक ' सुप्रवाही व प्रभावी' नियामक ढांचे की सिफारिश करती है।

इसे ध्यान में रखते हुए, बोर्ड की ई-संबद्धता प्रणाली को 'सरस' **SARAS** के रूप में पुनर्निर्मित किया गया और इसे मार्च 2021 से लागू किया गया।

संबद्धता प्रणाली की बिजनेस प्रोसेसिंग री-इंजीनियरिंग (बीपीआर) को न्यूनतम मानवीय हस्तक्षेप के साथ स्वचालित किया गया है। इसमें निम्नलिखित विशेषताएं हैं:-

- **एकीकृत पारदर्शी संबद्धता प्रणाली**
- **एआई, एमआई, जीआईएस और डेटा एनालिटिक्स जैसी अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी का उपयोग**
- **कोई डेटा अतिरेक नहीं**
- **संपूर्ण प्रणालीगत प्रक्रियाओं में जवाबदेही**
- **"न्यूनतम सरकार, अधिकतम सुशासन" के ध्येय को प्राप्त करने का लक्ष्य**
- **सभी आवेदनों का त्वरित और समयबद्ध निपटान**
- **वचनबद्धता या स्वघोषणा प्रणाली**
- **स्वचालित निरीक्षण समिति आवंटन**
- **स्कूलों का वर्चुअल निरीक्षण (कोविड महामारी के दौरान एक महत्वपूर्ण पहल)**
- **स्वतः संबद्धता संख्या / स्कूल संख्या आवंटन**
- **सभी संप्रेषणों की उपलब्धता और स्कूलों के डैशबोर्ड पर वास्तविक समय के आधार पर प्रगति बार के माध्यम से आवेदनों की स्थिति**
- **कारोबारी सुगमता और जीवन जीने की सुगमता**

### एकीकृत भुगतान प्रणाली –आईपीएस

सीबीएसई के अधिदेश में सार्वजनिक परीक्षा आयोजित करना शामिल है। दसवीं और बारहवीं कक्षा की परीक्षा के अलावा, सीबीएसई द्वारा जेएनवीएसटी, सीटीईटी और भर्ती परीक्षा जैसी प्रतियोगी परीक्षाएं भी आयोजित की जाती हैं। विभिन्न स्कूलों और संस्थानों के हजारों संकाय सदस्य प्रत्येक वर्ष विभिन्न परीक्षाओं संबंधी ड्यूटी निभाते हैं और उन्हें मानदेय और टीए/डीए का भुगतान किया जाता है।

इसके अलावा अनेक प्रधानाचार्यगण और शैक्षिक प्रशासक प्रत्येक वर्ष संबद्धता या उन्नयन के अंतर्गत विभिन्न सीबीएसई स्कूलों का निरीक्षण करते हैं। उन्हें भी मानदेय और टीए/डीए दिया जाता है। **2020** तक भुगतान की प्रक्रिया मैनुअल थी और विभिन्न बिलों के आधार पर विभिन्न मानदंडों के अधीन की जाती थी।

सीटीईटी जनवरी **2021** परीक्षा के तहत अंतरण सफल होने के बाद पुरानी पद्धति को बदलकर एक ऑनलाइन प्रामाणिक भुगतान प्रणाली "(आईपीएस) एकीकृत भुगतान प्रणाली" लाई गई।

### मैनुअल प्रणाली का डिजिटल रूप होने के कारण निम्न बदलाव हुए:

### ऑनलाइन स्कूल संबद्धता और निगरानी प्रणाली आर-3.0 (ओएसएएमएस)

विद्यमान ऑनलाइन स्कूल संबद्धता प्रबंधन प्रणाली (ओएसएएमएस) को भी नई आवश्यकताओं के अनुसार पुनः तैयार किया गया था। यह प्रणाली नई संबद्धता, उन्नयन, संबद्धता के विस्तार और अतिरिक्त विषयों के लिए सभी प्रकार के आवेदनों के लिए सुविधा उपलब्ध कराती है।

आवेदन की स्थिति वास्तविक समय के आधार पर उपलब्ध है। इसमें नई सुविधाएँ नियमित रूप से जोड़ी गई हैं जैसे एल्गोरिदम और व्यावसायिक नियम-आधारित शॉर्टलिस्टिंग या आवेदनों की संवीक्षा, स्कूलों द्वारा स्व-आकलन और निरीक्षण रिपोर्ट के आधार पर पॉइंट-आधारित ग्रेडिंग।

### स्वचालित आईसी आवंटन प्रणाली आर-2.0 (एआईसीए)

पूर्व-निर्धारित मापदंडों और व्यावसायिक नियमों के आधार पर निरीक्षण समितियों के स्वतः आवंटन के लिए एक प्रणाली। सदस्य (सदस्यों) द्वारा इनकार करने की स्थिति में, स्कूल द्वारा समिति सदस्य (सदस्यों) को माउस के एक क्लिक से बदला जा सकता है।

### स्कूल क्षेत्र मापने वाला ऐप (एसएएमए ऐप) और वेब पोर्टल आर-1.0

विद्यालय क्षेत्र को वर्चुअल रूप से और साथ ही प्रत्यक्ष/भौतिक रूप से मापने के लिए एक मोबाइल ऐप और एक वेब-आधारित एप्लिकेशन। वेब एप्लिकेशन को 'सरस' के साथ एकीकृत किया गया है, हालांकि प्रत्यक्ष/भौतिक निरीक्षण के लिए जाने वाले आईसी सदस्यों के लिए मोबाइल ऐप उपलब्ध है।

### स्कूलों का वर्चुअल निरीक्षण (वीआईओएस)

वर्तमान कोविड-19 महामारी के कारण, स्कूल बंद थे और निरीक्षण समितियाँ निरीक्षण करने में सक्षम नहीं थीं। इसे ध्यान में रखते हुए "विद्यालय का वर्चुअल निरीक्षण (वीआईओएस)" प्रणाली विकसित और कार्यान्वित की गई थी।

### ऑनलाइन संबद्ध विद्यालय सूचना प्रणाली आर-3.0 (ओएएसआईएस)

सीबीएसई से संबद्ध स्कूलों हेतु सालाना 500+ मापदंडों के समक्ष ऑनलाइन जानकारी जमा करने या अपडेट करने के लिए एक पोर्टल। इस पोर्टल के माध्यम से एकत्रित की गई जानकारी का उपयोग सीबीएसई द्वारा विद्यालयों के विभिन्न गतिविधियों के लिए संभावित उपयोग के आकलन में किया जा रहा है। यह सीबीएसई में विभिन्न कार्यक्षेत्रों से संबंधित सभी एप्लीकेशन के लिए सही डेटा का एकल स्रोत है।

## परीक्षा प्रक्रियाओं में सूचना प्रौद्योगिकी

**(e-परीक्षा): परीक्षा प्रसंस्करण और प्रबंधन प्रणाली आर - 3.0**

बोर्ड की पूरी परीक्षा प्रणाली को डिजिटल कर दिया गया है। परीक्षा संबंधी सभी गतिविधियों के लिए एक व्यापक वन स्टॉप पोर्टल विकसित और कार्यान्वित किया गया है। परिणामों को एक साथ संसाधित किया जा रहा है और सटीकता सुनिश्चित करने के लिए डेटा या परिणामों का समानांतर मिलान किया जा रहा है।

**ई-आईजी-ऑनलाइन आंतरिक ग्रेड अपलोडिंग और मान्यकरण प्रणाली आर-3.0**

स्कूलों द्वारा कक्षा-बारहवीं आंतरिक आकलन ग्रेड डेटा अपलोड करने के लिए एक पोर्टल।

**ई-प्रैक आर - 3.0**

छात्रों और परीक्षकों (आंतरिक और बाहरी दोनों) के साथ जियो-टैगेड लैब छवियां और कक्षा-बारहवीं के प्रैक्टिकल या परियोजना अंक ऑनलाइन जमा करने के लिए एक पोर्टल।

**आईएपीएक्स-आर-3.0**

स्कूलों द्वारा दसवीं कक्षा के प्रैक्टिकल, परियोजना और आंतरिक आकलन के अंकों को ऑनलाइन जमा करने के लिए एक पोर्टल।

**ई-थ्योरी आर-3.0**

मुख्य नोडल पर्यवेक्षक को बैग आवंटन, रिक्त अवार्ड सूचियों का वितरण, प्रश्न-वार थ्योरी अंक अपलोडिंग, मूल्यांकन निगरानी और अवार्ड सूचियों की ऑनलाइन उत्पत्ति के लिए एक ऑनलाइन प्रणाली।

**टीईटीआरए: थ्योरी मूल्यांकन प्रवृत्ति विश्लेषण आर -2.0**

वास्तविक समय मूल्यांकन निगरानी पर आधारित एक अनूठा पोर्टल और निर्णय समर्थन प्रणाली। इस प्रणाली में मूल्यांकन प्रवृत्ति की कल्पना, विश्लेषण और निगरानी की जा सकती है। यह विभिन्न सांख्यिकीय डेटा भी उत्पन्न करता है और वास्तविक समय में ग्राफ़िकल प्रदर्शन की सुविधा देता है।

**परीक्षा केंद्र लोकेटर ऐप आर-2.0 (ईसीएल)**

यह बोर्ड और प्रतियोगी परीक्षाओं दोनों के सीबीएसई परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए एक मोबाइल ऐप है, जिसके माध्यम से वे केवल परीक्षा और रोल नंबर दर्ज करके अपने परीक्षा केंद्र का पता लगा सकते हैं। यह मोबाइल ऐप वास्तविक समय यातायात आंकड़ों के आधार पर सबसे छोटे मार्ग का विवरण देते हुए उनका परीक्षा केंद्र पर पहुँचने के लिए मार्गदर्शन करता है।

**ऑनलाइन एन्क्रिप्टेड प्रश्न पत्र वितरण प्रणाली आर-2.0 (ओईक्यूपीडी)**

लीक होने की किसी भी संभावना को रोकने के लिए प्रश्न पत्र की तत्काल और सुरक्षित डिलीवरी के लिए समय पर एन्क्रिप्शन, प्रसार, डिक्रिप्शन और प्रश्न पत्र के मुद्रण के लिए एक प्रणाली।

**ऑनलाइन परीक्षा केंद्र प्रबंधन प्रणाली आर-3.0 (ओईसीएमएस)**

प्रेक्षकों के बारे में जानकारी, उत्तर पुस्तिकाओं की पैकिंग और प्रेषण, प्रश्न पत्र (पत्रों) के बारे में फीडबैक सहित केंद्रों और परीक्षाओं के संचालन के बारे में वास्तविक समय के आधार पर जानकारी प्राप्त करने के लिए एक व्यापक निर्णय समर्थन प्रणाली जिसमें एक पोर्टल और बैकएंड प्रणाली सम्मिलित है।

**परीक्षा के लिए पुनः निर्मित आउट्लाइअर प्रणाली (आरओएसई) आर-3.0**

क्षेत्रीय कार्यालय स्तर पर उपचारात्मक कार्रवाई हेतु परिणाम घोषणा से पूर्व के चरण में असंगत अंक मामलों का सूक्ष्मता से पता लगाने के लिए अद्वितीय सॉफ्टवेयर।

**मॉड्यूलर कम्प्यूटरीकृत परिणाम संकलन प्रणाली आर-2.0 (MCRCS)**

कोविड-19 महामारी के कारण 2020 परीक्षा के लिए नए व्यावसायिक नियमों के साथ पुनः निर्माण और कार्यान्वयन।

**मुख्य और कम्पार्टमेंट परीक्षा 2020 दोनों के लिए दसवीं और बारहवीं कक्षा के परिणामों का सफल संकलन, प्रसंस्करण, मिलान, घोषणा और प्रसार।**

परिणाम निम्न माध्यमों से घोषित किए गए:

- परिणाम मंजूषा- सीबीएसई की शैक्षणिक रिपोजिटरी
- डिजिटल लॉकर
- उमंग प्लेटफॉर्म
- स्कूल को ईमेल द्वारा स्कूल परिणाम

### प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए ऑनलाइन परीक्षा केंद्र सहमति प्रणाली आर-2.0 (ओईसीसीएस)

सीबीएसई द्वारा आयोजित विभिन्न परीक्षाओं के लिए परीक्षा केंद्रों के रूप में कार्य करने के लिए संस्थानों का विवरण और सहमति प्राप्त करने हेतु पोर्टल।

### प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए ऑनलाइन परीक्षा प्रेक्षक सहमति प्रणाली आर-2.0 (ओईओसीएस)

सीबीएसई द्वारा आयोजित की जा रही विभिन्न परीक्षाओं के लिए प्रेक्षक के रूप में कार्य करने के लिए शैक्षणिक समुदाय और शिक्षा अधिकारियों से सहमति प्राप्त करने के लिए पोर्टल।

### परीक्षा सुविधा ऐप और वेब पोर्टल

प्राइवेट अभ्यर्थियों के लिए एक ऐप और पोर्टल जो कोविड-19 के कारण जुलाई परीक्षा 2020 के लिए परीक्षा केंद्र जिला बदलना चाहते हैं।

कोविड-19 के कारण जुलाई परीक्षा 2020 के लिए नियमित अभ्यर्थियों के संबंध में परीक्षा केंद्र जिला बदलने हेतु स्कूलों के लिए एक पोर्टल।

### गोपनीय सामग्री ट्रैकिंग और निगरानी ऐप्स आर-2.0 (सीएमटीएम)

बोर्ड परीक्षाओं के प्रशासक, अभिरक्षक और केंद्र अधीक्षक के लिए अत्यधिक गोपनीय और संवेदनशील सामग्री की इलेक्ट्रॉनिक निगरानी, ट्रैकिंग और अनुवीक्षण के लिए तीन अलग-अलग ऐप।

### क्षेत्रीय कार्यालयों द्वारा अनुवीक्षण के लिए सीएमटीएम वेब पोर्टल

उपर्युक्त सीएमटीएम ऐप्स के अनुवीक्षण और कार्यों या निर्णयों के लिए विभिन्न डेटा के विश्लेषण के लिए एक वेब पोर्टल।

### सीटीईटी परीक्षा के लिए गोपनीय सामग्री ट्रैकिंग और निगरानी ऐप आर-2.0 (सीटीईटी-सीएमटीएम)

अभिरक्षक, केंद्र अधीक्षक, बोर्ड के प्रतिनिधियों, प्रेक्षकों और प्रशासक के लिए अत्यधिक गोपनीय और संवेदनशील सामग्री की इलेक्ट्रॉनिक निगरानी, ट्रैकिंग और अनुवीक्षण के लिए पांच अलग-अलग ऐप।

### सीटीईटी परीक्षा प्रशासक द्वारा अनुवीक्षण के लिए वेब पोर्टल (सीटीईटी-सीएमटीएम)

उपर्युक्त सीटीईटी-सीएमटीएम ऐप्स के अनुवीक्षण और प्रशासक द्वारा कार्यों/निर्णयों के लिए विभिन्न डेटा के विश्लेषण के लिए एक वेब पोर्टल।

### परिणाम मंजूषा - एक सीबीएसई शैक्षणिक रिपोजिटरी

सीबीएसई ने "परिणाम मंजूषा" और डिजिलॉकर नामक अपनी शैक्षणिक रिपोजिटरी के माध्यम से डिजिटल शैक्षणिक दस्तावेज उपलब्ध कराने में अग्रणी भूमिका निभाई है। अभी तक 2004 से 2020 तक के परिणाम आंकड़े रिपोजिटरी में उपलब्ध हैं। डिजिलॉकर के माध्यम से इस रिपोजिटरी से लगभग 12 करोड़ डिजिटल शैक्षणिक दस्तावेज उपलब्ध हैं। बोर्ड परीक्षा में बैठने वाले सभी छात्रों के संबंध में डिजिटल लॉकर अग्रिम रूप से खोले जा रहे हैं और परिणाम घोषित होने के दिन उनके डिजिटल शैक्षणिक दस्तावेज यानी अंक पत्र, प्रवास प्रमाण पत्र और उत्तीर्णता प्रमाण पत्र इसमें डाले जा रहे हैं। बोर्ड के पास उपलब्ध छात्रों के पंजीकृत मोबाइल नंबरों पर क्रेडेंशियल्स भेजे जाते हैं। यह पिछले पांच साल से किया जा रहा है।

कौशल विषयों सहित डिजिटल लॉकर के माध्यम से दसवीं और बारहवीं कक्षा के छात्रों के लिए मुख्य और कम्पार्टमेंट परीक्षा 2020 से संबंधित **1 करोड़ डिजिटल दस्तावेज़ प्रदान किए गए।**

### परिणाम मंजूषा में फेस मैचिंग प्रौद्योगिकी

सीबीएसई आईटी अधिनियम 2000 में निर्धारित उचित प्रमाणीकरण के बाद अपने छात्रों को डिजिटल मार्कशीट प्रदान करने के लिए अधिकृत है। विदेशी छात्रों को उनके कॉलेज में प्रवेश के लिए डिजिटल प्रमाण पत्र प्रदान करने के लिए फेस मैचिंग प्रौद्योगिकी को कोविड स्थिति में आपातकालीन प्रतिक्रियाओं में से एक के रूप में बनाया गया है। सीबीएसई छात्रों को डिजिटल मार्कशीट उपलब्ध कराने से पहले मल्टी-फैक्टर प्रमाणन के लिए फेशियल रिकग्निशन का इस्तेमाल कर रहा है। सीबीएसई प्रवेश पत्र पर पहले से उपलब्ध तस्वीरों के साथ फेस मैचिंग की जाती है। फेस मैच प्रमाणीकरण को विदेशी छात्रों के लिए उसी प्रणाली में दूसरे कारक प्रमाणीकरण के रूप में जोड़ा गया है जहां मोबाइल ओटीपी आधारित प्रमाणीकरण विदेशी मोबाइल नंबरों पर नहीं किया जा सकता है।

### सभी प्रकार के आँकड़ों के लिए एकीकृत डैशबोर्ड का विकास

विभिन्न शैक्षणिक और प्रवेश निकायों के साथ एपीआई के माध्यम से डेटा साझा करना।

### मूल्यांकन और पुनर्मूल्यांकन की ऑनलाइन सत्यापन प्रणाली आर-3.0 (ओवीईआरएस)
परिणाम के बाद के अंक सत्यापन, छायाप्रति और उत्तर पुस्तिकाओं के पुनर्मूल्यांकन के लिए एक कम्प्यूटरीकृत प्रणाली।

### सांख्यिकीय सूचना प्रणाली आर-2.0 (एसआईएस)
परिणामों से संबंधित विभिन्न प्रकार के आँकड़ों के संकलन के लिए एक प्रणाली। इस प्रणाली के लागू होने के कारण, दसवीं और बारहवीं कक्षा के परिणाम घोषित होने के तुरंत बाद मीडिया और अन्य एजेंसियों को विभिन्न प्रकार के आँकड़े उपलब्ध कराए जा सके।

### ई-हरकारा - स्कूल के लिए रैपिड कम्युनिकेशन सिस्टम
स्कूलों के लिए एक पोर्टल, जिसके माध्यम से वे सीधे बोर्ड के उपयुक्त प्राधिकारी को मामलों के लिए सम्प्रेषण कर सकते हैं, और अनुरोधों की स्थिति को ट्रैक कर सकते हैं। संबंधित प्राधिकारी इस मामले को सीधे ऑनलाइन संबोधित कर सकते हैं। यह पहल कोविड लॉकडाउन के दौरान की गई थी।

### ई-संदेश पोर्टल
कोविड लॉकडाउन के दौरान स्कूलों, प्रधानाचार्यों, शिक्षकों और छात्रों जैसे विभिन्न हितधारकों को बाहुल्य में एसएमएस और ई-मेल भेजने के लिए एक पोर्टल।

### कोविड-19 के दौरान एक परामर्श ऐप "दोस्त फॉर लाइफ"
सीबीएसई ने महामारी के दौरान कक्षा **IX-XII** के छात्रों के मनोसामाजिक कल्याण के लिए एक नया ऐप लॉन्च किया। बोर्ड ने पूरे देश में टोल फ्री नंबर के माध्यम से काउंसलिंग की मौजूदा पद्धति से हटकर इस सुविधा को घर के संरक्षित माहौल में छात्रों और अभिभावकों की आसानी, सुविधा और उपयोगिता के लिए तैयार किया है।

### सीबीएसई की नई वेबसाइट
वेबसाइट के सरल नेविगेशन व इसे और अधिक उपयोगकर्ता अनुकूल बनाने के लिए इसे पुनः डिजाइन किया गया था।

## शैक्षणिक गतिविधियों के लिए सूचना प्रौद्योगिकी

### कला-एकीकृत प्रतिमान (Exemplar) पोर्टल
कक्षा में अनुभवजन्य और आनंदमय अधिगम को लागू करने के लिए शिक्षकों और प्रधानाचार्यों की सुविधा के लिए सीबीएसई संबद्ध स्कूलों के लिए एक पोर्टल। इस पोर्टल के माध्यम से, शिक्षक शोध कर सकते हैं, नवाचार कर सकते हैं और अनूठे/अद्वितीय प्रतिमान सृजित कर सकते हैं और रचनात्मकता और नवाचार के अपने कौशल का प्रदर्शन कर सकते हैं।

### वार्षिक शिक्षण योजना
इस पोर्टल का उद्देश्य कक्षा में शिक्षण अधिगम प्रक्रिया से कार्य तक शिक्षक के दृष्टिकोण की शैक्षणिक योजना को दर्शाना है। यह पाठ्यचर्या विनिमय के प्रत्येक चरण को छात्रों के लिए सार्थक और व्यापक बनाने में शामिल समूचे चिंतन, तैयारी और निष्पादन के चरणों को आत्मसात करता है।

### कला सेतु- कला शिक्षा और कला एकीकृत शिक्षा के लिए एक पोर्टल
यह पोर्टल कला एकीकृत शिक्षा और अधिगम के बारे में विद्यालयों से जानकारी प्राप्त करता है।

### सीबीएसई पठन चुनौती आर-2.0
आठवीं से दसवीं कक्षा में पढ़ने वाले बच्चों की पढ़ने की क्षमता का आकलन करने के लिए पठन चुनौती प्रतियोगिता के लिए एक पोर्टल।

### ओटीएएस - ऑनलाइन शिक्षक पुरस्कार प्रणाली आर-2.0
सीबीएसई राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कारों हेतु शिक्षकों के पंजीकरण और लघुसूचीयन के लिए पोर्टल और बैकएंड प्रणाली से युक्त व्यापक और अत्यधिक पारदर्शी प्रणाली।

### प्रशिक्षण: सीबीएसई संबद्ध स्कूलों के शिक्षकों के लिए एक प्रशिक्षण पोर्टल आर-2.0
सीबीएसई से संबद्ध स्कूलों के प्रधानाचार्यों और शिक्षकों के लिए एक व्यापक प्रशिक्षण प्रबंधन प्रणाली (टीएमएस) पोर्टल।

### वेब पोर्टल और सीबीएसई अभिव्यक्ति श्रृंखला का ऐप आर-2.0

छात्रों के पंजीकरण और अभिव्यक्ति श्रृंखला की प्रविष्टियां प्राप्त करने के लिए एक मोबाइल ऐप। इसके अलावा, प्रविष्टियों के डिजिटल मूल्यांकन और परिणामों की घोषणा के लिए क्षेत्रीय कार्यालयों के लिए एक संबद्ध पोर्टल।

### आर्यभट्ट गणित चुनौती आर-2.0

गणित ओलंपियाड "गणित चुनौती" के लिए छात्रों के पंजीकरण और कंप्यूटर आधारित मोड में परीक्षा के संचालन के लिए एक एकीकृत पोर्टल। इसमें छात्रों द्वारा संपादन योग्य पीडीएफ उत्तर पुस्तिका डाउनलोड की जाती है, प्रश्नों के उत्तर दिए जाते हैं और इसे वापस अपलोड किया जाता है। डेटा पीडीएफ से लिया जाता है और परिणाम संकलित और घोषित किया जाता है।

## प्रशासनिक गतिविधियों के लिए सूचना प्रौद्योगिकी

### एचपीई - स्वास्थ्य और शारीरिक शिक्षा पोर्टल आर-3.0

स्कूलों से खेल, स्वास्थ्य और शारीरिक शिक्षा संबंधी जानकारी एकत्र करने के लिए एक व्यापक पोर्टल।

### ई-ऑफिस कार्यान्वयन

16 क्षेत्रीय कार्यालयों और 16 उत्कृष्टता केंद्रों सहित बोर्ड के सभी कार्यालयों में लागू किया गया। इससे कोविड लॉकडाउन के दौरान बहुत सुविधा हुई, क्योंकि सभी फाइलों पर विभिन्न पदाधिकारियों ने घर से भी कार्य किया। ई-ऑफिस में उपयोगकर्ता 500 से बढ़ाकर 1000 किए गए।

### स्पैरो (स्मार्ट प्रदर्शन मूल्यांकन रिपोर्ट रिकॉर्डिंग ऑनलाइन विंडो) का कार्यान्वयन

स्पैरो यानी बोर्ड के सभी कर्मचारियों के लिए ऑनलाइन एपीएआर लागू की गई। यह कोविड महामारी के दौरान एक महत्वपूर्ण पहल थी।

### सीबीएसई ईजीआईएफ-सीबीएसई कर्मचारी शिकायत, विचार और प्रतिक्रिया

सीबीएसई ईजीआईएफ विशेष रूप से सीबीएसई कर्मचारियों के लिए विकसित एक त्वरित संचार प्रणाली है जिसके माध्यम से वे सीबीएसई के कामकाज के बारे में शिकायतों, विचारों और प्रतिक्रिया के बारे में अध्यक्ष के साथ सीधे संवाद कर सकते हैं और अपने अनुरोध की स्थिति को भी ट्रैक कर सकते हैं।

### वीडीआईएस – वर्चुअल विभागीय जांच प्रणाली

वर्तमान कोविड-19 महामारी की स्थिति के कारण, जाँच समितियाँ प्रत्यक्ष रूप से जाँच कार्यवाही करने में सक्षम नहीं थीं। मामलों की संवेदनशीलता और समयसीमा को ध्यान में रखते हुए "वर्चुअल विभागीय जांच प्रणाली" (वीडीआईएस) की प्रणाली विकसित और कार्यान्वित की गई थी।

ऑनलाइन अचल संपत्ति विवरणी जमा करने के लिए **ओआईपीआर - ऑनलाइन अचल संपत्ति विवरणी** जिसे सतर्कता शाखा द्वारा अनुवीक्षण के लिए ई-कर्मिक पोर्टल के साथ एकीकृत किया गया।

### केन्द्रीय कमान केंद्र C3

सभी डेटा संचालित निर्णयों के लिए वन स्टॉप पोर्टल। सी3 में बोर्ड के पास उपलब्ध सभी प्रकार के आँकड़े शामिल हैं। उपयोगकर्ता अपनी आवश्यकताओं के अनुसार डेटा का उपयोग कर सकता है। इस पोर्टल में डैशबोर्ड भी है।

### हितधारक सहायता प्रणाली (S3)

बोर्ड के सभी हितधारकों को दी जा रही सूचना सेवाओं का प्रसार करने और उनके अनुरोधों को उचित रूप से संसाधित करने के लिए एक एकीकृत वन स्टॉप पोर्टल।

### शिक्षा मंत्रालय के लिए एमआईएस राष्ट्रीय घटक पोर्टल

एमआईएस राष्ट्रीय घटक पोर्टल एमआईएस डेटा के प्रबंधन के लिए एक एकीकृत पोर्टल है, जिसे शिक्षा मंत्रालय के लिए विकसित किया गया है।

## जेएनवी के लिए सूचना प्रौद्योगिकी

**नवशाला ऐप**
पुस्तकालय, लैब और स्मार्ट कक्षाओं से संबंधित गतिविधियों के अभिलेखन और अनुवीक्षण के लिए नवोदय विद्यालयों और नवोदय विद्यालय समिति के लिए एक ऐप।

**एनवीएस द्वारा अनुवीक्षण के लिए एनसीएमटीएम वेब पोर्टल आर-2.0**
उपर्युक्त एनसीएमटीएम ऐप्स के अनुवीक्षण और कार्यों या निर्णयों के लिए विभिन्न प्रकार के डेटा के विश्लेषण हेतु एक वेब पोर्टल।

**एनवीएस आर-2.0 के लिए एनसीएमटीएम ऐप्स**
कस्टोडियन, केंद्र अधीक्षक व प्रशासक और प्रधानाचार्य के लिए अत्यधिक गोपनीय और संवेदनशील सामग्री की इलेक्ट्रॉनिक निगरानी, ट्रैकिंग और अनुवीक्षण के लिए चार अलग-अलग ऐप।

**जेएनवीएसटी पोर्टल**
जेएनवीएसटी परीक्षार्थियों और अन्य सभी संबंधित परीक्षा पूर्व गतिविधियों के ऑनलाइन डेटा संग्रह के लिए एक पोर्टल।

## सराहना

### सीबीएसई को उमंग पहल के लिए कांस्य भागीदार घोषित किया गया

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की एक पहल यूनिफाइड मोबाइल ऐप फॉर न्यू-एज गवर्नेंस (**UMANG**) की तीसरी वर्षगांठ के अवसर पर, सीबीएसई को वर्ष का कांस्य भागीदार घोषित किया गया है।

इस पुरस्कार की घोषणा माननीय संचार, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी तथा विधि एवं न्याय मंत्री श्री रविशंकर प्रसाद ने की थी। सीबीएसई परीक्षा के अनुदेश और परिणाम जारी करने के लिए उमंग के साथ सहयोग कर रहा है।

# परीक्षाएं

सीबीएसई बोर्ड परीक्षाएं कक्षा दसवीं और बारहवीं के लिए 15.02.2020 से मार्च 2020 के अंत तक आयोजित किए जाने के लिए तय हुई थीं, तथापि, कोविड-19 महामारी के व्यापक प्रसार के कारण, सीबीएसई को परीक्षाएं स्थगित करनी पड़ी थी।

अनिश्चितताओं और अप्रत्याशित स्थिति को देखते हुए और छात्रों के स्वास्थ्य और स्वस्थता/सेहत को ध्यान में रखते हुए, भारत के माननीय उच्चतम न्यायालय ने 26.06.2020 को आदेश पारित किया, जिसमें सीबीएसई की दसवीं और बारहवीं कक्षा के लिए निम्नलिखित मानदंडों के अनुसार परिणामों की संगणना के लिए आकलन योजना अनुमोदित की गई:

## आकलन योजना

ए) "दसवीं और बारहवीं दोनों कक्षाओं के छात्रों के लिए, जिन्होंने अपनी सभी परीक्षाएँ दी हैं, उनके परिणाम परीक्षाओं में उनके प्रदर्शन के आधार पर घोषित किए जाएंगे।

बी) 3 से अधिक विषयों की परीक्षाओं में बैठने वाले छात्रों के लिए, सर्वश्रेष्ठ तीन प्रदर्शन वाले विषयों में प्राप्त अंकों का औसत उन विषयों में प्रदान किया जाएगा जिनकी परीक्षाएं आयोजित नहीं की गई हैं।

सी) केवल 3 विषयों में परीक्षा में बैठने वाले छात्रों के लिए, सर्वश्रेष्ठ दो प्रदर्शन वाले विषयों में प्राप्त अंकों का औसत उन विषयों में प्रदान किया जाएगा जिनकी परीक्षाएं आयोजित नहीं की गई हैं।

भारत के माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा एक अतिरिक्त मानदंड भी बारहवीं कक्षा के लिए अनुमोदित किया गया था जैसा कि नीचे उल्लेख किया गया है:

डी) "बारहवीं कक्षा के बहुत कम ऐसे छात्र हैं, मुख्य रूप से दिल्ली से, जो केवल 1 या 2 विषयों में परीक्षाओं में शामिल हुए हैं। उनके परिणाम उनके द्वारा परीक्षा दिए हुए विषयों में प्रदर्शन और आंतरिक, प्रैक्टिकल या परियोजना आकलन में प्रदर्शन के आधार पर घोषित किए जाएंगे। इन छात्रों को अपने प्रदर्शन में सुधार के लिए सीबीएसई द्वारा आयोजित वैकल्पिक परीक्षाओं में शामिल होने की अनुमति दी जाएगी, यदि वे ऐसा करना चाहते हैं। इन छात्रों का परिणाम भी अन्य छात्रों के साथ घोषित किया जाएगा।

## वैकल्पिक परीक्षा का अवसर

जिन अभ्यर्थियों के परिणाम आकलन योजना के आधार पर घोषित किए गए थे, उन्हें अपने प्रदर्शन में सुधार करने के लिए वैकल्पिक परीक्षाओं में शामिल होने की अनुमति दी गई थी, यदि वे इसके इच्छुक थे। इन वैकल्पिक परीक्षाओं में अभ्यर्थी द्वारा प्राप्त अंकों को उनके लिए अंतिम माना जाना था जिन्होंने ये परीक्षाएं देने का विकल्प चुना था।

## अनुत्तीर्ण शब्द का अनिवार्य दोहराव से प्रतिस्थापन

सीबीएसई ने "अनुत्तीर्ण" शब्द को "अनिवार्य दोहराव" शब्द से बदल दिया है। इसलिए, घोषित परिणाम में "अनुत्तीर्ण" का उल्लेख अभ्यर्थियों को जारी किए गए दस्तावेजों और वेबसाइट पर डाले गए परिणाम में नहीं किया गया था।

## बोर्ड परीक्षा परिणाम 2020

परिणाम आकलन योजना के आधार पर घोषित किया गया था। बारहवीं कक्षा का परिणाम रिकॉर्ड समय में 13.07.2020 को घोषित किया गया था और दसवीं कक्षा का परिणाम 15.07.2020 को घोषित किया गया था।

## डिजिलॉकर में प्रमाण-पत्र

डिजिलॉकर में अभ्यर्थी की डिजिटल अंकतालिका, उत्तीर्णता और प्रवास प्रमाण-पत्र, कौशल सर्टिफिकेट उपलब्ध थे। डिजिलॉकर खाता क्रेडेंशियल छात्रों को सीबीएसई के साथ पंजीकृत उनके मोबाइल नंबर पर एसएमएस के माध्यम से भेजे गए थे।

प्रमाण पत्र गूगल प्ले पर उपलब्ध डिजिलॉकर मोबाइल ऐप से भी डाउनलोड किए जा सकते हैं।

## परिणाम के बाद सीबीएसई द्वारा टेली-परामर्श

परिणाम के बाद टेली-परामर्श सुविधा 13.07.2020 से सक्रिय की गई थी और टोल-फ्री नंबर पर 27.07.2020 तक जारी रही। छात्र और अभिभावक देश के किसी भी हिस्से से सभी दिनों में सुबह 9.30 बजे से शाम 5.30 बजे तक डायल कर सकते थे या उसी नंबर पर आईवीआरएस पर पहले से दर्ज उपयोगी टिप्स और अन्य जानकारी प्राप्त कर सकते थे या इसके लिए सीबीएसई की वेबसाइट **www.cbse.nic.in** देख सकते थे।

## कक्षा X & XII 2020 परीक्षा की मुख्य बातें

| | X | XII |
|---|---|---|
| परीक्षा की अवधि | 15 फरवरी 2020 से 20 मार्च 2020 | 15 फरवरी 2020 से 30 मार्च 2020 |
| परिणाम घोषणा की तिथि | 15 जुलाई 2020 | 13 जुलाई 2020 |
| विद्यालयों की संख्या | 20387 | 13109 |
| केंद्रों की संख्या | 5377 | 4989 |
| उपस्थित अभ्यर्थी | 1873015 | 1192961 |
| उत्तीर्ण अभ्यर्थी | 1713121 | 1059080 |
| उत्तीर्णता % | 91.46 | 88.78 |
| उत्तीर्णता % छात्राएं | 93.31 | 92.15 |
| उत्तीर्णता % छात्र | 90.14 | 86.19 |
| उत्तीर्णता % ट्रांसजेंडर | 78.95 | 66.67 |
| अभ्यर्थी जिनका स्कोर >90% | 184358 | 157934 |
| अभ्यर्थी जिनका स्कोर >95% | 41804 | 38686 |
| उत्तीर्णता% सीडब्ल्यूएसएन अभ्यर्थी | 94.43 | 91.68 |
| सीडब्ल्यूएसएन श्रेणी में >90% स्कोर करने वाले अभ्यर्थी | 253 | 243 |
| सीडब्ल्यूएसएन श्रेणी में >95% स्कोर करने वाले अभ्यर्थी | 32 | 42 |

## कक्षा X 2020 परिणाम

विद्यालयों की कुल संख्या
20387

परीक्षा केंद्र
5377

उपस्थित विद्यार्थी
1873015

91.46%
कुल उत्तीर्णता प्रतिशत

लड़कियां
93.31

लड़के
90.14

ट्रांसजेंडर
78.95

तीन सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

| क्षेत्रवार | संस्थान क्रम में |
|---|---|
| थिरुवनंथपुरम 99.28% | केवी 99.23% |
| चैन्नई 98.95% | जेएनवी 98.66% |
| बेंगलुरू 98.23% | सीटीएसए 93.67% |

## पंजीकृत अभ्यर्थियों की क्षेत्रवार संख्या – कक्षा X 2020

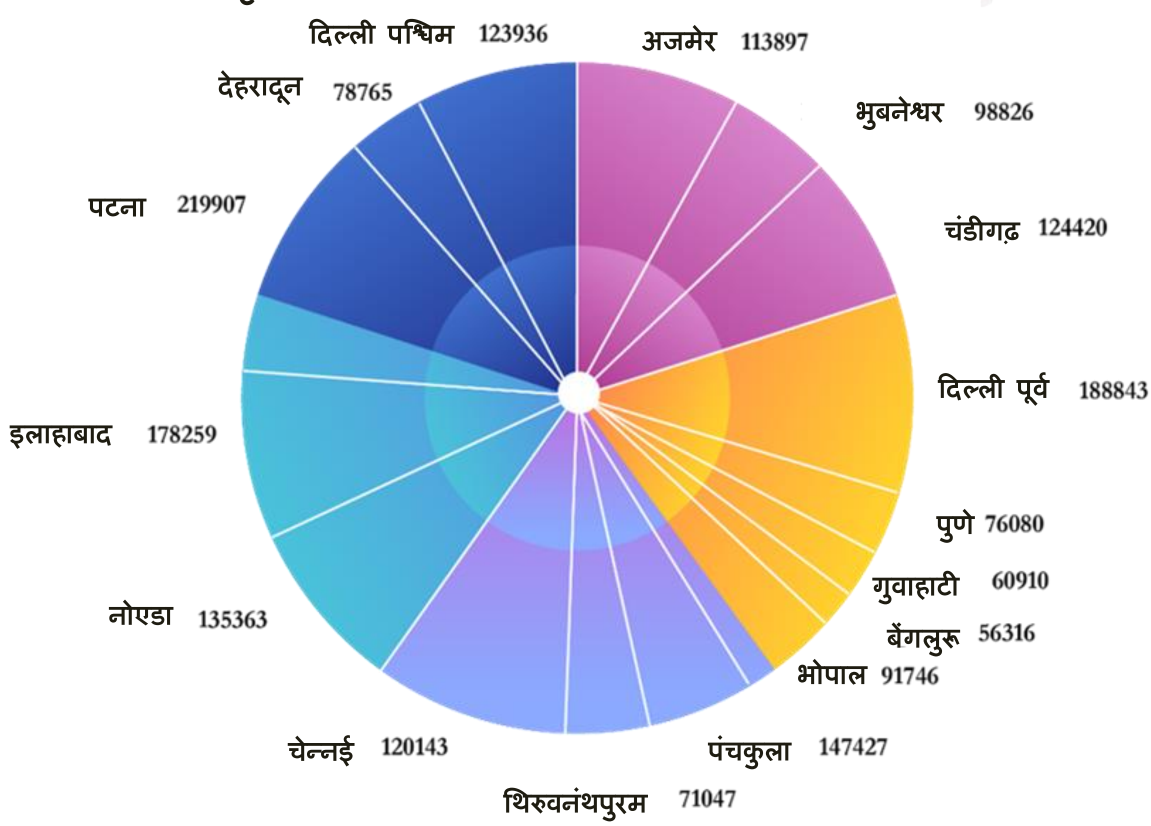

पंजीकृत अभ्यर्थियों की क्षेत्रवार उत्तीर्णता % कक्षा -X 2020

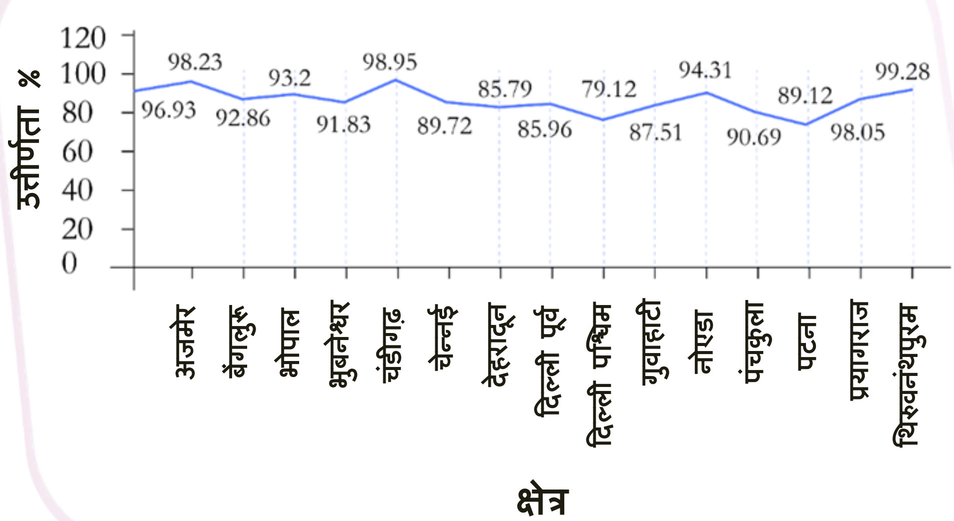


अभ्यर्थियों के उत्तीर्णता % की तुलना कक्षा - X 2020

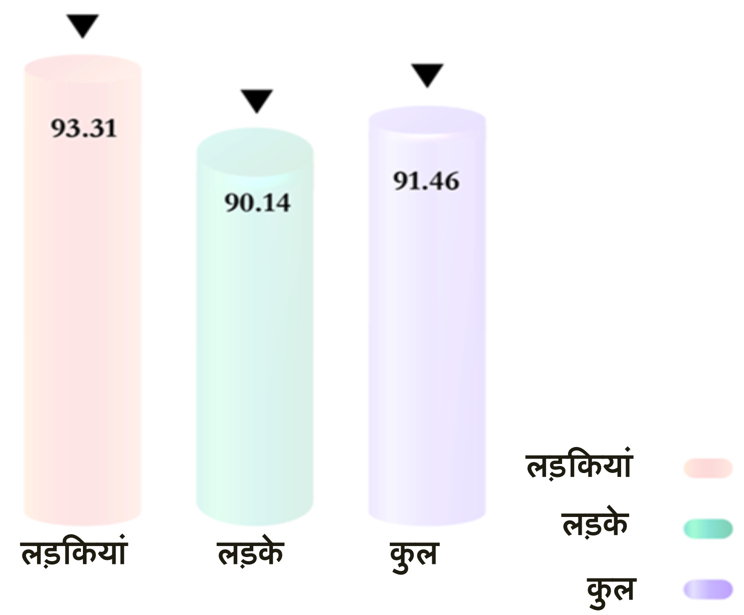


लिंग क्रम में अभ्यर्थियों का उत्तीर्णता % कक्षा – X (2019-2020)

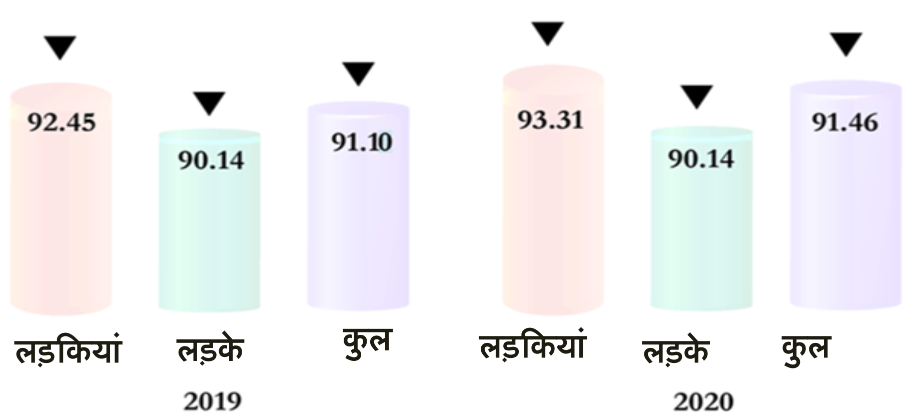

## कक्षा XII 2020 परिणाम

विद्यालयों की कुल संख्या
13109

परीक्षा केंद्र
4984

उपस्थित विद्यार्थी
1192961

88.78%
कुल उत्तीर्णता प्रतिशत

लड़कियां
92.15

लड़के
86.19

ट्रांसजेंडर
66.67

### तीन सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

| क्षेत्रवार | संस्थान क्रम में |
| --- | --- |
| थिरुवनंथपुरम 97.67% | केवी 98.70% |
| बेंगलुरू 97.05% | जेएनवी 98.62% |
| चैन्नई 96.17% | सीटीएसए 98.23% |

## पंजीकृत अभ्यर्थियों की क्षेत्रवार संख्या – कक्षा XII 2020

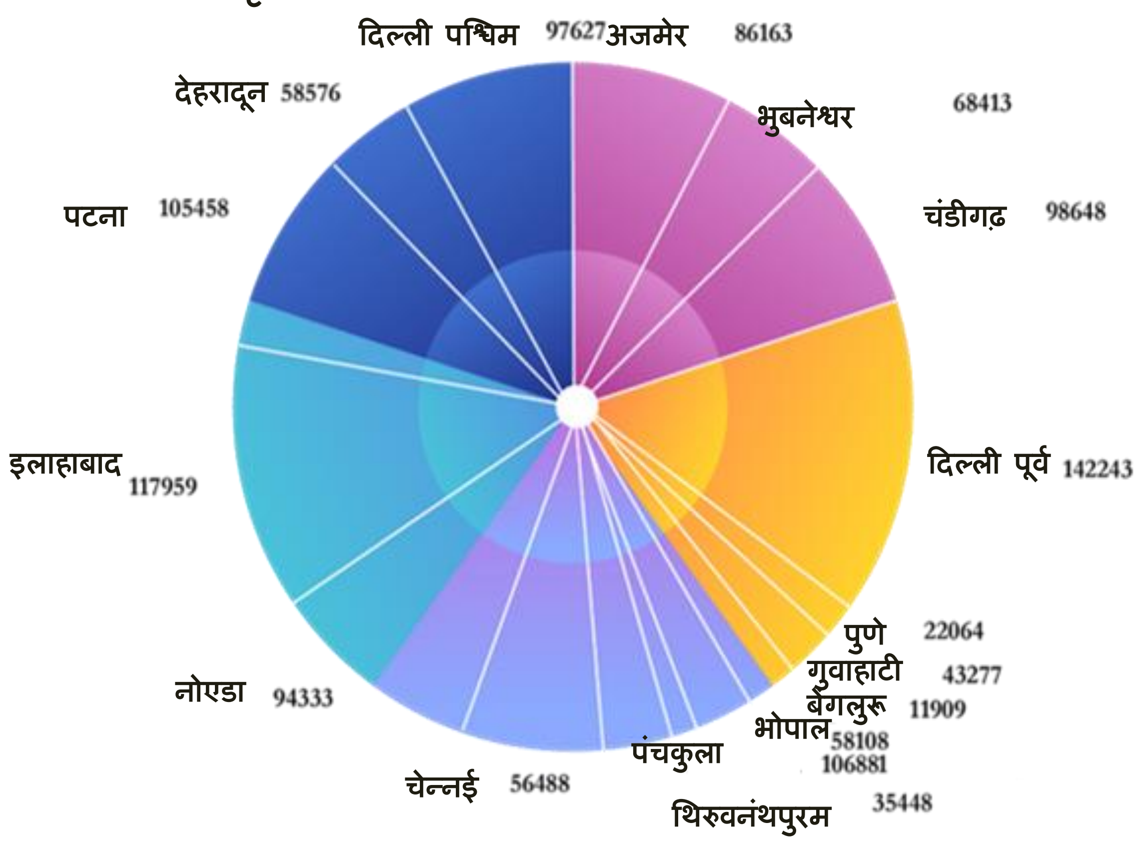

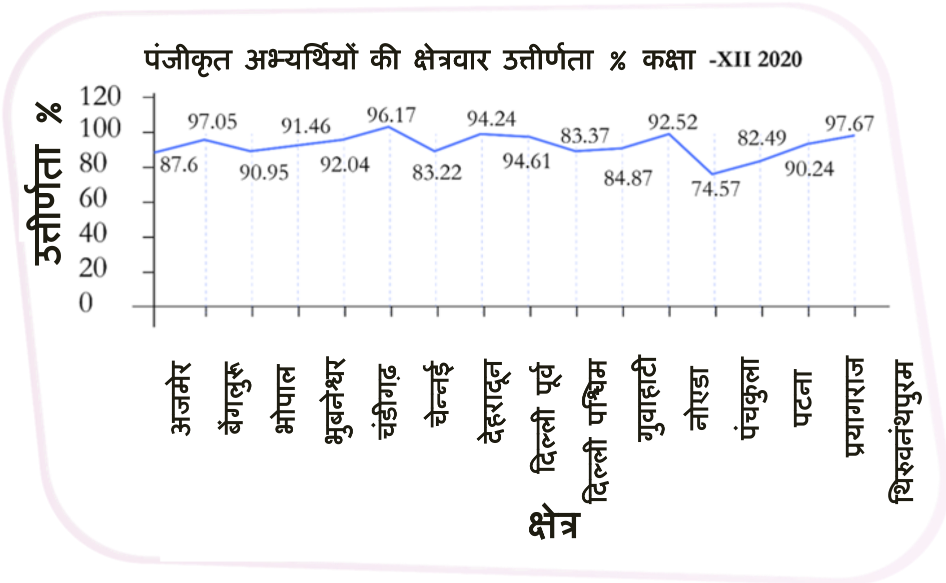


अभ्यर्थियों के उत्तीर्णता % की तुलना कक्षा – XII 2020

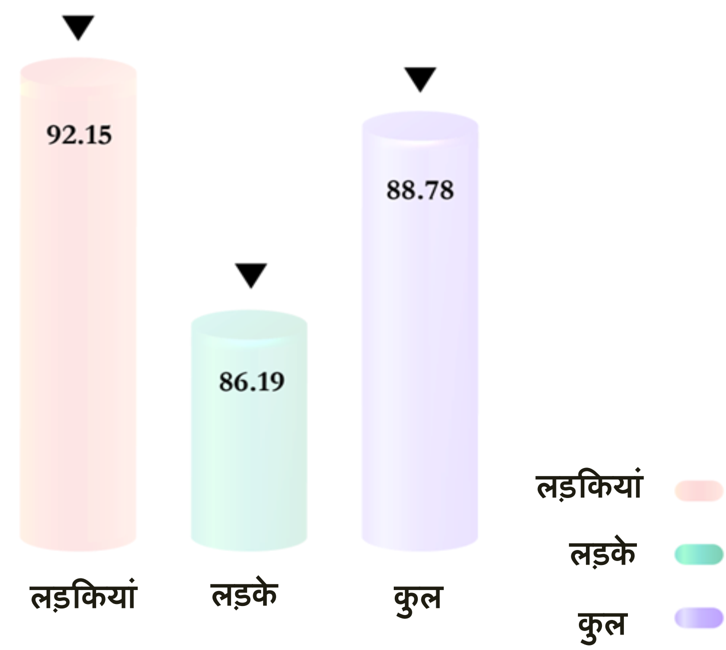


लिंग क्रम में अभ्यर्थियों का उत्तीर्णता % - XII (2019-2020)

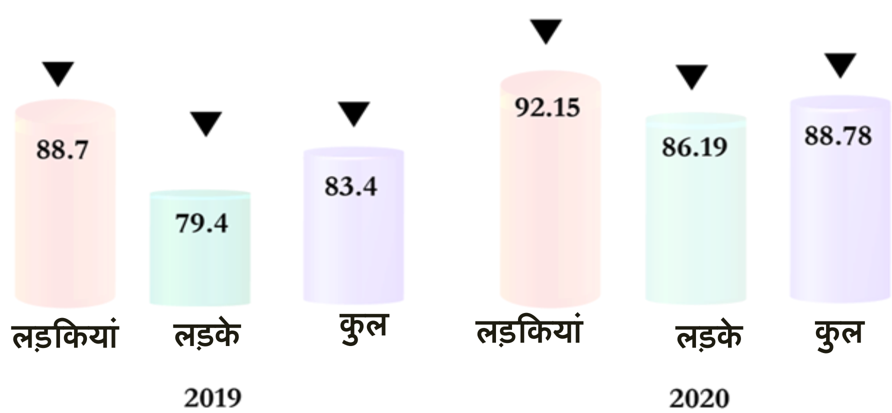

# केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा

# केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा का 14वां संस्करण

यह परीक्षा प्रारंभ में 5 जुलाई 2020 को आयोजित होना तय हुई थी लेकिन कोरोना वायरस के व्यापक फैलाव के कारण इसे स्थगित करना पड़ा। यह अंततः देश भर के परीक्षा केंद्रों पर भारत सरकार द्वारा जारी सभी अनुपालनाओं और अनुदेशों का पालन करते हुए 31 जनवरी 2021 को आयोजित की गई। सभी अभ्यर्थियों को कोविड -19 दिशानिर्देशों से अवगत कराया गया।

सामाजिक दूरी बनाए रखने और कोविड-19 की रोकथाम के अन्य उपायों को सुनिश्चित करने के लिए, अतिरिक्त 23 शहरों में परीक्षा केंद्रों की व्यवस्था की गई और तदनुसार शहरों की संख्या 112 से बढ़ाकर 135 हो गई। अभ्यर्थियों को असुविधा न हो इसके लिए, बोर्ड ने उन्हें शहर बदलने की सुविधा दी और अभ्यर्थियों को उनके द्वारा चुने गए शहरों के परीक्षा केंद्रों में समायोजित करने का हर संभव प्रयास किया गया।

सीटीईटी परीक्षा में दो पेपर होते हैं। कक्षा 1 से 5वीं के लिए शिक्षक पात्रता हेतु पेपर – 1 जबकि पेपर - 2 कक्षा 6 से 8 के शिक्षकों के लिए पात्रता सुनिश्चित करने के लिए है। निर्धारित अर्हता को पूरा करने वाले अभ्यर्थी या दोनों में से किसी एक या दोनों पेपरों में उपस्थित हो सकते हैं और निर्धारित 20 भाषाओं में से कोई भी दो भाषाएं चुन सकते हैं।

### डिजी-लॉकर के माध्यम से अंक पत्र

सीबीएसई सभी उपस्थित अभ्यर्थियों के डिजिलॉकर खाते बनाता है और खाता क्रेडेंशियल अभ्यर्थियों को सीबीएसई के साथ पंजीकृत उनके मोबाइल नंबरों पर सूचित किए जाते हैं। अभ्यर्थी संप्रेषित क्रेडेंशियल्स का उपयोग करके अपनी डिजिटल अंक पत्र और पात्रता प्रमाणपत्र डाउनलोड कर सकते हैं।

### डिजी-लॉकर के लाभ

ऐसे डिजिटल प्रारूप में अंक पत्र और पात्रता प्रमाणपत्र, सभी के लिए सुविधाजनक हैं क्योंकि उन्हें इलेक्ट्रॉनिक रूप से कहीं भी, कभी भी साझा किया जा सकता है।

सुरक्षा बढ़ाने के लिए, अंक पत्र और प्रमाणपत्र में एक एन्क्रिप्टेड क्यूआर कोड होता है, जिसे डिजिलॉकर मोबाइल ऐप का उपयोग करके स्कैन और सत्यापित किया जा सकता है।

डिजिटल रूप से हस्ताक्षरित अंक पत्र और पात्रता प्रमाणपत्र आईटी अधिनियम के अनुसार कानूनी रूप से मान्य हैं। परीक्षा संबंधी गतिविधियों में प्रौद्योगिकी का समावेश पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बोर्ड का एक सशक्त कदम है। इन प्रयासों से, बोर्ड भारी मात्रा में धनराशि और कागज, पेड़, जल जैसे मूल्यवान संसाधनों को बचाने और कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए प्रतिबद्ध है।

| | |
|---|---|
| परीक्षा की तिथि | 31st जनवरी |
| कुल शहर | 135 |
| शहर समन्वयकों की संख्या | 146 |
| कुल परीक्षा केंद्र | 3938 |
| तैनात किए गए कुल प्रेक्षक | 5900 |
| तैनात किए गए कुल बोर्ड कार्मिक | 789 |
| पंजीकृत अभ्यर्थियों की संख्या (पेपर I व II) | 3058974 |
| परिणाम की तिथि | 26th फरवरी 2021 |
| अर्हता प्राप्त अभ्यर्थियों की कुल संख्या | 654299 |
| पेपर-I के लिए अर्हता प्राप्त अभ्यर्थी | 414798 |
| पेपर- II के लिए अर्हता प्राप्त अभ्यर्थी | 239501 |

### सीबीटी मोड में 15वां सीटीईटी

28.06.2021 को आयोजित सीटीईटी की 8वीं सलाहकार और कार्यान्वयन समिति की बैठक में यह निर्णय लिया गया कि सीटीईटी का 15वां संस्करण सीबीटी (कंप्यूटर आधारित टेस्ट) मोड में आयोजित किया जाएगा। अगला सीटीईटी दिसंबर, 2021/जनवरी, 2022 के महीने में आयोजित होना नियत हुआ है।

# व्यावसायिक परीक्षाएं

## राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण – तैयारियाँ

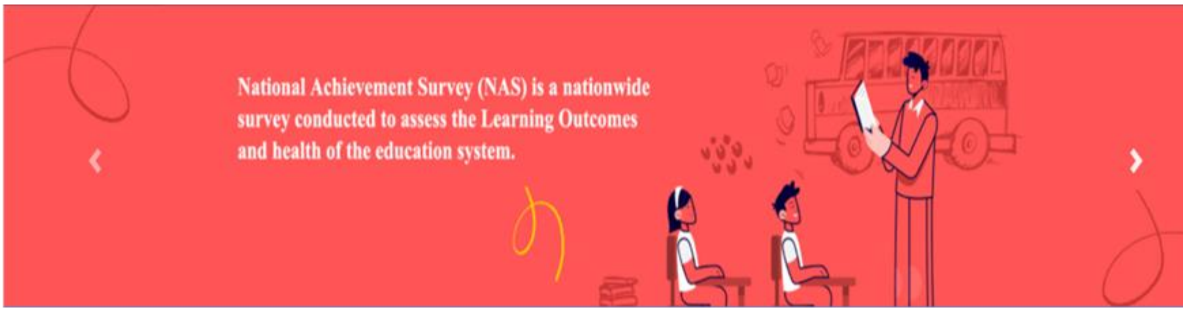


एनईपी 2020 के पैरा 8.10 में कहा गया है कि "आवधिक स्तर पर समग्र प्रणाली की 'स्थिति का जायजा लेने' के लिए, छात्र अधिगम स्तरों का एक नमूना-आधारित राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण (एनएएस), प्रस्तावित नए राष्ट्रीय आकलन केंद्र, **परख** द्वारा एनसीईआरटी जैसे अन्य सरकारी निकायों के उपयुक्त सहयोग के साथ किया जाएगा- जो आकलन प्रक्रियाओं के साथ-साथ डेटा विश्लेषण में सहायता कर सकते हैं।

आकलन में सरकारी और प्राइवेट स्कूलों के छात्र शामिल होंगे। राज्यों को अपना स्वयं का जनगणना-आधारित राज्य आकलन सर्वेक्षण (एसएएस) आयोजित करने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाएगा, जिसके परिणाम का उपयोग केवल विकासात्मक उद्देश्यों, स्कूलों द्वारा उनके समग्र और अनामीकृत छात्र परिणामों के सार्वजनिक प्रकटीकरण, और स्कूल शिक्षा प्रणाली के निरंतर सुधार के लिए किया जाएगा। प्रस्तावित नए राष्ट्रीय आकलन केंद्र, परख, की स्थापना होने तक एनसीईआरटी, एनएएस का संचालन जारी रख सकता है।

शिक्षा मंत्रालय ने 18 फरवरी 2020 के अपने कार्यालय ज्ञापन एफ.सं.19-4/2019-आईएस-8 के तहत एक संचालन समिति का गठन किया और निर्णय लिया कि उपकरण विकास, परीक्षा, परीक्षा आइटम को अंतिम रूप देना, नमूना चयन एनसीईआरटी द्वारा किया जाएगा जबकि नमूना चयनित विद्यालयों में एनएएस का वास्तविक प्रशासन सीबीएसई द्वारा किया जाएगा। यह उच्च स्तर की विश्वसनीयता सहित सर्वेक्षण के परिणामों के सुचारू, केंद्रीकृत संचालन और त्वरित संकलन को सुनिश्चित करने के लिए किया गया है।

एनएएस 2020 को पहले वर्ष 2020 में आयोजित करने की परिकल्पना की गई थी।

हालाँकि, जैसे ही कोविड महामारी का प्रकोप हुआ, लॉकडाउन के कारण तैयारियों का कार्य शुरू नहीं किया जा सका। परिणामस्वरूप, एनएएस 2020 को वर्ष 2021 के लिए आस्थगित कर दिया गया था और एनएएस के संचालन की **तारीख 12 नवंबर, 2021** शिक्षा मंत्रालय द्वारा 28 अक्टूबर 2020 के पत्र द्वारा सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को अधिसूचित की गई थी।

एनएएस-2021 में देश भर के लगभग 733 जिलों को शामिल किए जाने की उम्मीद है। सभी लक्षित कक्षाओं III, V, VIII और X के लिए 12 नवंबर 2021 को एक ही दिन में किए जाने वाले इस राष्ट्रव्यापी सर्वेक्षण में 34 लाख से अधिक बच्चे भाग लेंगे।

कार्यों की अधिकता को देखते हुए, सभी शुरुआती तैयारियाँ चल रही हैं। पीएबी ने सीबीएसई और एनसीईआरटी दोनों के लिए अपेक्षित निधि आवंटन को मंजूरी दे दी है। एनसीईआरटी को आकलन ढांचा विकसित करने, उपकरण विकास, परीक्षा, परीक्षा मदों को अंतिम रूप देने, स्कूलों के नमूना चयन की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

नमूना चयन योजना को एनसीईआरटी और यूनिसेफ द्वारा डीडीजी (सांख्यिकी) के परामर्श से अंतिम रूप दिया जा रहा है।

सीबीएसई का व्यावसायिक परीक्षा एकक एनएएस प्रशासन भाग को संभाल रहा है। इसके द्वारा जिला स्तरीय समन्वयक, प्रेक्षकों और अभिरक्षकों के रूप में नियुक्त किए जाने वाले लोगों की पहचान जैसे अपेक्षित प्रारंभिक कार्य पहले ही शुरू किए जा चुके हैं।

बोर्ड एनएएस 2021-से संबंधित डाटा प्रबंधन के लिए आवश्यक आईटी समर्थन के लिए एनआईसी के साथ भी समन्वय कर रहा है। बोर्ड विभिन्न पदाधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करेगा। क्षेत्र जांचकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण का आयोजन एनसीईआरटी द्वारा एसएलएमटी और अन्य के सहयोग से किया जाएगा जिसके लिए विशिष्ट कार्य योजना नियत समय में विकसित की जाएगी। क्षेत्र जांचकर्ताओं की नियुक्ति राज्य या संघ राज्य क्षेत्र की मशीनरी द्वारा नियत समय में प्रदान की जाने वाली कार्य-रीतियों के अनुसार की जाएगी।

## कक्षा IX पार्श्व प्रवेश परीक्षा

सीबीएसई ने 24 फरवरी 2021 को जेएनवी में प्रवेश के लिए कक्षा IX पार्श्व प्रवेश परीक्षा भी आयोजित की है।

## जेएनवी चयन परीक्षा (जेएनवीएसटी 2020) चरण II (नवंबर 2020) का आयोजन

एनवीएस के साथ समझौता ज्ञापन के तहत दायित्व के भाग के रूप में ,सीबीएसई द्वारा देशभर में जेएनवी में कक्षा VI में प्रवेश के लिए चयन परीक्षा आयोजित की जाती है। वर्ष 2020 में, जेएनवीएसटी को दो चरणों में आयोजित किया गया था।

प्रथम चरण की परीक्षा (ग्रीष्म कालीन) 11.01.2020 को आयोजित की गई थी। दूसरा चरण (शीतकालीन) 11.04.2020 को निर्धारित किया गया था और इसे कोविड महामारी के कारण आस्थगित करना पड़ा था। परीक्षा को पुनर्निर्धारित किया गया और 07.11.2020 को आयोजित की गई।

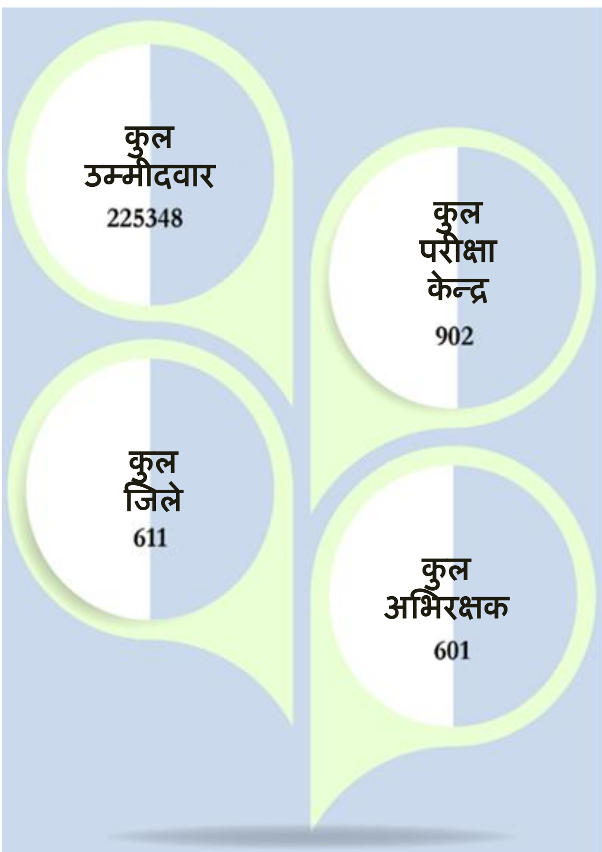


**जेएनवीएसटी चरण II 2020 की मुख्य बातें**

| | चरण II |
|---|---|
| तिथि | 07 नवंबर 2020 |
| पंजीकृत अभ्यर्थी | 116679 |
| कुल छात्राएँ | 55060 |
| कुल छात्र | 61605 |
| जिला | 75 |
| ब्लॉक | 463 |
| केंद्र | 579 |
| अभिरक्षक | 153 |

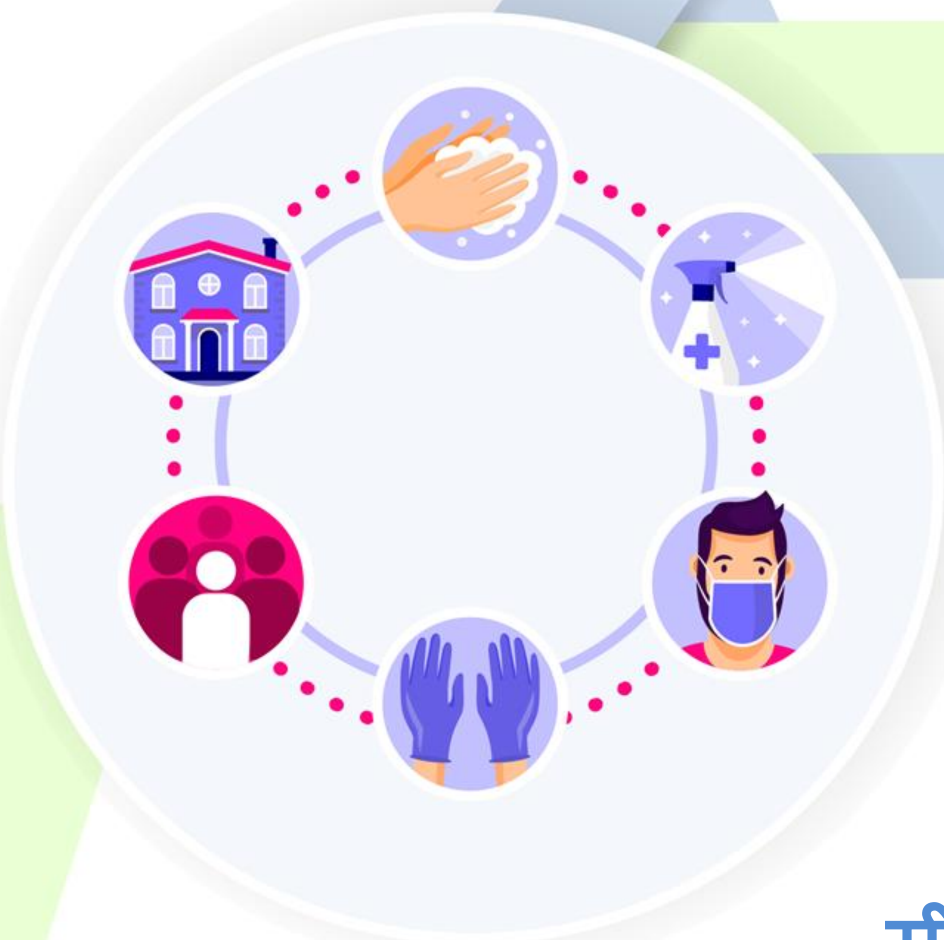

# सीबीएसई कोविड -19 प्रतिक्रिया प्रणाली

## प्रतिबद्ध एवं एकजुट : सीबीएसई कोविड-19 प्रतिक्रिया टीम

देश में कोविड-19 की दूसरी लहर के दौरान मामलों में वृद्धि के साथ, सीबीएसई ने कर्मचारियों और उनके परिवारों की मदद करने के लिए एक प्रणाली तैयार की थी।

- सीबीएसई मुख्यालय में एक कोविड प्रतिक्रिया टीम का गठन किया गया था जिसमें कार्यालय के प्रत्येक एकक के प्रतिनिधि शामिल थे।

- सीबीएसई के सभी कर्मचारियों से उनके संबंधित विभाग समूहों के माध्यम से दैनिक स्वास्थ्य रिपोर्ट एकत्र की गई थी। जरूरत पड़ने पर आगे की चिकित्सा सहायता या अस्पताल में भर्ती होने के लिए कोविड संक्रमित मामले सीबीएसई कोविड प्रतिक्रिया दल को भेजे गए।

- पूरी जानकारी एक संरूप में रखी गई थी। एक नोडल व्यक्ति की प्रतिनियुक्ति की गई थी जो 3-5 मामलों की दिन में दो बार निगरानी करे और कोविड प्रतिक्रिया दल को रिपोर्ट करे।

- टेली चिकित्सीय परामर्श के लिए एक सुविधा दी गई थी ताकि प्रभावित कर्मचारी चिकित्सकीय सलाह के आधार पर आगे की कार्रवाई के बारे में निर्णय ले सकें।

- कोविड प्रतिक्रिया दल ने अस्पतालों में बिस्तर प्राप्त करने के लिए अग्रसक्रिय प्रयास किए और अस्पताल में भर्ती की अपेक्षा वाले सभी मामलों में ऐसा करने में सक्षम रहे।

- कोविड-19 प्रबंधन के लिए प्रशासनिक व्यवस्था की गई थी। सीबीएसई प्रबंधन और वरिष्ठ अधिकारियों ने स्थिति का जायजा लेने के लिए रोजाना बैठक की। त्वरित निर्णय लेने के लिए एक उच्च स्तरीय समिति को सशक्त किया गया था।

- सीबीएसई कर्मचारियों ने आवश्यक चिकित्सा उपस्करों पर खर्च की पूर्ति के लिए स्वैच्छिक वित्तीय योगदान भी दिया।

- कोविड प्रतिक्रिया दल, कोविड प्रभावित लोगों और कोविड से ठीक हुए लोगों के लिए अलग-अलग व्हाट्सएप ग्रुप बनाए गए।

- इन व्हाट्सएप समूहों से प्रभावित लोगों के और ठीक हुए लोगों के स्वास्थ्य की लाइव ट्रैकिंग में मदद मिली। इन समूहों में महत्वपूर्ण निर्देश लाइव आधार पर साझा किए गए।

### चिकित्सीय उपस्करों का कोई अभाव नहीं

- कर्मचारियों और परिवार के सदस्यों के लिए आवश्यक दवाएं और उपकरण जैसे ऑक्सीजन सिलेंडर, किट, कोनसेंट्रेटर, ऑक्सीमीटर और थर्मामीटर पर्याप्त संख्या में खरीदे गए।

- आपातकालीन उपयोग के लिए ऑक्सीजन से युक्त एक एम्बुलेंस को 24*7 किराए पर लिया गया और कर्मचारियों के एक दल को प्रशिक्षित किया गया।

### कोविड के दौरान और कोविड के बाद शारीरिक और मानसिक देखभाल

- चिकित्सकों और परामर्शदाताओं का एक पैनल बनाया गया था और स्वयं या निकट पारिवारिक सदस्यों के लिए परामर्श के इच्छुक कर्मचारियों के सभी अनुरोध चिकित्सक पैनल को चिकित्सीय रिपोर्टों के मूल्यांकन या दूसरी राय के लिए भेजे गए।

- स्थिति को सामान्य करने के उद्देश्य से बीमारी से ठीक होने वाले लोगों को परामर्श देने हेतु कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए परामर्शदाताओं की एक टीम की व्यवस्था की गई।

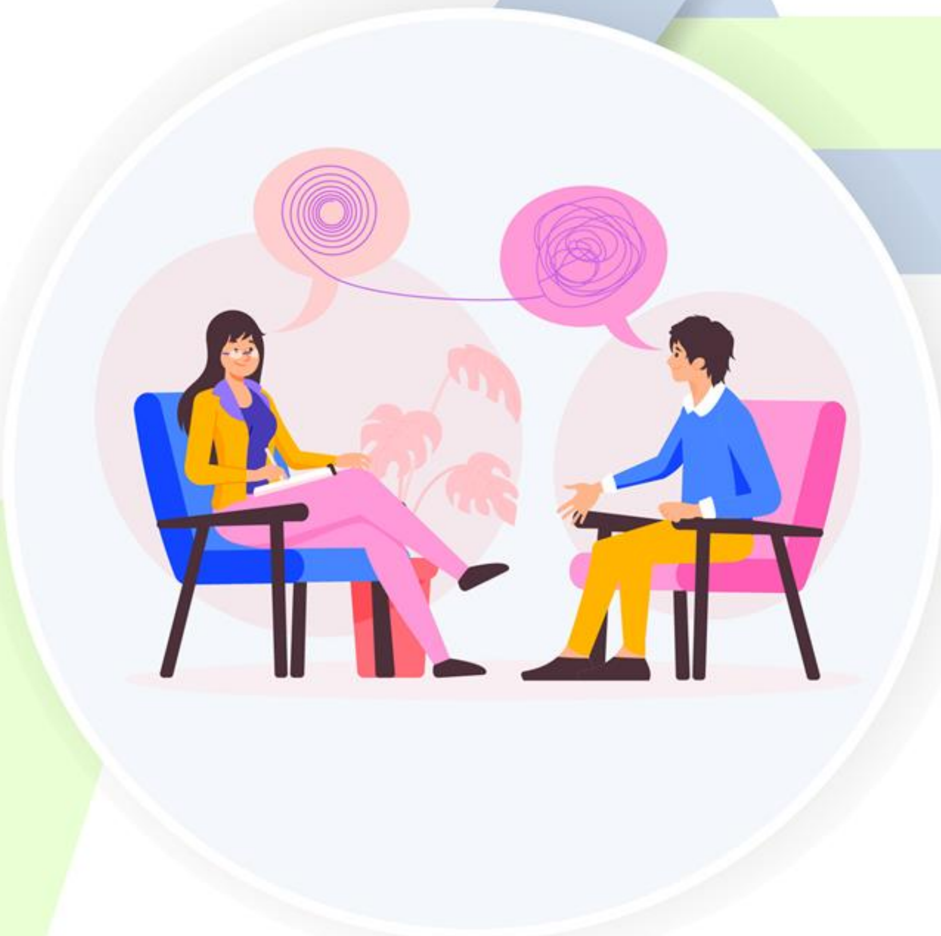

# सीबीएसई परामर्श प्रोग्राम

सीबीएसई ने 24 वर्ष पहले 1998 में इस परामर्श कार्यक्रम की शुरुआत टेलीफोन परामर्श देने के साथ की थी, जिसका अब विभिन्न तरीकों और कार्यक्षेत्रों तक विस्तार किया गया है।

'सीबीएसई परामर्श' बोर्ड का एक प्रमुख वार्षिक कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक के विभिन्न श्रेणियों के विद्यार्थियों और अन्य हितधारकों की परीक्षा पूर्व और परीक्षा उपरांत निःशुल्क परामर्श के माध्यम से सहायता करना है।

सीबीएसई द्वारा श्रव्य-दृश्य प्रस्तुतियों और आईवीआरएस, ऐप, फोन पर लाइव काउंसलिंग सत्र के माध्यम से छात्रों और अभिभावकों के लिए बहुस्तरीय मनोवैज्ञानिक परामर्श प्रदान किया जा रहा है।

### सीबीएसई टेली काउंसिलिंग पर एक नजर

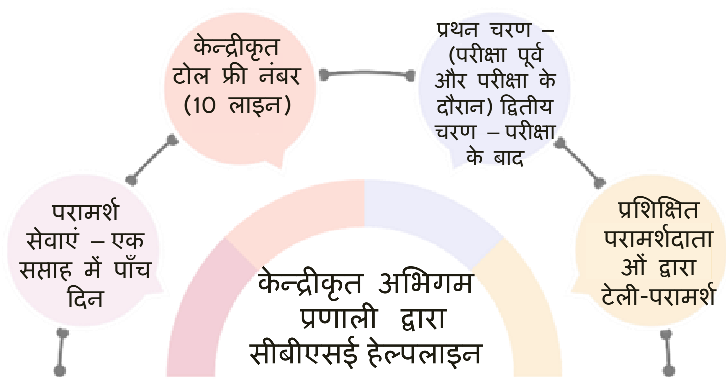


इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए सीबीएसई द्वारा संप्रेषण और आउटरीच के पारंपरिक और उन्नत तरीके अपनाए गए हैं। 1998 में, 24 वर्ष पहले सीबीएसई ने टेलीफोन से परामर्श देकर इस कार्यक्रम की शुरुआत की थी, जिसे अब विभिन्न तरीकों और कार्यक्षेत्रों तक विस्तार दिया गया है:

### सीबीएसई काउंसिलिंग कार्यक्रम की विशेषताएँ

### काउंसलिंग 2020

रिपोर्ट अवधि (2020) के दौरान भारत में केंद्रीकृत कॉल सेंटर के माध्यम से ऑनलाइन परामर्श संचालित किया गया, जहां देश में 73 और अन्य देशों में 22 स्वयंसेवी प्रधानाचार्यों, परामर्शदाताओं, विशेष शिक्षकों ने छात्रों और अभिभावकों को निःशुल्क सेवाएं प्रदान कीं।

### मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण मैनुअल

माननीय शिक्षा मंत्री द्वारा 21.07.2020 को मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण मैनुअल का विमोचन किया गया। मैनुअल मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण के महत्व पर बल देता है और किशोरावस्था में स्वास्थ्य की स्थिति, जोखिम कारकों और चुनौतियों से संबंधित अन्य महत्वपूर्ण पहलुओं को शामिल करते हुए स्कूल, परिवार और समुदाय की भूमिका को समाहित करता है।

इसमें किशोरावस्था में जोखिम कारकों और चुनौतियों पर अध्याय हैं, व आत्म देखभाल, सकारात्मकता, भय और चिंता से निपटने, गलत धारणा के प्रभाव से बचने, सामाजिक समर्थन के महत्व और उपलब्ध संसाधनों की सहायता से जुड़े रहने के पहलुओं को शामिल करते हुए कोविड-19 प्रभावों के बीच मनोवैज्ञानिक सहायता प्रदान करने पर विशेष अध्याय हैं।

## सीबीएसई दोस्त फॉर लाइफ : छात्रों के मनोसामाजिक कल्याण के लिए एक नया परामर्श ऐप

महामारी के दौरान सीबीएसई ने कक्षा IX-XII के छात्रों के मनो सामाजिक कल्याण के लिए एक और नए ऐप का विमोचन किया। देश भर में टोल फ्री नंबर के माध्यम से टेली परामर्श की मौजूदा पद्धति के अलावा, इस सुविधा को घर के सुरक्षित वातावरण में छात्रों और अभिभावकों की सुगमता, सुविधा और उपयोगिता के लिए अभिकल्पित किया गया था।

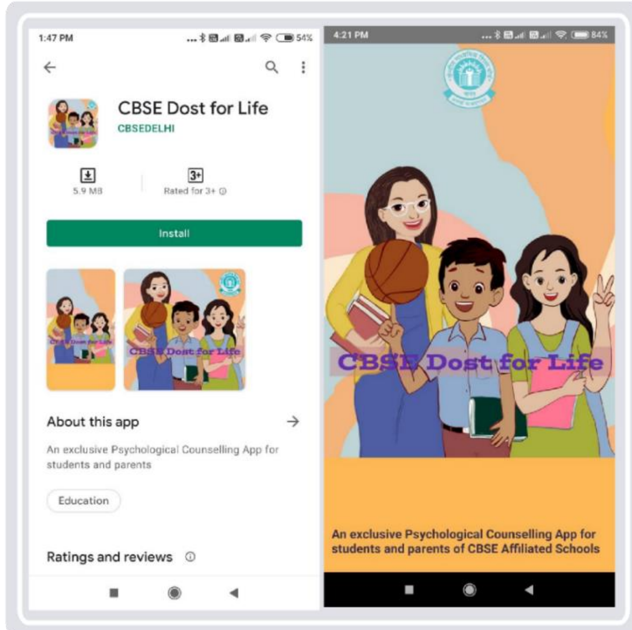


**परामर्श सत्र** – यह ऐप एक साथ दुनिया भर के विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में सीबीएसई से संबद्ध स्कूलों के छात्रों और अभिभावकों की आवश्यकता की पूर्ति करने के लिए है। प्रशिक्षित परामर्शदाताओं और प्रधानाचार्यों द्वारा सप्ताह में तीन बार सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को लाइव परामर्श सत्र निःशुल्क आयोजित किए गए थे। **इस वर्ष 83 स्वयंसेवक थे, जिनमें से 66 भारत में थे और 17 सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, नेपाल, ओमान, कुवैत, जापान, सिंगापुर और यूएसए में अवस्थित थे।**

सीबीएसई ने सीबीएसई यू ट्यूब चैनल पर 8 अगस्त, को भारत छोड़ो आंदोलन को एक रैप गीत "गंदगी भारत छोड़ो" के माध्यम से एक उपयोगी संदेश के साथ मनाया: https://www.youtube.com/watch?v=cNqZqcbrvUg

छात्र और अभिभावक दो समय स्लॉट में से कोई भी समय चुन सकते थे: सुबह 9.30 बजे - दोपहर 1.30 बजे या दोपहर 1.30 बजे - शाम 5.30 बजे और अपनी सुविधा के अनुसार चैट बॉक्स के माध्यम से जुड़ सकते थे।

**इसके अलावा, इस ऐप में निम्नलिखित पर भी जानकारी उपलब्ध थी:**

- 10+2 के बाद सुझाए गए कोर्स
- मानसिक स्वस्थता और कल्याण पर टिप्स
- कोरोना गाइड– (दैनिक प्रोटोकॉल, घर से अधिगम, स्वयं की देखभाल और प्रायः पूछे जाने वाले प्रश्न)
- पॉडकास्ट
- मनोरंजन के लिए रैप गीत

# जन अनुक्रियाशीलता और आउटरीच

हाल के दिनों में सोशल मीडिया के उद्भव और इस क्षेत्र में बढ़ती सार्वजनिक भागीदारी और रुचि के साथ, बोर्ड ने अपने हितधारकों के साथ व्यापक संपर्क और सम्प्रेषण के लिए इसके महत्व और उपयोगिता को समझते हुए यूट्यूब, ट्विटर, फेसबुक और इस्टाग्राम पर अग्रसक्रिय रूप से सोशल मीडिया मंच बनाए हैं।

## सोशल मीडिया: विस्तार

सीबीएसई सोशल मीडिया हैंडल जनता के लिए सूचना के प्रामाणिक स्रोत के रूप में उभरा है। लॉकडाउन अवधि के दौरान, फ़ोलोवर्स और सब्सक्राइबरों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

## जन अनुक्रियाशीलता

जन शिकायतों का निवारण

45 दिनों के निर्धारित समय की तुलना में जन शिकायतों के जवाब/निपटान के समय को कम करके 12 दिन किया गया

लगभग 4,000 जन शिकायतों का निपटारा

5 हजार से अधिक आरटीआई आवेदानों, 736 प्रथम अपीलों का निपटारा

आरटीआई के तहत बोर्डों की नीतियों और नियमों का स्वैच्छिक सार्वजनिक प्रकटीकरण

98 हजार ईमेल का व्यक्तिगत रूप से उत्तर दिया गया। जन सामान्य से सराहना की मेल प्राप्त हुई।

जन सामान्य की तत्काल जानकारी के लिए 58 प्रेस प्रकाशनी और विज्ञापन, फेसबुक, इंस्टाग्राम और ट्विटर पर 1347 पोस्ट

Affiliation
creativity
solution
assistance
strategy
principle
vision
team
collaboration
creative
support
management
productive
communication
unity
goal
synergy
analysis
efficiency
combined

# संबद्धता

सीबीएसई के मुख्य कार्यों में से एक स्कूलों को संबद्ध करना है।

बोर्ड ने 259 स्कूलों के माध्यम से 26 देशों में अपनी उपस्थिति दर्ज की है, इनमें से 256 प्राइवेट विद्यालय हैं और 3 केंद्रीय विद्यालय हैं।

विद्यालयों की श्रेणियाँ

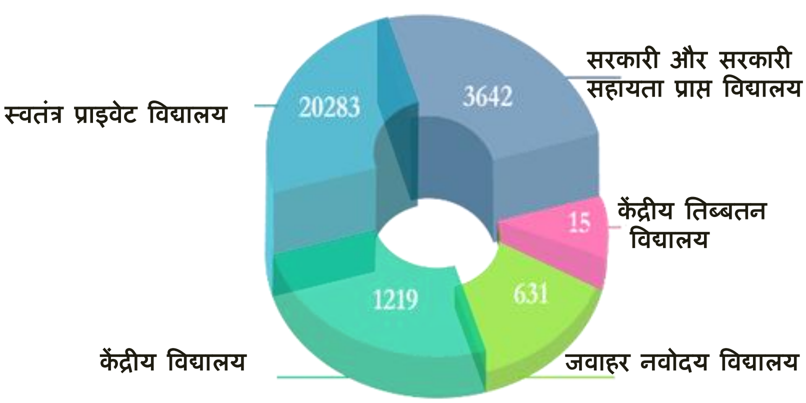


सीबीएसई का विकास

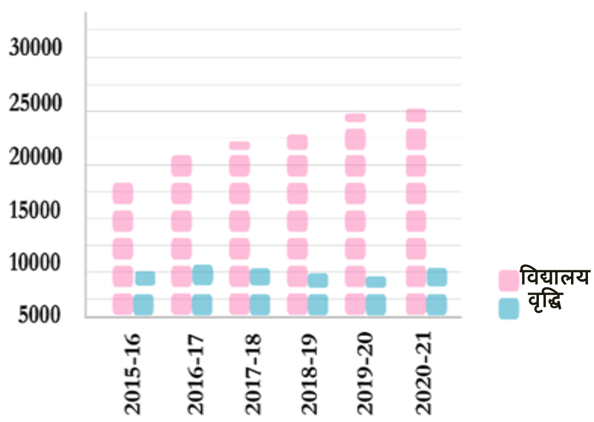


*15 जुलाई 2021 तक के आंकड़े

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 स्वायत्तता, सुशासन और सशक्तिकरण (एनईपी 2020) के माध्यम से नवाचार और आउट-ऑफ-द-बॉक्स विचारों को प्रोत्साहित करते हुए लेखा-परीक्षा और सार्वजनिक प्रकटीकरण के माध्यम से शैक्षिक प्रणाली की सत्यनिष्ठा, पारदर्शिता और संसाधन दक्षता सुनिश्चित करने के लिए एक 'सुप्रवाही और प्रभावी' नियामक ढांचे की सिफारिश करती है।

यह आगे सिफारिश करती है कि "निविष्टियों पर अधिक बल, और उनके विनिर्देशन की यांत्रिक प्रकृति - भौतिक और ढांचागत- में परिवर्तन किया जाएगा और आवश्यकताओं को जमीनी वास्तविकताओं की दृष्टि से अधिक अनुक्रियाशील बनाया जाएगा, उदाहरण के लिए, शहरी क्षेत्रों में खेल के मैदानों की व्यावहारिकता, भूमि क्षेत्र और कक्ष आकार, आदि के संबंध में। संरक्षा, सुरक्षा और एक सुखद व फलप्रद अधिगम स्थान सुनिश्चित करते हुए प्रत्येक स्कूल स्थानीय आवश्यकताओं और बाधाओं के आधार पर अपने निर्णय ले सके इसके लिए उपयुक्त लचीलापन देते हुए इन अधिदेशों को समायोजित किया जाएगा और इनमें उचित ढील दी जाएगी।
शैक्षिक परिणामों और सभी वित्तीय, शैक्षणिक और परिचालन मामलों के पारदर्शी प्रकटीकरण को उचित महत्व दिया जाएगा और ये स्कूलों के आकलन में उपयुक्त रूप से शामिल किए जाएंगे। यह सभी बच्चों के लिए नि:शुल्क, साम्यापूर्ण और गुणवत्तापूर्ण प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा सुनिश्चित करने के संधारणीय विकास लक्ष्य 4 (SDG4) को प्राप्त करने की ओर भारत की प्रगति में और सुधार करेगा। पब्लिक स्कूल शिक्षा प्रणाली का उद्देश्य उच्चतम गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करना होगा ताकि यह विविध पृष्ठभूमि वाले माता-पिता के लिए अपने बच्चों को शिक्षित करने के लिए सबसे आकर्षक विकल्प बन जाए (एनईपी, 2020)''

## सीबीएसई संबद्धता प्रणाली की पुनर्संरचना

1 मार्च, 2021 से प्रारंभ, संपूर्ण संबद्धता प्रक्रिया को एनईपी 2020 के अनुरूप पुन: संरचित किया गया था। नई प्रणाली निम्न पर केंद्रित है:

- न्यूनतम सरकार अधिकतम सुशासन का लक्ष्य प्राप्त करना,
- अनुपालनाओं को कम करना,
- डाटा संचालित निर्णयों के लिए सक्षम करना,
- पारदर्शिता प्राप्त करना,
- डाटा अतिरेक से बचना,
- एकल संसाधन के माध्यम से डाटा का संग्रह और विश्लेषण
- सभी आवेदनों का त्वरित और समयबद्ध निपटान करना

संबद्धता की विभिन्न श्रेणियों के तहत आवेदन करने की समय-सीमा को 2021 से परिशोधित किया जाएगा और आवेदन अब 01.03.2021 से प्राप्त किए जा रहे हैं और पूरे वर्ष जारी रहेंगे।

## सुविधाएं

### स्व-प्रमाणन पर विश्वास
विद्यालय द्वारा जमा किए गए सिस्टम जनित स्व-प्रमाणन के आधार पर आवेदन पर कार्रवाई की जाएगी।

### निरीक्षण समिति की जवाबदेही
निरीक्षण समिति की जवाबदेही निरीक्षण करने से इंकार करने, जानबूझकर तथ्यों को गलत तरीके से प्रस्तुत करने, कदाचार, निर्धारित तिथि (तारीखों) पर निरीक्षण न करने, रिपोर्ट प्रस्तुत करने में देरी के आधार पर तय की जाएगी।

### मानवीय हस्तक्षेप को कम करना
मानवीय हस्तक्षेप को कम करने पर ध्यान केंद्रित करने के साथ संबद्धता के लिए आवेदनों का प्रसंस्करण शुरू से अंत तक ऑनलाइन होगा।

### डाटा संचालित संवीक्षा
आवेदनों या रिपोर्टों को प्रक्रिया मे लाने में मैनुअल हस्तक्षेप को कम करने के लिए स्कूल द्वारा अपलोड किए गए डाटा, दस्तावेजों और जानकारी के आधार पर आवेदन की डिजिटल रूप से संवीक्षा की जाएगी।

### कुछ श्रेणियों में शुल्क में कमी
कुछ श्रेणियों में मौजूदा आवेदन शुल्क को मौजूदा शुल्क से 25% तक कम कर दिया गया है।

### संबद्धता की कुछ श्रेणियों के लिए निरीक्षण नहीं करना
बोर्ड ने कुछ श्रेणियों के लिए स्कूल के निरीक्षण के प्रावधान को वापस ले लिया है। अनिवार्य दस्तावेज, डाटा और सूचना के साथ आवेदन जमा करने के बाद स्कूल को स्वतः अनुमोदन या अनुमति मिल जाएगी।

### संबद्धता की अवधि
स्कूल को प्रदान की गई प्रारंभिक संबद्धता या उन्नयन की अवधि 3 वर्ष से बढ़ाकर 5 वर्ष कर दी गई है।

### वर्चुअल निरीक्षण की शुरुआत
निर्णय लेने में समय के अंतराल को कम करने के लिए मौजूदा स्कूलों के संबंध में आवेदनों की कुछ श्रेणियों के लिए वर्चुअल निरीक्षण का प्रावधान शुरू किया गया है।

### संबद्धता के लिए आवेदन प्राप्त करने की अवधि
विभिन्न श्रेणियों के लिए आवेदन जमा करने का लिंक एक टाइम स्लॉट के बजाय एक वर्ष में तीन बार प्रचालित होगा।

### ऑनलाइन संबद्धता स्कूल सूचना प्रणाली (OASIS)
सीबीएसई ऑनलाइन संबद्धता स्कूल सूचना प्रणाली (ओएएसआईएस) में प्राप्त जानकारी का उपयोग विभिन्न शैक्षणिक, परीक्षा और प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए करता है। अतः संबद्ध स्कूलों के लिए यह अनिवार्य है कि वे वार्षिक रूप से संकाय, छात्रों, शैक्षणिक और बुनियादी ढांचे के बारे में जानकारी अद्यतन करें।

### स्कूलों का वर्चुअल निरीक्षण (VIOS)
संबद्धता उप-विधि के खंड 10.1.10 और 10.2 के तहत प्रावधान के अनुसार, बोर्ड संबद्धता के उन्नयन के लिए आवेदन करने वाले स्कूलों के भौतिक निरीक्षण के लिए निरीक्षण समिति नियुक्त करता है।

कोविड-19 की स्थिति को देखते हुए विद्यालय पूरी तरह से काम नहीं कर रहे थे और ऐसे मामले जिनमें स्कूल पहले से ही बोर्ड से संबद्ध थे, वहां 300 से अधिक स्कूलों का वर्चुअल निरीक्षण किया गया।

## भारत में सम्बद्ध विद्यालय
15.07.2021 तक

| राज्य का नाम | सरकारी | सरकारी सहायता प्राप्त | अन्य स्रोत से सहायता प्राप्त / सीटीएसए | केवीएस | जेएनवी | प्राइवेट | कुल |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| आंध्र प्रदेश | 23 | 5 | 0 | 38 | 14 | 340 | 420 |
| असम | 18 | 12 | 0 | 57 | 27 | 200 | 314 |
| बिहार | 6 | 2 | 0 | 55 | 39 | 1014 | 1116 |
| गुजरात | 34 | 6 | 1 | 45 | 29 | 492 | 607 |
| हरियाणा | 139 | 7 | 0 | 35 | 20 | 1911 | 2112 |
| हिमाचल प्रदेश | 10 | 3 | 3 | 25 | 12 | 272 | 325 |
| जम्मू और कश्मीर | 1 | 20 | 0 | 36 | 19 | 83 | 159 |
| कर्नाटक | 6 | 9 | 5 | 47 | 31 | 1138 | 1236 |
| केरल | 5 | 3 | 0 | 36 | 14 | 1372 | 1430 |
| मध्य प्रदेश | 120 | 10 | 0 | 106 | 53 | 1235 | 1524 |
| महाराष्ट्र | 28 | 16 | 0 | 59 | 34 | 1118 | 1255 |
| मणिपुर | 4 | 6 | 0 | 9 | 11 | 53 | 83 |
| मेघालय | 0 | 4 | 0 | 7 | 9 | 7 | 27 |
| नागालैंड | 1 | 9 | 0 | 7 | 11 | 16 | 44 |
| ओडिसा | 235 | 3 | 1 | 62 | 31 | 318 | 650 |
| पंजाब | 44 | 28 | 0 | 50 | 23 | 1357 | 1502 |
| राजस्थान | 115 | 64 | 0 | 76 | 35 | 1024 | 1314 |
| सिक्किम | 220 | 6 | 0 | 2 | 4 | 14 | 246 |
| तमिलनाडु | 10 | 6 | 0 | 42 | 0 | 1336 | 1394 |
| त्रिपुरा | 37 | 4 | 0 | 9 | 4 | 40 | 94 |
| उत्तर प्रदेश | 69 | 32 | 0 | 115 | 74 | 3729 | 4019 |
| अरुणाचल प्रदेश | 196 | 7 | 0 | 16 | 17 | 101 | 337 |
| मिजोरम | 3 | 2 | 0 | 4 | 8 | 0 | 17 |
| पश्चिम बंगाल | 8 | 14 | 3 | 61 | 19 | 290 | 395 |
| अंडमान और निकोबार द्वीप समूह | 94 | 5 | 0 | 2 | 3 | 20 | 124 |
| चंडीगढ़ | 99 | 5 | 0 | 6 | 1 | 60 | 171 |
| दिल्ली | 574 | 738 | 0 | 45 | 2 | 835 | 2194 |
| गोवा | 0 | 1 | 0 | 5 | 2 | 8 | 16 |
| पुडुचेरी | 0 | 0 | 0 | 4 | 4 | 34 | 42 |
| दादर और नगर हवेली | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 10 | 12 |
| दमन और दीव | 0 | 0 | 0 | 1 | 2 | 4 | 7 |
| लक्षद्वीप | 6 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 8 |
| छत्तीसगढ | 262 | 2 | 0 | 34 | 26 | 430 | 754 |
| झारखंड | 10 | 3 | 0 | 39 | 26 | 443 | 521 |
| उत्तराखंड | 192 | 15 | 2 | 45 | 13 | 595 | 862 |
| तेलंगाना | 25 | 3 | 0 | 31 | 10 | 373 | 442 |
| लद्दाख | 0 | 1 | 0 | 3 | 2 | 11 | 17 |
| **कुल** | **2594** | **1051** | **15** | **1216** | **631** | **20283** | **25790** |

## भारत से बाहर सम्बद्ध विद्यालय
15.07.2021 तक

| देश का नाम | सरकारी | सरकारी सहायता प्राप्त | अन्य स्रोत से सहायता प्राप्त / सीटीएसए | केवीएस | जेएनवी | प्राइवेट | कुल |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| बहरीन | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 7 | 7 |
| बांग्लादेश | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 |
| इथियोपिया | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 2 | 2 |
| घाना | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 |
| इंडोनेशिया | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 |
| ईरान | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 |
| जापान | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 2 | 2 |
| केन्या | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 |
| कुवैत | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 23 | 23 |
| लाइबेरिया | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 |
| लीबिया | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 3 | 3 |
| मलेशिया | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 3 | 3 |
| म्यांमार | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 |
| नेपाल | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 15 | 16 |
| नाइजीरिया | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 2 | 2 |
| ओमान | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 16 | 16 |
| कतर | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 17 | 17 |
| बेनिन गणराज्य | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 |
| रूस | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 |
| सऊदी अरब | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 43 | 43 |
| सिंगापुर | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 4 | 4 |
| तंजानिया | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 2 | 2 |
| थाईलैंड | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 |
| युगांडा | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 |
| संयुक्त अरब अमीरात | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 107 | 107 |
| यमन | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 |
| कुल | **0** | **0** | **0** | **3** | **0** | **256** | **259** |

# मेरिट छात्रवृत्ति योजनाएं

सामाजिक और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के मेधावी छात्रों और बालिकाओं को बढ़ावा देने के लिए, बोर्ड की निम्नलिखित छात्रवृत्ति योजनाएं हैं:

### शिक्षा मंत्रालय द्वारा प्रायोजित महाविद्यालय और विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए छात्रवृत्ति की केंद्रीय सैक्टर योजना (सीएसएसएस)

शिक्षा मंत्रालय की ओर से, सीबीएसई प्रत्येक वर्ष 6854 छात्रवृत्ति देने के लिए भारत सरकार (शिक्षा मंत्रालय) के पीएफएमएस पोर्टल पर आवेदनों को प्राप्त, प्रक्रियागत और अपलोड करता है। यह योजना पूर्णतः शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित है।

इस योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के मेधावी छात्रों को पूर्वस्नातक या स्नाकोत्तर स्तर पर अपनी शिक्षा जारी रखने में मदद करना है। जिन छात्रों के माता-पिता की आय ₹8 लाख (आठ) प्रति वर्ष से कम है और बारहवीं कक्षा में न्यूनतम कट ऑफ (80 शततमक) प्राप्त किया है, वे इस योजना के तहत छात्रवृत्ति प्राप्त करने के लिए पात्र हैं। विज्ञान, वाणिज्य और कला योजनाओं के लिए छात्रवृत्ति 3:2:1 के अनुपात में वितरित की जाती है। पात्र छात्रों को छात्रवृत्ति स्नातक स्तर पर ₹10,000/- प्रति वर्ष और स्नातकोत्तर स्तर पर ₹20,000/- प्रति वर्ष एक वर्ष में 10 माह के लिए प्रदान की जाती है।

### एकल बालिका संतान मेरिट छात्रवृत्ति योजनाएं

बोर्ड के पास ग्यारहवीं और बारहवीं कक्षा में शिक्षा प्राप्त करने वाली एकल बालिका के लिए छात्रवृत्ति है, जिसने सीबीएसई से संबद्ध स्कूलों से दसवीं कक्षा उत्तीर्ण की है। यह योजना पूरी तरह से सीबीएसई द्वारा प्रायोजित है। वे छात्राएं जो अपने माता-पिता की इकलौती संतान हैं और जिन्होंने 60% या उससे अधिक अंक प्राप्त किए हैं, इस पुरस्कार के लिए पात्र हैं, जहां स्कूल शुल्क ₹1500/- से अधिक नहीं है। प्रत्येक विद्यार्थी को प्रति वर्ष ₹6,000/- की राशि प्रदान की जाती है और छात्रवृत्तियों की संख्या की कोई सीमा नहीं है।

### अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए बोर्ड मेरिट छात्रवृत्ति योजना

बोर्ड अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति समुदाय के दसवीं कक्षा के 23 छात्रों को ₹250/- प्रति माह और बारहवीं कक्षा के 25 छात्रों को ₹500/- प्रति माह की वित्तीय सहायता प्रदान करता है। यह योजना पूरी तरह से सीबीएसई द्वारा प्रायोजित है।

### सीबीएसई के कर्मचारियों के बच्चों के लिए छात्रवृत्ति योजना

बोर्ड के कर्मचारियों के मेधावी बच्चों को बढ़ावा देने और कक्षा VI-VIII ₹ 700/- प्रति माह, कक्षा IX-XII ₹ 900/- प्रति माह छात्रवृत्ति प्रदान करने के लिए

### (स्वर्गीय) श्री. लक्ष्मण सिंह कोठारी स्मृति पुरस्कार

संजय कोठारी फैमिली चैरिटेबल ट्रस्ट, नई दिल्ली ने सीबीएसई के साथ मिलकर स्वर्गीय श्री लक्ष्मण सिंह कोठारी के नाम पर एक चल-वैजयंती की स्थापना की है, जिसके साथ ऐसे छात्र को ₹10,000/- का नकद पुरस्कार दिया जाता है जिसने सीबीएसई द्वारा आयोजित बारहवीं कक्षा की परीक्षा में पांच विषयों में मिलाकर अधिकतम अंक प्राप्त किए हों। यह पुरस्कार ट्रस्ट द्वारा उपलब्ध कराई गई समग्र निधि से दिया जाता है। इस वर्ष का सम्मान समारोह 13.08.2020 को सीबीएसई मुख्यालय में आयोजित किया गया था और दिव्यांशी जैन और तुषार सिंह को पुरस्कार प्रदान किए गए।

## छात्रवृत्ति योजना
## 01 अप्रैल 2020 से मार्च 2021

| योजना | छात्रवृत्ति |
|---|---|
| महाविद्यालय और विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए केंद्रीय सेक्टर छात्रवृत्ति योजना (सीएसएस) (2020-नई) | पंजीकृत – 6159<br>सत्यापित - 4616<br>(राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल के माध्यम से) |
| (एमओई द्वारा वितरित छात्रवृत्ति)<br>पहला नवीनीकरण 2019, दूसरा नवीनीकरण 2018,<br>तीसरा नवीनीकरण 2017 और चौथा नवीनीकरण 2016 | नवीनीकृत – 6198<br>सत्यापित - 5767<br><br>(राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल के माध्यम से) |
| एकल बालिका संतान – X उत्तीर्ण 2019<br>एकल बालिका संतान - X उत्तीर्ण 2020 | 1487 (प्रदत्त)<br>1367 (प्रदत्त) |
| अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों के लिए बोर्ड की मेरिट छात्रवृत्ति - दसवीं और बारहवीं 2020<br>दसवीं और बारहवीं कक्षा के लिए अवार्ड की संख्या क्रमशः 23 और 25 है। | वर्ष 2020<br>दसवी कक्षा के लिए 24<br>बारहवीं कक्षा के लिए 25 |
| वर्ष 2020 के लिए बोर्ड की वार्ड छात्रवृत्ति योजना | 172 (प्रदत्त) |
| 0.1% मेरिट प्रमाणपत्र | बारहवीं कक्षा / 2020-20,963<br>दसवीं कक्षा / 2020-35,766 |

# राजभाषा
# का
# प्रचार-प्रसार

सीबीएसई में हिंदी प्रकोष्ठ संघ सरकार की राजभाषा नीति, अधिनियमों, नियमों और गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा समय-समय पर जारी किए गए वार्षिक कार्यक्रम में तय लक्ष्यों के कार्यान्वयन/ प्राप्ति में सहयोग प्रदान करता है ताकि हिंदी में आधिकारिक कार्य किया जा सके।

इसके अतिरिक्त, बोर्ड में राजभाषा नीति के कार्यान्वयन से संबंधित विभिन्न गतिविधियाँ; राजभाषा अधिनियम, 1963 की धारा 3(3) के तहत सभी आधिकारिक दस्तावेजों का अनुवाद हिंदी प्रकोष्ठ द्वारा किया जाता है।

## राजभाषा कार्यान्वयन समिति

बोर्ड में गठित राजभाषा कार्यान्वयन समिति की अध्यक्षता अध्यक्ष, सीबीएसई द्वारा की जाती हैं। राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक प्रत्येक तिमाही में आयोजित की जाती है। इन तिमाही बैठकों में शिक्षा मंत्रालय और राजभाषा विभाग के क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय के प्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया जाता है।

## वार्षिक प्रोत्साहन योजना

हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए, बोर्ड के अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए वार्षिक प्रोत्साहन योजना लागू की गई है। इस योजना के तहत, 10 अधिकारियों/कर्मचारियों को नकद पुरस्कार प्रदान करने का प्रावधान है। रिपोर्ट अधीन अवधि के लिए इस योजना की अवधि 1 अप्रैल 2020 से 31 मार्च 2021 तक थी।

## हिंदी दिवस और हिंदी पखवाड़ा समारोह

गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग और शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार, बोर्ड ने हिंदी दिवस के अवसर पर 1 सितंबर 2020 से 15 सितंबर 2020 तक हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया। इस दौरान बोर्ड के अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं के 15 विजेताओं को कुल ₹27600/- की पुरस्कार राशि और प्रशंसा प्रमाणपत्र दिए गए।

## हिंदी कार्यशाला

अधिकारियों एवं कर्मचारियों के कार्यसाधक ज्ञान को हिन्दी में अद्यतन करने/ बढ़ाने के लिए एक हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें 17 अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया गया।

# समारोह एवं कार्यक्रम

## (स्वर्गीय) श्री लक्ष्मण सिंह कोठारी स्मृति पुरस्कार

वर्ष 2020 के लिए (स्वर्गीय) श्री लक्ष्मण सिंह कोठारी स्मृति पुरस्कार 13 अगस्त, 2020 को दिव्यांशी जैन और तुषार सिंह को दिया गया। सम्मान समारोह सीबीएसई मुख्यालय में आयोजित किया गया और श्री संजय कोठारी, आईएएस (मुख्य अतिथि), श्री मनोज आहूजा, अध्यक्ष सीबीएसई, श्री अनुराग त्रिपाठी, सचिव, सीबीएसई और अनेक अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में एक मेरिट प्रमाण पत्र, रु.10,000/- की एक नकद राशि और चल-वैजयंती भी दी गई।

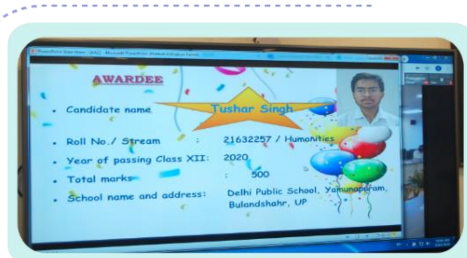

# सीबीएसई शिक्षक पुरस्कार

माननीय शिक्षा मंत्री श्री रमेश पोखरियाल 'निशंक' ने 09 सितंबर 2020 को एक ऑनलाइन समारोह के दौरान भारत और विदेश के सीबीएसई से संबद्ध स्कूलों के 38 शिक्षकों और प्रधानाचार्यों को सम्मानित किया।

ये पुरस्कार वर्ष 2019-20 के लिए, शिक्षकों और प्रधानाचार्यों को उनके स्कूल शिक्षा में सुधार व नवाचार लाने में बहुमूल्य योगदान और समर्पण को सम्मान देने के लिए प्रदान किए गए।

प्रत्येक पुरस्कार में एक मेरिट प्रमाणपत्र, एक शॉल और ₹ 50,000/- की राशि शामिल होती है।

2018 से, सीबीएसई ने एक ऑनलाइन चयन प्रक्रिया का पालन किया है। प्रत्येक श्रेणी के तहत सामान्य और विशिष्ट मानदंड के आधार पर और स्कूली शिक्षा और उनके योगदान से संबंधित कई मापदंडों पर आवेदकों का मूल्यांकन किया गया।

38 पुरस्कार विजेताओं में प्राइमरी और, मिडिल स्तर के शिक्षक, भाषा शिक्षक, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, शारीरिक शिक्षा, गणित, अर्थशास्त्र, आईटी, ललित कला शिक्षक, स्कूल परामर्शदाता, उप-प्रधानाचार्य और प्रधानाचार्य शामिल थे।

माननीय शिक्षा मंत्री श्री रमेश पोखरियाल 'निशंक, शिक्षा राज्य मंत्री श्री संजय धोत्रे द्वारा श्रीमती अनीता करवल सचिव (स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता), श्री मनोज आहूजा, अध्यक्ष सीबीएसई और श्री अनुराग त्रिपाठी, सचिव सीबीएसई की गरिमामय उपस्थिति में पुरस्कार प्रदान किए गए।

इस शिक्षक पुरस्कार कार्यक्रम को देखने के लिए शिक्षा मंत्रालय, एनवीएस, केवीएस, सीबीएसई के कई अन्य विशिष्ट अतिथिगण, प्रधानाचार्यगण, शिक्षक, विद्यार्थीगण, अभिभावक और परिवार ऑनलाइन शामिल हुए थे।

## आकलन रूपरेखा

माननीय शिक्षा मंत्री श्री रमेश पोखरियाल 'निशंक' ने सीबीएसई सक्षमता आधारित शिक्षा परियोजना के हिस्से के रूप में विज्ञान, गणित और अंग्रेजी कक्षाओं के लिए सीबीएसई आकलन रूपरेखा का शुभारंभ किया।

एनईपी का मुख्य उद्देश्य एक ऐसी शिक्षा प्रणाली की ओर परिवर्तन को दिशा देना है जो हमारे युवाओं को बेहतर भविष्य की प्राप्ति में सक्षम बनाती है। यह परियोजना वरिष्ठ सरकारी और शिक्षा नेतृत्वकर्ताओं सहित 2,000 स्कूल प्रधानाचार्यों, 180 परीक्षा मद लेखकों; 360 मास्टर प्रशिक्षकों को सीधे सहायता करेगी और 2024 तक भारत में 25,000 सीबीएसई 132,000 शिक्षकों और 20 मिलियन शिक्षार्थियों को प्रभावित करेगी।

सचिव (एसई एंड एल) श्रीमती अनीता करवल, सीबीएसई अध्यक्ष श्री मनोज आहूजा और बारबरा विकम ओबीई, निदेशक भारत, ब्रिटिश काउंसिल ने भी इस अवसर पर बात की और शिक्षण और अधिगम में ठोस परिवर्तन की उम्मीद जताई।

## जॉयफुल लर्निंग के लिए कॉमिक बुक्स

माननीय शिक्षा मंत्री ने सीबीएसई से संबद्ध स्कूलों के शिक्षकों द्वारा बनाई गई और एनसीईआरटी द्वारा क्यूरेट की गई 100+ कॉमिक पुस्तकों का शुभारंभ किया। ज्ञान प्रदान करते हुए यह अभिनव पहल बच्चों में सांस्कृतिक और सामाजिक संवेदनशीलता हेतु मदद करेगी।

कॉमिक्स को एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों के विषयों के साथ जोड़ा गया था और इसमें विशिष्ट कहानी और चरित्र हैं जिनसे छात्र और शिक्षक स्वयं को जोड़ कर देख सकते हैं।

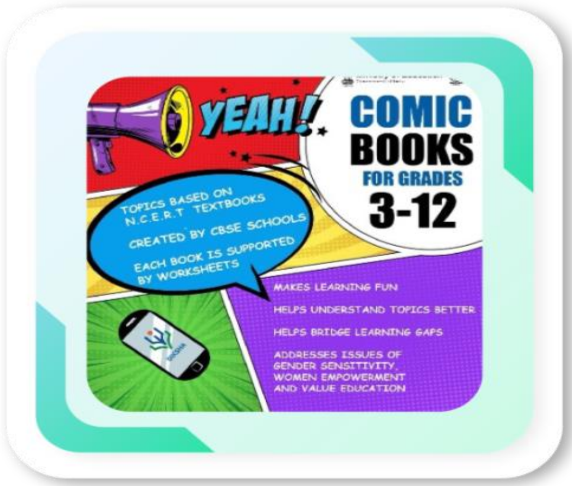

## सभी सीबीएसई कार्यालयों में स्वतंत्रता दिवस मनाया गया

Regional Office
CBSE Guwahati

Regional Office
CBSE Guwahati
क्षेत्रीय कार्यालय
के.मा.शि.बो गुवाहाटी

## सभी सीबीएसई कार्यालयों में सतर्कता जागरूकता सप्ताह का पालन

## मेधावी विद्यार्थियों का अभिनंदन समारोह

# संविधान दिवस समारोह

# सीबीएसई स्टाफ में गणतंत्र दिवस का उत्साह

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
क्षेत्रीय कार्यालय, पटना
आपका हार्दिक स्वागत करता है

HAPPY
DAY

## संबद्धता एकक का नया रूप

Sitar

# अंबेडकर जयंती

## राष्ट्रीय एकता दिवस पर प्रतिज्ञा

## हर्षित करने के लिए धन्यवाद

## दिन-रात कठिन परिश्रम करने वालों का अभिनंदन

## बोर्ड की संरचना

सचिव (स्कूल शिक्षा और साक्षरता), शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार बोर्ड की नियंत्रण प्राधिकारी है।

अध्यक्ष बोर्ड का मुख्य कार्यपालक होता है जिनका चौदह विभागाध्यक्षों अर्थात सचिव, परीक्षा नियंत्रक, निदेशक (शैक्षणिक), निदेशक (प्रशिक्षण), निदेशक (आईटी), निदेशक (विविध परीक्षाएं), निदेशक (एडुसेट, अनुसंधान एवं विकास), निदेशक (कौशल शिक्षा), चार क्षेत्रीय निदेशक, निदेशक (पंजीकृत कार्यालय, अजमेर) और निदेशक (व्यावसायिक परीक्षा) द्वारा सहयोग किया जाता है।

सचिव, सीबीएसई मुख्य प्रशासनिक अधिकारी है और प्रशासन, लेखा परीक्षा और लेखा, जनसंपर्क, विधि और स्कूलों को संबद्धता प्रदान करने से संबंधित मामलों के लिए उत्तरदायी है।

परीक्षा नियंत्रक परीक्षाओं और परीक्षाओं के प्रशासन से संबंधित सभी मामलों के लिए उत्तरदायी है, जिनमें प्रमुख क्षेत्र परीक्षा पूर्व और परीक्षा बाद के कार्य, माध्यमिक और वरिष्ठ स्कूल प्रमाणपत्र की वार्षिक और कंपार्टमेंट परीक्षा आयोजित करने के लिए क्षेत्रीय कार्यालयों के साथ समन्वय करना है।

निदेशक (शैक्षणिक) माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक स्तर पर सभी विषयों के लिए पाठ्यचर्या विकसित करने, नई कोर्स सामग्री के विकास और शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार लाने, माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक कक्षाओं के लिए पाठ्य पुस्तकें प्रकाशित करने और शैक्षणिक परियोजनाओं के अनुवीक्षण के लिए उत्तरदायी है।

निदेशक (प्रशिक्षण) शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशालाओं का आयोजन कराते हैं, प्रशिक्षण आवश्यकताओं का मूल्यांकन क्षमता निर्माण कार्यक्रमों का आयोजन करते हैं।

निदेशक (आईटी) कक्षा IX और XI के ऑनलाइन पंजीकरण और सभी क्षेत्रों की परीक्षा पूर्व व बाद की गतिविधियों, कंप्यूटर से संबंधित सभी गतिविधियों, सीटीईटी और प्रवीणता परीक्षा आदि, प्रकाशन प्रबंधन प्रणाली से संबंधित ऑनलाइन आवेदनो, छात्रवृत्ति, भर्ती, वेबसाइट-अद्यतन और रखरखाव और सभी नए आईटी उद्यम और परियोजनाएं से संबंधित सभी मामलों के लिए उत्तरदायी है।

निदेशक (विविध परीक्षा) केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा (सीटीईटी) के संचालन से संबंधित सभी मामलों के लिए उत्तरदायी है और निदेशक (व्यावसायिक परीक्षा) जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा (जेएनवीएसटी) और केंद्रीय विद्यालय चयन परीक्षा के संचालन से संबंधित सभी मामलों के लिए उत्तरदायी है।

निदेशक (एडुसेट, अनुसंधान एवं विकास) भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (आईएसआरओ) द्वारा शुरू किए गए शिक्षा उपग्रह के माध्यम से दूरस्थ शिक्षा से संबंधित सभी मामलों के लिए उत्तरदायी है।

निदेशक (कौशल शिक्षा) कौशल शिक्षा विषयों के लिए पाठ्यचर्या आदि के डिजाइन से संबंधित सभी मामलों के लिए उत्तरदायी है।

क्षेत्रीय निदेशक माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक प्रमाणपत्र की मुख्य और कंपार्टमेंट परीक्षाओं के संचालन और परीक्षाओं के प्रशासन से संबंधित सभी मामलों के लिए उत्तरदायी हैं, जिनमें प्रमुख क्षेत्र परीक्षा पूर्व और बाद के कार्य, इनके परिणामों की घोषणा और अन्य संबंधित गतिविधियां हैं।

निदेशक (पंजीकृत कार्यालय अजमेर) पंजीकृत कार्यालय, अजमेर की गतिविधियों जैसे डुप्लीकेट दस्तावेज जारी करना, सत्यापन, बोर्ड के दस्तावेजों में सुधार करना आदि के कार्य के लिए उत्तरदायी है।

सीबीएसई का मुख्यालय दिल्ली में है। इसके 16 क्षेत्रीय कार्यालय हैं जो दिल्ली (पूर्व), पंचकुला, इलाहाबाद, अजमेर, गुवाहाटी, देहरादून, पटना, भुवनेश्वर, चेन्नई, तिरुवनंतपुरम, दिल्ली (पश्चिम), नोएडा, चंडीगढ़, भोपाल, बेंगलुरु और पुणे में हैं। इसके सत्रह शिक्षक उत्कृष्टता केंद्र भी हैं जो अजमेर, इलाहाबाद, भुवनेश्वर, चेन्नई, देहरादून, दिल्ली (पूर्व), गुवाहाटी, काकीनाडा, पंचकुला, पटना, दिल्ली (पश्चिम), तिरुवनंतपुरम, नोएडा, चंडीगढ़, भोपाल, बेंगलुरु और पुणे में हैं।

# सीबीएसई की संगठनात्मक संरचना

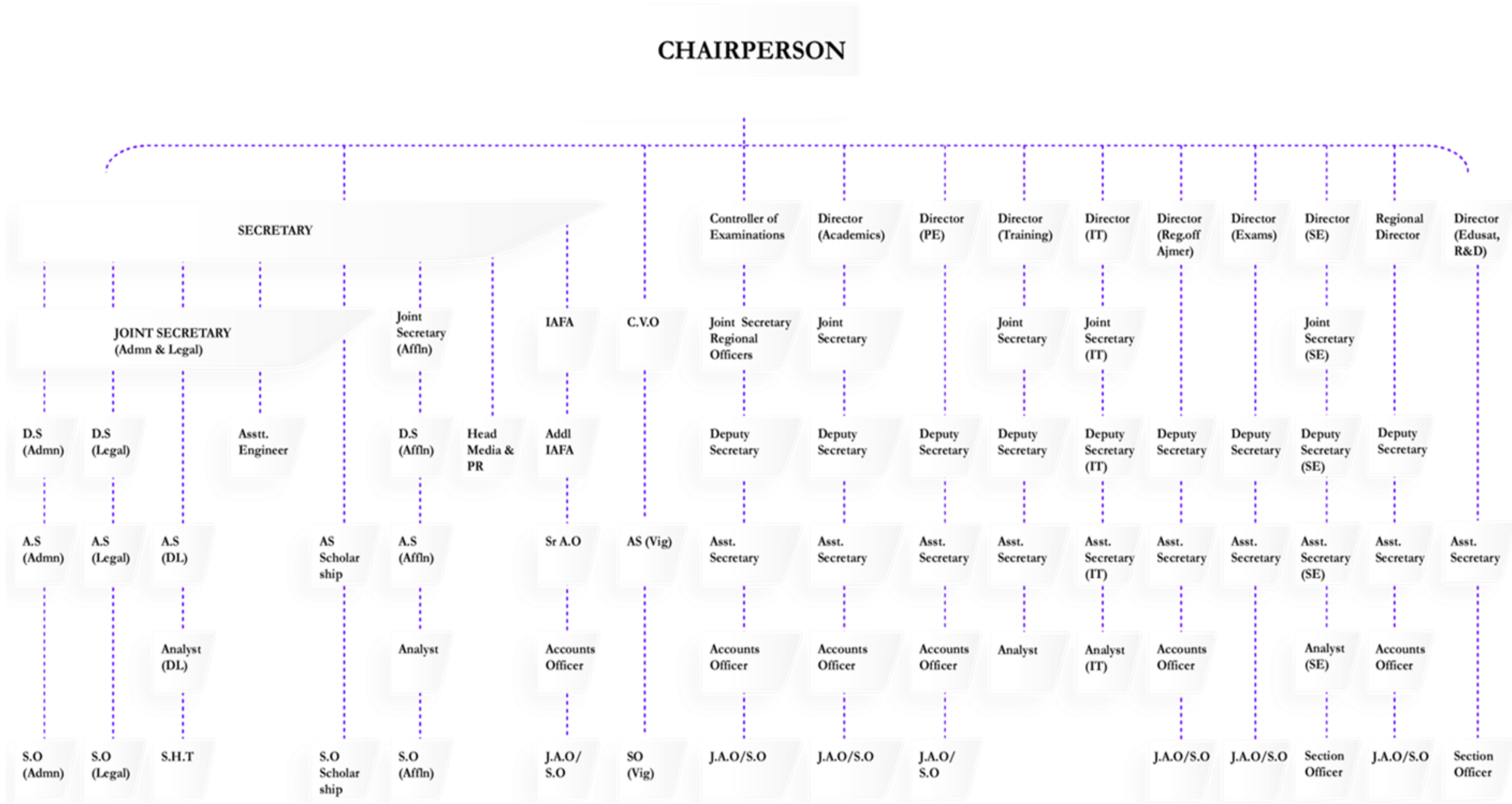

## प्रशासनिक परिवर्तन

**पदोन्नति प्राप्त अधिकारियों और कर्मचारियों को शुभकामनाएं**

| | |
|---|---|
| **निदेशक** | श्री अजय मिश्रा<br>श्री पीयूष कुमार शर्मा<br>श्री जितेंद्र कुमार यादव |
| **संयुक्त सचिव** | श्री राजा राम मीना |
| **उप सचिव** | श्री संजय कुमार<br>श्री राकेश शर्मा<br>श्री शेखर चंद्रा<br>श्री दिनेश राम |
| **सहायक सचिव शैक्षणिक/कौशल /शिक्षा/प्रत्यायन)** | श्री राजीव पांडेय<br>श्री राजेश कुमार गुप्ता<br>सुश्री श्वेता स्वप्निल मूल<br>सुश्री तुषारा के.<br>डॉ. अखिलेश कुमार |
| **सहायक सचिव** | श्रीमती सुषमा रानी |
| **विश्लेषक (आईटी)** | श्रीमती श्वेता बी. लाकरा |
| **निजी सचिव** | श्रीमती देविका कुंवर |
| **कनिष्ठ लेखा अधिकारी** | श्री वरुण कपूर<br>श्री अश्वनी श्रीवास्तव<br>श्री हिमांशु जोनवाल<br>श्रीमती शिखा मंडोलिया<br>सुश्री निकिता सैनी<br>श्रीमती बिमलेश<br>मो. मंज़ूर<br>श्री रमेश कुमार |
| **अधीक्षक** | श्री अंकुर वर्मा<br>श्री मातादीन<br>श्री तेलेन अथंग कॉम<br>श्री लग्नू मुंडा<br>श्री कृपा शंकर तिवारी<br>श्री सलीम बेग<br>सय्यद बकर अली<br>श्री रामजी लाल<br>श्री बिनोद कुमार<br>श्री योगेश्वर<br>श्री राधे श्याम<br>मो. अमीन सिद्दकी<br>श्री प्रदीप कुमार शर्मा<br>श्री डी. सुधाकर प्रकासम<br>श्री राम कुमार सिंह<br>श्री राजेंद्र सिंह रावत<br>सुश्री निर्मल रॉय<br>सुश्री दीपा भगत<br>सुश्री शिवानी<br>सुश्री अमरीन |
| **वरिष्ठ लेखाकार** | मो. दानिश अरमान<br>सुश्री निधि शर्मा<br>श्री पंकज<br>श्री कमल कुमार<br>श्री ज्योति प्रसाद<br>श्री रवि कुमार |
| **पीसीओ/ एफ़एमओ ग्रेड – I** | श्री चंदर पाल<br>श्री राधे श्याम मीना |
| **लेखाकार** | सुश्री ईशा गुप्ता<br>सुश्री मेघा दयाल<br>श्री गोविंद तिवारी<br>श्रीमती दीपा रावत जैन<br>श्री अजय सेमवाल<br>सुश्री निहारिका पांडेय<br>श्री कंचन कुमार |
| **कनिष्ठ सहायक** | श्री शिव कुमार<br>श्री अशोक कुमार – III |

## सहकर्मियों को उनकी सेवानिवृत्ति पर शुभकामनायें

श्रीमती कविता वजीरानी,
उप सचिव

श्रीमती उषा मिंज
सहायक सचिव

श्रीमती कांता विधानी
सहायक सचिव

श्री रमेश कुमार
सहायक सचिव

श्री गोविंद बल्लभ
सहायक सचिव

श्रीमती वीना मलिक
सहायक सचिव

श्रीमती अनीता कनोजिया
सहायक सचिव

श्रीमती शकुंतला
सहायक सचिव

श्रीमती अनीता गोयल
सहायक सचिव

श्री धर्म सिंह
सहायक सचिव

श्रीमती एम. थिलगावती
सहायक सचिव

श्रीमती गीता पी. शिंग्ले
अनुभाग अधिकारी ने
बोर्ड की सेवाओं से
स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ली।

श्रीमती वीना शर्मा
अनुभाग अधिकारी

श्रीमती पुष्पलता
अनुभाग अधिकारी

श्रीमती शारदा कुमारी
अनुभाग अधिकारी

श्री कुबेर प्रसाद सेठ
अधीक्षक

श्री घनश्याम दास
अधीक्षक

श्री रामबाबू
अधीक्षक

श्री स्वामीनाथ मांझी
एफ़एमओ

श्रीमती देवकी देवी
जीओ

श्री आज़ाद सिंह
स्टाफ कार ड्राईवर

श्री सुनील कुमार
अनुभाग अधिकारी

श्री सुखबीर शर्मा
अधीक्षक

श्री चंदर लाल
अधीक्षक

श्री दीपक कुमार
कनिष्ठ सहायक

श्री एस. मोहन राज
जीओ

श्री डी. गणप्रकाशम
जीओ

श्री शिव नाथ ठाकुर
स्टाफ कार ड्राईवर

## सेकेंडरी स्कूल परीक्षा (कक्षा X) 2020

### अभ्यर्थियों का लिंगक्रम में विवरण (सभी विषय)

| क्षेत्र | पंजीकृत | | | उपस्थित | | | उत्तीर्ण | | | उत्तीर्णता % | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | लड़के | लड़कियां | कुल | लड़के | लड़कियां | कुल | लड़के | लड़कियां | कुल | लड़के | लड़कियां | कुल |
| अजमेर | 68676 | 45221 | 113897 | 68508 | 45164 | 113672 | 65979 | 44208 | 110187 | 96.31 | 97.88 | 96.93 |
| भुबनेश्वर | 56196 | 42630 | 98826 | 55793 | 42430 | 98223 | 51706 | 39840 | 91546 | 92.67 | 93.90 | 93.20 |
| पंचकुला | 87934 | 59493 | 147427 | 87594 | 59353 | 146947 | 81196 | 57390 | 138586 | 92.70 | 96.69 | 94.31 |
| दिल्ली पूर्व | 100306 | 88537 | 188843 | 99216 | 87673 | 186889 | 82385 | 77939 | 160324 | 83.04 | 88.90 | 85.79 |
| गुवाहाटी | 31606 | 29304 | 60910 | 30703 | 28691 | 59394 | 24265 | 22730 | 46995 | 79.03 | 79.22 | 79.12 |
| चेन्नई | 66712 | 53431 | 120143 | 66592 | 53345 | 119937 | 65761 | 52911 | 118672 | 98.75 | 99.19 | 98.95 |
| पटना | 141979 | 77928 | 219907 | 140236 | 77336 | 217572 | 126334 | 70992 | 197326 | 90.09 | 91.80 | 90.69 |
| प्रयागराज | 113374 | 64885 | 178259 | 112145 | 64430 | 176575 | 98782 | 58585 | 157367 | 88.08 | 90.93 | 89.12 |
| थिरुवनंथपुरम | 35510 | 35537 | 71047 | 35475 | 35517 | 70992 | 35115 | 35368 | 70483 | 98.99 | 99.58 | 99.28 |
| देहरादून | 47801 | 30964 | 78765 | 47509 | 30852 | 78361 | 41665 | 28637 | 70302 | 87.70 | 92.82 | 89.72 |
| चंडीगढ़ | 69855 | 54565 | 124420 | 69564 | 54413 | 123977 | 62350 | 51496 | 113846 | 89.63 | 94.64 | 91.83 |
| पुणे | 44418 | 31662 | 76080 | 44355 | 31615 | 75970 | 43297 | 31188 | 74485 | 97.61 | 98.65 | 98.05 |
| बेंगलुरू | 31315 | 25001 | 56316 | 31246 | 24980 | 56226 | 30515 | 24715 | 55230 | 97.66 | 98.94 | 98.23 |
| भोपाल | 53843 | 37903 | 91746 | 53663 | 37829 | 91492 | 48854 | 36102 | 84956 | 91.04 | 95.43 | 92.86 |
| नोएडा | 83907 | 51456 | 135363 | 83026 | 51114 | 134140 | 70821 | 46563 | 117384 | 85.30 | 91.10 | 87.51 |
| दिल्ली पश्चिम | 66216 | 57720 | 123936 | 65461 | 57187 | 122648 | 54519 | 50913 | 105432 | 83.28 | 89.03 | 85.96 |

### अभ्यर्थियों की संस्थानवार उत्तीर्णता % (सभी विषय)

| क्षेत्र | सरकारी सहायता प्राप्त | | सरकारी | | स्वतंत्र | | जेएनवी | | केवीएस | | सीटीएसए | | प्राइवेट अभ्यर्थी | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | 2019 | 2020 | 2019 | 2020 | 2019 | 2020 | 2019 | 2020 | 2019 | 2020 | 2019 | 2020 | 2019 | 2020 |
| अजमेर | | | 93.88 | 94.82 | 95.68 | 96.90 | 98.73 | 98.70 | 99.37 | 99.32 | | | 11.86 | 27.54 |
| भुबनेश्वर | | | 74.55 | 77.18 | 94.05 | 94.26 | 99.26 | 99.23 | 99.54 | 99.40 | 77.00 | 99.04 | 6.27 | 17.62 |
| पंचकुला | 82.22 | | 77.12 | | 94.34 | 94.14 | 99.37 | 98.68 | 99.75 | 99.57 | 93.00 | 94.84 | 28.42 | 29.41 |
| दिल्ली पूर्व | 74.13 | 76.67 | 71.97 | 81.39 | 93.18 | 91.29 | 99.36 | 98.65 | 99.80 | 99.42 | | | 25.85 | 13.70 |
| गुवाहाटी | 72.58 | 71.23 | 52.67 | 60.51 | 92.73 | 91.73 | 95.13 | 97.89 | 98.47 | 99.19 | | | 5.82 | 7.91 |
| चेन्नई | | | 87.02 | 84.57 | 99.11 | 99.41 | 99.52 | 99.83 | 99.58 | 99.82 | 92.16 | | 17.19 | 23.53 |
| पटना | | | | | 92.12 | 90.87 | 97.88 | 97.27 | 98.93 | 98.85 | | | 47.70 | 28.37 |
| प्रयागराज | 99.59 | | 75.69 | 63.73 | 92.49 | 88.90 | 98.91 | 98.95 | 99.33 | 99.25 | | | 56.64 | 33.71 |
| थिरुवनंथपुरम | | | 95.69 | 97.09 | 99.88 | 99.26 | 100.00 | 99.91 | 99.98 | 99.82 | | | 50.00 | 85.11 |
| देहरादून | 99.73 | | 92.15 | 94.89 | 88.59 | 89.10 | 99.23 | 98.95 | 99.63 | 99.56 | 98.04 | 93.79 | 33.20 | 17.22 |
| चंडीगढ़ | | 87.88 | | 77.32 | | 92.79 | | 98.87 | | 99.14 | | 74.71 | | 14.29 |
| पुणे | | | | 99.51 | | 97.97 | | 98.35 | | 98.48 | | | | 10.53 |
| बेंगलुरू | | | | 100.00 | | 98.06 | | 99.60 | | 99.59 | | 97.08 | | 12.50 |
| भोपाल | | | | 91.65 | | 92.12 | | 98.82 | | 98.94 | | | | 27.14 |
| नोएडा | | 98.53 | | 54.11 | | 87.32 | | 98.11 | | 97.76 | | | | 19.18 |
| दिल्ली पश्चिम | | 75.92 | | 84.89 | | 89.09 | | 100.00 | | 99.31 | | | | 30.95 |
| | **76.95** | **77.82** | **71.91** | **80.91** | **94.15** | **92.81** | **98.57** | **98.66** | **99.47** | **99.23** | **91.82** | **93.67** | **28.91** | **20.44** |

# सीनियर स्कूल प्रमाणपत्र परीक्षा (कक्षा XII) 2020

## अभ्यर्थियों का लिंगक्रम में विवरण (सभी विषय)

| क्षेत्र | पंजीकृत लड़के | पंजीकृत लड़कियां | पंजीकृत कुल | उपस्थित लड़के | उपस्थित लड़कियां | उपस्थित कुल | उत्तीर्ण लड़के | उत्तीर्ण लड़कियां | उत्तीर्ण कुल | उत्तीर्णता % लड़के | उत्तीर्णता % लड़कियां | उत्तीर्णता % कुल |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| अजमेर | 51705 | 34458 | 86163 | 51388 | 34382 | 85770 | 43908 | 31224 | 75132 | 85.44 | 90.18 | 87.60 |
| भुबनेश्वर | 38293 | 30120 | 68413 | 37824 | 29935 | 67759 | 34135 | 27835 | 61970 | 90.25 | 92.98 | 91.46 |
| पंचकुला | 60145 | 46736 | 106881 | 59729 | 46595 | 106324 | 54091 | 44283 | 98374 | 90.56 | 95.04 | 92.52 |
| दिल्ली पूर्व | 72219 | 70024 | 142243 | 71478 | 69527 | 141005 | 65922 | 66960 | 132882 | 92.23 | 96.31 | 94.24 |
| गुवाहाटी | 22014 | 21263 | 43277 | 21330 | 20903 | 42233 | 17257 | 17952 | 35209 | 80.90 | 85.88 | 83.37 |
| चेन्नई | 30776 | 25712 | 56488 | 30637 | 25631 | 56268 | 29206 | 24907 | 54113 | 95.33 | 97.18 | 96.17 |
| पटना | 68571 | 36887 | 105458 | 67085 | 36570 | 103655 | 47827 | 29467 | 77294 | 71.29 | 80.58 | 74.57 |
| प्रयागराज | 74305 | 43654 | 117959 | 73185 | 43357 | 116542 | 58464 | 37672 | 96136 | 79.89 | 86.89 | 82.49 |
| थिरुवनंथपुरम | 17450 | 17998 | 35448 | 17401 | 17967 | 35368 | 16862 | 17683 | 34545 | 96.90 | 98.42 | 97.67 |
| देहरादून | 34170 | 24406 | 58576 | 33850 | 24300 | 58150 | 27244 | 21146 | 48390 | 80.48 | 87.02 | 83.22 |
| चंडीगढ़ | 53922 | 44726 | 98648 | 53580 | 44586 | 98166 | 48271 | 42085 | 90356 | 90.09 | 94.39 | 92.04 |
| पुणे | 11977 | 10087 | 22064 | 11905 | 10059 | 21964 | 10565 | 9255 | 19820 | 88.74 | 92.01 | 90.24 |
| बेंगलुरू | 6555 | 5354 | 11909 | 6526 | 5338 | 11864 | 6307 | 5207 | 11514 | 96.64 | 97.55 | 97.05 |
| भोपाल | 32355 | 25753 | 58108 | 32208 | 25682 | 57890 | 28732 | 23919 | 52651 | 89.21 | 93.14 | 90.95 |
| नोएडा | 57632 | 36701 | 94333 | 56672 | 36435 | 93107 | 46473 | 32551 | 79024 | 82.00 | 89.34 | 84.87 |
| दिल्ली पश्चिम | 49920 | 47707 | 97627 | 49535 | 47361 | 96896 | 45922 | 45748 | 91670 | 92.71 | 96.59 | 94.61 |

## अभ्यर्थियों की संस्थानवार उत्तीर्णता % (सभी विषय)

| क्षेत्र | सरकारी सहायता प्राप्त 2019 | सरकारी सहायता प्राप्त 2020 | सरकारी 2019 | सरकारी 2020 | स्वतंत्र 2019 | स्वतंत्र 2020 | जेएनवी 2019 | जेएनवी 2020 | केवीएस 2019 | केवीएस 2020 | सीटीएसए 2019 | सीटीएसए 2020 | प्राइवेट अभ्यर्थी 2019 | प्राइवेट अभ्यर्थी 2020 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| अजमेर | | | 80.60 | 91.72 | 84.36 | 87.05 | 97.39 | 99.14 | 97.44 | 96.99 | | | 34.23 | 33.18 |
| भुबनेश्वर | | | 39.19 | 72.86 | 84.18 | 92.10 | 97.22 | 99.35 | 98.98 | 99.01 | 94.57 | 98.73 | 27.30 | 43.59 |
| पंचकुला | | | 81.54 | | 87.35 | 92.30 | 97.51 | 99.69 | 98.92 | 99.80 | 97.20 | 99.36 | 28.60 | 42.68 |
| दिल्ली पूर्व | 87.29 | 92.78 | 94.29 | 97.68 | 90.68 | 91.69 | 100.00 | 100.00 | 99.42 | 99.28 | | | 40.66 | 47.40 |
| गुवाहाटी | | 66.67 | 56.09 | 83.00 | 81.06 | 88.62 | 91.27 | 97.62 | 96.56 | 98.26 | | | 22.07 | 34.97 |
| चेन्नई | | | 81.13 | 93.64 | 92.66 | 96.21 | 99.01 | 98.86 | 98.65 | 99.28 | 97.06 | | 26.98 | 34.56 |
| पटना | | | | | 67.99 | 77.12 | 94.59 | 98.56 | 98.18 | 99.10 | | | 26.98 | 37.01 |
| प्रयागराज | 99.43 | | 47.08 | 57.07 | 73.66 | 83.03 | 96.81 | 97.77 | 98.82 | 99.13 | | | 29.63 | 36.51 |
| थिरुवनंथपुरम | | | 100.00 | 98.41 | 98.20 | 97.56 | 100.00 | 100.00 | 99.87 | 99.35 | | | 48.28 | 51.28 |
| देहरादून | 99.08 | | 77.05 | 94.66 | 76.72 | 82.78 | 97.08 | 97.65 | 98.85 | 99.04 | 93.79 | 98.42 | 27.31 | 24.93 |
| चंडीगढ़ | | | | 91.07 | | 91.79 | | 98.41 | | 98.63 | | | | 42.48 |
| पुणे | | | | 97.15 | | 88.59 | | 98.27 | | 95.04 | | | | 17.19 |
| बेंगलुरू | | | | 98.94 | | 96.65 | | 99.76 | | 98.22 | | 96.77 | | 30.56 |
| भोपाल | | | | 89.53 | | 89.82 | | 99.28 | | 98.66 | | | | 46.74 |
| नोएडा | | 98.05 | | 85.88 | | 85.42 | | 97.54 | | 98.95 | | | | 34.06 |
| दिल्ली पश्चिम | | 89.80 | | 97.91 | | 92.12 | | 100.00 | | 99.44 | | | | 54.57 |
| | **88.49** | **91.56** | **87.17** | **94.94** | **82.59** | **88.22** | **96.62** | **98.70** | **98.54** | **98.62** | **96.06** | **98.23** | **29.24** | **37.49** |

## बोर्ड का शासी निकाय

**अध्यक्ष**
केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

**सचिव (शिक्षा)**
अंडमान व निकोबार प्रशासन
अंडमान व निकोबार द्वीपसमूह सरकार
पोर्ट ब्लेयर

**अपर शिक्षा निदेशक (स्कूल)**
शिक्षा निदेशालय
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार
नई दिल्ली

**उप निदेशक शिक्षा (उत्तर पूर्व)**
शिक्षा निदेशालय
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार
नई दिल्ली

**संयुक्त सचिव (एसई-II)**
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग
शिक्षा मंत्रालय

**संयुक्त सचिव एवं वित्त सलाहकार**
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग
शिक्षा मंत्रालय

**प्रोफेसर**
आनुवंशिकी विभाग
साउथ कैंपस दिल्ली विश्वविद्यालय
नई दिल्ली

**महासचिव**
भारतीय विश्वविद्यालय संघ
नई दिल्ली

**प्रधानाचार्य**
मॉडर्न स्कूल
नई दिल्ली

**आयुक्त**
केंद्रीय विद्यालय संगठन
नई दिल्ली

**प्रधानाचार्य**
सर्वोदय कन्या विद्यालय नं. 1
दिल्ली

**प्रधानाचार्य**
माउंट आबू पब्लिक स्कूल
दिल्ली

**शिक्षा निदेशक शिक्षा निदेशालय**
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार

**डी.पी.आई. (स्कूल)**
संघ राज्य क्षेत्र सचिवालय
चंडीगढ़

**उप निदेशक शिक्षा (परीक्षा)**
शिक्षा निदेशालय
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार
नई दिल्ली

**शिक्षा निदेशक**
नई दिल्ली नगरपालिका समिति
नई दिल्ली

**निदेशक (एमई)**
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय
नई दिल्ली

**प्रोफेसर**
रसायन विभाग
दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

**अध्यक्ष**
भारतीय विश्वविद्यालय संघ
नई दिल्ली

**कुलपति**
डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर मुक्त विश्वविद्यालय
अहमदाबाद

**अध्यक्ष, आईपीएससी व प्रधानाचार्य**
सिंधिया कन्या विद्यालय
ग्वालियर

**आयुक्त**
नवोदय विद्यालय समिति
नोएडा

**प्रधानाचार्य**
कॉसमॉस पब्लिक स्कूल
दिल्ली

**प्रधानाचार्य**
कमल मॉडल वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल
नई दिल्ली

**जिला शिक्षा अधिकारी**
अतिरिक्त डीलक्स बिल्डिंग
चंडीगढ़

**प्रमुख व डीन, शिक्षा संकाय**
केंद्रीय शिक्षा संस्थान (सीआईई)
दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

**उपाध्यक्ष**
अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद
नई दिल्ली

**एक्टिंग सेक्रेटरी**
भारतीय चिकित्सा परिषद
नई दिल्ली

**प्रधानाचार्य – शिक्षा एवं नवाचार**
भारतीय विश्वविद्यालय महासंघ
गुरुग्राम

**निदेशक**
इंस्टिट्यूट ऑफ होम एकोनॉमिक्स
दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

**प्रधानाचार्य**
सेंट मैरी स्कूल
नई दिल्ली

**प्रधानाचार्य**
दिल्ली पब्लिक स्कूल
हैदराबाद

**प्रधानाचार्य**
इंद्रप्रस्थ इंटरनेशनल स्कूल
दिल्ली

**सह-संस्थापक व निदेशक**
हेरिटेज स्कूल
गुरुग्राम

**वरिष्ठ निदेशक (परीक्षा व अनुसंधान)**
राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी, नोएडा

**सचिव**
केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

## वित्त समिति

**अध्यक्ष**
केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

**संयुक्त सचिव (एसई-II)**
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग
शिक्षा मंत्रालय

**संयुक्त सचिव व वित्त सलाहकार**
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग
शिक्षा मंत्रालय

**सचिव**
केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

## परीक्षा समिति

**अध्यक्ष**
केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

**आयुक्त**
केंद्रीय विद्यालय संगठन, नई दिल्ली

**शिक्षा निदेशक**
शिक्षा निदेशालय
दिल्ली

**अपर शिक्षा निदेशक**
शिक्षा निदेशालय
दिल्ली

**प्रधानाचार्य**
श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज
दिल्ली विश्वविद्यालय

**सेवानिवृत्त प्रोफेसर**
भूतपूर्व निदेशक (वीसी)
एबीवी-आईआईटीएम, ग्वालियर

**प्रधानाचार्य**
दिल्ली पब्लिक स्कूल, गाज़ियाबाद

**परीक्षा नियंत्रक**
केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

## परिणाम समिति

**अध्यक्ष**
केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

**आयुक्त**
केंद्रीय विद्यालय संगठन, नई दिल्ली

**शिक्षा निदेशक**
शिक्षा निदेशालय
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार

**आयुक्त**
नवोदय विद्यालय समिति
नोएडा

**शासी निकाय के दो सदस्य**

**परीक्षा नियंत्रक**
केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

## संबद्धता समिति

**अध्यक्ष**
केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

**शिक्षा निदेशक**
शिक्षा निदेशालय
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार

**सचिव**
राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग

**सचिव**
केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

**संयुक्त सचिव (संस्थान)**
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग
शिक्षा मंत्रालय

**उपाध्यक्ष**
अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद

**प्रधानाचार्य**
कॉसमॉस पब्लिक स्कूल

## एनएएस के लिए राष्ट्रीय संचालन समिति

**अध्यक्ष**
केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

**निदेशक**
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और
प्रशिक्षण परिषद

**निदेशक**
व्यावसायिक परीक्षा
केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

**निदेशक**
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग
शिक्षा मंत्रालय

**निदेशक (शिक्षा)**
नीति आयोग

**संयुक्त सचिव**
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग
शिक्षा मंत्रालय

**डीडीजी (सांख्यिकी)**
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग
शिक्षा मंत्रालय

**प्रमुख, ईएसडी**
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और
प्रशिक्षण परिषद

**वैज्ञानिक**
राष्ट्रीय सूचनाविज्ञान केंद्र

**शिक्षा विशेषज्ञ**
यूनिसेफ

## पाठ्यचर्या समिति

**अध्यक्ष**
केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

**निदेशक (शैक्षणिक)**
केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

**निदेशक**
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान
दिल्ली

**निदेशक**
शिक्षा निदेशालय
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली

**आयुक्त**
केंद्रीय विद्यालय संगठन
दिल्ली

**आयुक्त**
नवोदय विद्यालय समिति
नोएडा

**प्रधानाचार्य**
राबिया गर्ल्स पब्लिक स्कूल
नई दिल्ली

**एसोसिएट प्रोफेसर**
क्लस्टर इनोवेशन सेंटर
दिल्ली विश्वविद्यालय

**प्रोफेसर**
पर्यावरणीय अध्ययन विभाग,
जैवसंसाधन व पर्यावरणीय जैवप्रौद्योगिकी प्रयोगशाला
दिल्ली विश्वविद्यालय

**सहायक प्रोफेसर**
राजनीति विज्ञान विभाग
गुरु तेग बहादुर कॉलेज
दिल्ली विश्वविद्यालय

**वरिष्ठ प्राध्यापक/ परियोजना निदेशक**
एससीईआरटी
नई दिल्ली

**एसोसिएट प्रोफेसर**
वाणिज्य विभाग
हंसराज कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय

**प्रधानाचार्य**
श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स
दिल्ली विश्वविद्यालय

**एसोसिएट प्रोफेसर**
हंस राज कॉलेज
दिल्ली विश्वविद्यालय

**प्रोफेसर**
वनस्पति विभाग
दिल्ली विश्वविद्यालय

**प्रोफेसर (जैव-प्रौद्योगिकी)**
नेताजी सुभाष प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
दिल्ली

**प्रधानाचार्य**
श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स
दिल्ली विश्वविद्यालय

**प्रोफेसर**
संगीत एवं ललित कला संकाय
दिल्ली विश्वविद्यालय

**एसोसिएट प्रोफेसर**
रसायन शास्त्र विभाग
ज़ाकिर हुसैन कॉलेज
दिल्ली विश्वविद्यालय

**प्रोफेसर**
कंप्यूटर एवं प्रणाली विज्ञान स्कूल
जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय
दिल्ली

**प्रधानाचार्य**
श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज
दिल्ली विश्वविद्यालय

**वरिष्ठ प्राध्यापक**
गुरु नानक देव प्रौद्योगिकी संस्थान
दिल्ली

**एसोसिएट प्रोफेसर**
सामाजिक विज्ञान में शिक्षा विभाग
एनसीईआरटी, दिल्ली

**प्रोफेसर**
कला एवं सौंदर्य शिक्षा विभाग
एनसीईआरटी, दिल्ली

**निदेशक**
किंकिनी साउंड इंस्टीट्यूट ऑफ
परफॉर्मिंग आर्ट्स, दिल्ली

**प्रोफेसर**
भूगोल विभाग
दिल्ली विश्वविद्यालय

**प्रोफेसर**
संगीत विभाग, संगीत व ललित कला
संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय

**प्रोफेसर**
इतिहास विभाग
दिल्ली विश्वविद्यालय

**निदेशक**
सतत शिक्षा विद्यालय (एसओसीई)
इग्नू, दिल्ली

**प्रोफेसर**
कंप्यूटर विज्ञान विभाग
दिल्ली विश्वविद्यालय

**एसोसिएट प्रोफेसर**
इंदिरा गांधी शारीरिक शिक्षा तथा
खेल-कूद विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली

**प्रोफेसर**
भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग
दिल्ली विश्वविद्यालय

**प्रोफेसर**
राजनीति विज्ञान विभाग
दिल्ली विश्वविद्यालय

**प्रोफेसर**
मनोविज्ञान विभाग
दिल्ली विश्वविद्यालय

**प्रोफेसर**
समाजशास्त्र विभाग
दिल्ली विश्वविद्यालय

**प्रोफेसर**
भाषा शिक्षा विभाग
एनसीईआरटी, दिल्ली

**प्रोफेसर**
हिंदी विभाग
दिल्ली विश्वविद्यालय

**प्रोफेसर**
संस्कृत विभाग
दिल्ली विश्वविद्यालय

## प्रशिक्षण सलाहकार समिति

**अध्यक्ष**
केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

**आयुक्त**
केंद्रीय विद्यालय संगठन, दिल्ली

**प्रोफेसर**
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद

**प्रोफेसर**
राष्ट्रीय शैक्षिक योजना तथा प्रशासन संस्थान

**सदस्य सचिव**
आरसीआई

**निदेशक**
एससीईआरटी, दिल्ली

**निदेशक**
एससीईआरटी, सिक्किम

**निदेशक**
उच्चतर शिक्षा प्रोफेशनल विकास केंद्र, दिल्ली विश्वविद्यालय

**प्रधानाचार्य**
द लखनऊ पब्लिक कोलीजिएट लखनऊ

**प्रधानाचार्य**
स्प्रिंगडेल्स स्कूल, दिल्ली

**निदेशक (शैक्षणिक)**
केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

**निदेशक (व्यावसायिक परीक्षा)**
केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

**निदेशक (प्रशिक्षण)**
केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

**अपर सचिव**
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग

**अनुसंधान अधिकारी**
शैक्षणिक अनुभाग
राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद

**संयुक्त आयुक्त**
नवोदय विद्यालय समिति

**संयुक्त निदेशक**
पीएसएससीआईवीई, भोपाल

**निदेशक**
एससीईआरटी, राजस्थान

**डीन**
व्यावसायिक अध्ययन स्कूल
अंबेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली

**एसोसिएट प्रोफेसर**
सीएसई विभाग
आईआईटी-दिल्ली

**प्रधानाचार्य**
श्री नारायण पब्लिक स्कूल
कोच्चि

**निदेशक (आईटी एवं परियोजना)**
केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

**परीक्षा नियंत्रक**
केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

## कौशल शिक्षा समिति

**अध्यक्ष**
केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

**आयुक्त**
केंद्रीय विद्यालय संगठन

**शिक्षा निदेशक**
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार

**शिक्षा निदेशक**
अरुणाचल प्रदेश सरकार

**डीपीआई**
चंडीगढ़

**एमडी तथा सीईओ**
राष्ट्रीय कौशल विकास निगम

**महानिदेशक**
सीआईआई

**निदेशक (अध्ययन)**
एनसीएचएमसीटी, नोएडा

**वरिष्ठ प्रोफेसर**
एनआईएफटी, नई दिल्ली

**निदेशक (व्यावसायिक)**
एआईसीटीई, नई दिल्ली

**निदेशक (व्यावसायिक)**
राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान, नोएडा

**परियोजना निदेशक (डीकेएमए)**
कृषि अनुसंधान भवन-I
नई दिल्ली

**निदेशक (सूचना प्रौद्योगिकी व परियोजना)**
केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

**परीक्षा नियंत्रक**
केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

**निदेशक (कौशल शिक्षा)**
केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

**आयुक्त**
नवोदय विद्यालय समिति

**शिक्षा निदेशक**
सिक्किम सरकार

**शिक्षा निदेशक**
अंडमान सरकार

**उप महानिदेशक**
राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण परिषद

**सचिव**
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, दिल्ली

**महानिदेशक**
एफ़आईसीसीआई

**संकाय अध्यक्ष (शैक्षणिक)**
दिल्ली विश्वविद्यालय

**संयुक्त निदेशक**
पीएसएससीआईवीई, भोपाल

**डीडीजी (डीजीई व टी)**
भारत सरकार, दिल्ली

**निदेशक**
व्यावसायिक अध्ययन स्कूल, इग्नू

**प्रमुख**
वित्तीय शिक्षा विद्यालय एवं विश्वविद्यालय
एनएसई, नई दिल्ली

**निदेशक (शैक्षणिक)**
केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

**निदेशक (व्यावसायिक परीक्षा)**
केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

**प्रधानाचार्य**
हंसराज मॉडल स्कूल, नई दिल्ली

**प्रधानाचार्य**
गार्गी गर्ल्स स्कूल, मेरठ

**प्रधानाचार्य**
डीपीएस नचारम
हैदराबाद

**प्रधानाचार्य**
बीसीएम आर्या मॉडल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, लुधियाना

**प्रधानाचार्य**
द इंडियन स्कूल
ओमान

**प्रधानाचार्य**
इंटरनेशनल विद्यालय
गुवाहाटी

## सीटीईटी की सलाहकार तथा कार्यान्वयन समिति

**अध्यक्ष**
केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

**निदेशक (सीटीईटी)**
केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

**निदेशक**
शिक्षा निदेशालय
अंडमान व निकोबार

**आयुक्त**
केंद्रीय विद्यालय संगठन
दिल्ली

**उप निदेशक**
शिक्षा निदेशालय
दिल्ली

**आयुक्त**
नवोदय विद्यालय समिति

**प्रधानाचार्य**
केंद्रीय विद्यालय संगठन
अंडमान व निकोबार

**सदस्य सचिव**
राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद, दिल्ली

**निदेशक**
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, दिल्ली

**निदेशक**
एससीईआरटी
चंडीगढ़

**अपर शिक्षा निदेशक**
शिक्षा निदेशालय
दिल्ली

**निदेशक**
शिक्षक शिक्षा
शिक्षा मंत्रालय

**संयुक्त सचिव (शैक्षणिक)**
केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

## राजभाषा कार्यान्वयन समिति

**अध्यक्ष**
केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

**सचिव**
केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

**निदेशक (सूचना प्रौद्योगिकी)**

**परीक्षा नियंत्रक**

**निदेशक (शैक्षणिक)**

**निदेशक (कौशल शिक्षा एवं प्रशिक्षण)**

**निदेशक (व्यावसायिक परीक्षा)**

**मुख्य सतर्कता अधिकारी**

**प्रमुख (मीडिया एवं जन-संपर्क)**

**आंतरिक लेखाकार व वित्त सलाहकार**

**क्षेत्रीय निदेशक (दिल्ली)**

**संयुक्त सचिव (संबद्धता)**

**संयुक्त सचिव (प्रशासन एवं विधि)**

**उप सचिव (सीटीईटी)**

**उप सचिव (विधि)**

**उप सचिव (प्रशासन)**

**सहायक सचिव/उप सचिव (समन्वय)**

**सहायक सचिव (प्रशासन)**

**सहायक सचिव (भर्ती)**

**सहायक सचिव (छात्रवृत्ति)**

**उप सचिव (खेल-कूद)**

**कार्यकारी अभियंता (रख-रखाव)**

**सहायक सचिव (राजभाषा)**

# तुलन-पत्र

| | अनु. | चालू वर्ष (राशि रु. में) | पूर्व वर्ष (राशि रु. में) |
|---|---|---|---|
| **निधि का स्रोत** | | | |
| समग्र/पूंजीगत निधि | 1 | 12,220,638,611 | 9,713,370,664 |
| अभिहित/उद्दिष्ट/अक्षय निधि | 2 | 31,163,660,901 | 25,225,888,410 |
| वर्तमान देनदारियां और रसद | 3 | 459,504,014 | 349,959,605 |
| **कुल** | | 43,843,803,527 | 35,289,216,680 |
| **निधि का प्रयोग** | | | |
| स्थायी परिसंपत्ति | 4 | 1,611,198,795 | 1,593,129,076 |
| मूर्त परिसंपत्ति | | | |
| अमूर्त परिसंपत्ति | | | |
| चालू पूंजीगत कार्य | | 370,705,611 | 393,573,049 |
| **उद्दिष्ट/अक्षय निधि से निवेश** | | | |
| दीर्घकालिक | 5 | 1,043,750,006 | 1,228,450,006 |
| अल्पकालिक | | | |
| निवेश – अन्य | 6 | 14,250,000,000 | 24,376,300,000 |
| वर्तमान परिसंपत्तियां | 7 | 24,238,238,018 | 5,748,337,340 |
| ऋण, अग्रिम तथा निक्षेप/जमा | 8 | 2,329,911,098 | 1,949,427,209 |
| **कुल** | | **43,843,803,528** | **35,289,216,680** |

## सीबीएसई स्टाफ़ संख्या – एक झलक

### 31.03.2021 तक बोर्ड की समूहवार संस्वीकृत कार्मिक संख्या

ग्रुप A 327

ग्रुप B 541

ग्रुप C 965

कुल संख्या 1833

### दिल्ली कार्यालय और कर्मचारियों की संख्या
कुल संख्या = 393

मुख्यालय 262

सीटीईटी इकाई और विविध इकाई 32

कौशल शिक्षा इकाई 24

शैक्षणिक इकाई 47

व्यावसायिक परीक्षा इकाई 28

### दिनांक 31.03.2021 तक लिंगवार विभाजन

01 महिला 255

02 पुरूष 644

03 कुल संख्या 899

| क्रमांक | क्षेत्रीय कार्यालय और उत्कृष्टता केंद्र | कर्मचारियों की संख्या |
|---|---|---|
| 1. | क्षे.का. अजमेर/पंजीकृत कार्यालय | 45 |
| 2. | क्षे.का. पटना | 30 |
| 3. | क्षे.का. इलाहाबाद | 32 |
| 4. | क्षे.का. भुवनेश्वर | 22 |
| 5. | क्षे.का. चेन्नई | 31 |
| 6. | क्षे.का. तिरूवनंतपुरम | 17 |
| 7. | क्षे.का. देहरादून | 24 |
| 8. | क्षे.का. दिल्ली पूर्व | 80 |
| 9. | क्षे.का. पंचकुला | 24 |
| 10. | क्षे.का. गुवाहाटी | 27 |
| 11. | क्षे.का. बेंगलुरू | 12 |
| 12. | क्षे.का. भोपाल | 14 |
| 13. | क्षे.का. नोएडा | 32 |
| 14. | क्षे.का. पुणे | 07 |
| 15. | क्षे.का. चंडीगढ़ | 18 |
| 16. | क्षे.का. दिल्ली (पश्चिम) | 43 |
| 17. | सभी 17 उत्कृष्टता केंद्र | 48 |
| | **कुल कार्मिक संख्या** | **506** |

## सीबीएसई शिक्षक पुरस्कार

सुश्री अल्का शर्मा
प्राइमरी शिक्षिका
भारतीय विद्या भवन
सोहन लाल पब्लिक स्कूल,
अमृतसर, पंजाब

श्री योगेश गंभीर
प्रधानाचार्य
देसराज वढेरा डी ए वी सेंटेनरी
पब्लिक स्कूल, फिल्लौर,
जिला जालंधर, पंजाब

श्री राम कुमार शर्मा
टीजीटी सामाजिक विज्ञान
गवर्नमेंट मॉडल वरिष्ठ
माध्यमिक
विद्यालय चंडीगढ़

सुश्री अनुजा शर्मा
प्रधानाचार्या
डी ए वी मॉडल स्कूल चंडीगढ़

सुश्री अनीता मिश्रा
उप प्रधानाचार्या
बिरला बालिका विद्यापीठ
पिलानी झुंझनु राजस्थान

सुश्री पुनीता मल्होत्रा
पीजीटी रसायन
के आर मंगलम वर्ल्ड स्कूल
गुड़गाँव हरियाणा

सुश्री रश्मि मलिक
प्रधानाचार्या
सलवान पब्लिक स्कूल
गुड़गाँव हरियाणा

सुश्री आरती चोपड़ा
प्रधानाचार्या
एमिटी इंटरनेशनल स्कूल
गुरुग्राम, हरियाणा

सुश्री पूर्ति खन्ना
प्राइमरी शिक्षिका
बाल भारती पब्लिक स्कूल
रोहिणी, दिल्ली

सुश्री आरती कानूनगो
टीजीटी अंग्रेज़ी
गवर्नमेंट गर्ल्स वरिष्ठ
माध्यमिक स्कूल
शकरपुर दिल्ली

सुश्री मृदु मारवाह
टीजीटी विज्ञान
बाल भारती पब्लिक स्कूल
रोहिणी, दिल्ली

श्री संजय ताहिलियानी
पीजीटी गणित
एन के बगरोडिया पब्लिक
स्कूल
रोहिणी, दिल्ली

सुश्री रूपा सेठी
पीजीटी अर्थशास्त्र
श्रीमती स्वर्ण लता सेठी डीएवी
पब्लिक स्कूल मौसम विहार दिल्ली

सुश्री हीमल हंडू भट
हंसराज मॉडल स्कूल
पंजाबी बाग, दिल्ली

सुश्री रीनू बिंद्रा
पीजीटी शारीरिक शिक्षा
दर्शन अकेडमी संत किरपाल
सिंह मार्ग दिल्ली

सुश्री डिंपल पुरी
विज्ञान शिक्षिका (मिडल स्तर)
दरबारी लाल फ़ाउंडेशन
वर्ल्ड स्कूल, ग्रेटर नोएडा

सुश्री सीमा पांडेय
शिक्षिका (ललित कलाएं)
रामजस स्कूल पूसा रोड,
नई दिल्ली

सुश्री पूनम भट्ट
टीजीटी जीवविज्ञान
एमिटी इंटरनेशनल स्कूल,
वसुंधरा, गाजियाबाद

डॉ. अमिता गर्ग
परामर्शदाता
गवर्नमेंट सह-शिक्षा सर्वोदय
विद्यालय रामपुरा दिल्ली

डॉ. अनुपमा सक्सेना
प्रधानाचार्या
गार्गी गर्ल्स स्कूल, मेरठ
उत्तर प्रदेश

सुश्री रश्मि राज बिसवाल
प्रधानाचार्या, डी ए वी पब्लिक
स्कूल, पुष्पांजलि एंक्लेव,
पीतमपुरा, दिल्ली

डॉ. चंद्र भूषण प्रकाश वर्मा,
प्रधानाचार्य
केंद्रीय विद्यालय गोमती नगर
लखनऊ उत्तर प्रदेश

सुश्री अल्का कपूर
प्रधानाचार्या
मॉडर्न पब्लिक स्कूल, शालीमार
बाग, दिल्ली

सुश्री सपना अय्यर
प्राइमरी शिक्षिका
नवरचना उच्च माध्यमिक स्कूल
समा रोड बरोदा गुजरात

सुश्री कुलदीप कौर छाबड़ा
टीजीटी अंग्रेज़ी
चोईथराम स्कूल इंदौर
मध्य प्रदेश

सुश्री रमिंदर कौर मैक
पीजीटी अंग्रेज़ी
चोईथराम स्कूल इंदौर
मध्य प्रदेश

सिस्टर लिली चेरियन
प्रधानाचार्या
सेंट जोसेफ कान्वेंट वरिष्ठ
माध्यमिक स्कूल, भोपाल,
मध्य प्रदेश

डॉ. प्रमोद कुमार
पीजीटी जीवविज्ञान
सैनिक स्कूल नालंदा, बिहार

श्री सुशील कुमार सिन्हा
प्रधानाचार्य
बर्नपुर रिवर साइड स्कूल,
बर्नपुर बर्धमान, पश्चिम बंगाल

सुश्री स्वप्ना रानी पणिग्रही
टीजीटी सामाजिक विज्ञान
डी ए वी पब्लिक स्कूल बहरामपुर
गंजम ओड़ीसा

डॉ. धनंजय पैन
प्रधानाचार्य
दिल्ली पब्लिक स्कूल, पारादीप
रिफ़ाइनरी टाउनशिप,
जगतसिंहपुर ओडिसा

सुश्री स्मिथा गोविंद
प्रधानाचार्या, आर्मी पब्लिक
स्कूल, बोलरम, सिकंदराबाद
रंगारेड्डी जिला तेलंगाना

डॉ. दीपा एस,
पीजीटी जीवविज्ञान
जी के शेट्टी विवेकानंद
विद्यालय, तिरुवल्लूर, चेन्नई
तमिलनाडु

सुश्री शोभा रमन
प्रधानाचार्या
विद्या मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक
स्कूल,
म्यलापोर चेन्नई, तमिलनाडु

डॉ. बिंदु वडक्कूट
प्रधानाचार्या
होसुर पब्लिक स्कूल
कृष्णगिरी जिला तमिलनाडु

श्री वेंकेटेसन कार्तिकेयन
टीजीटी शारीरिक शिक्षा
इंडियन स्कूल मस्कट
(डार्सेल) ओमान सल्तनत

श्री एस्कलिन गोन्सल्वेस
पीजीटी अंग्रेज़ी
इंडियन स्कूल मस्कट
(डार्सेल) ओमान सल्तनत

श्री श्रीजिथ के वी
आईटी शिक्षक
केंद्रीय विद्यालय मॉस्को
भारतीय दूतावास

## सीबीएसई मुख्यालय, क्षेत्रीय कार्यालय और शिक्षकों के लिए उत्कृष्टता केंद्र (सीओई)

सीबीएसई मुख्यालय
शिक्षा केंद्र, 2, सामुदायिक केंद्र,
प्रीत विहार, दिल्ली

क्षेत्रीय कार्यालय व उत्कृष्टता केंद्र
पंचकुला, सेक्टर -5, पंचकुला
हरियाणा - 134109

क्षेत्रीय कार्यालय व उत्कृष्टता केंद्र
देहरादून
99, कौलागढ़ रोड, देहरादून
उत्तराखंड - 248001

क्षेत्रीय कार्यालय व उत्कृष्टता केंद्र
दिल्ली (पूर्व)
पीएस 1-2, इन्स्टीट्यूशनल एरिया
आईपी एक्सटेंशन, पटपडगंज
दिल्ली - 110092

क्षेत्रीय कार्यालय व उत्कृष्टता केंद्र
अजमेर
टोडरमल मार्ग, अजमेर
राजस्थान - 305030

क्षेत्रीय कार्यालय व उत्कृष्टता केंद्र
प्रयागराज
35बी, सिविल स्टेशन, एम जी मार्ग
सिविल लाइंस, प्रयागराज
इलाहाबाद - 211001

क्षेत्रीय कार्यालय व उत्कृष्टता केंद्र
पटना
अंबिका कॉम्प्लेक्स, स्टेट बैंक कॉलोनी के पीछे, ब्रह्मस्थान शेखपुरा के निकट,
रज़ा बाज़ार, बैली रोड पटना, बिहार - 800014

क्षेत्रीय कार्यालय व उत्कृष्टता केंद्र
गुवाहाटी
(शंकर देव कलाक्षेत्र)
पंजाबाड़ी, गुवाहाटी
असम - 781307

क्षेत्रीय कार्यालय व उत्कृष्टता केंद्र
तिरुवनंतपुरम
सीटीटीसी, प्रशासन ब्लॉक, बीएसएनएल आरटीटीसी कैम्पस, कैमनम,
तिरुवनंतपुरम - 695040

क्षेत्रीय कार्यालय व उत्कृष्टता केंद्र
भुबनेश्वर
प्लॉट नं) 4 .पीटी(, शैलश्री विहार, चंद्रशेखरपुर
भुबनेश्वर, जिला-खोरदा, ओडिसा - 751021

क्षेत्रीय कार्यालय व उत्कृष्टता केंद्र
चंडीगढ़
37, जुबली स्कवेयर, ब्लॉक ई, ऐरोसिटी,
एसएएस नगर, मोहाली, पंजाब

क्षेत्रीय कार्यालय व उत्कृष्टता केंद्र
चेन्नई
न्यू नं3 ., पुराना नं 1630 .ए
जे ब्लॉक,16 वां मेन रोड अन्ना नगर पश्चिम,
चेन्नई - 600040

क्षेत्रीय कार्यालय व उत्कृष्टता केंद्र
बेंगलुरु
डिग्री कॉलेज बिल्डिंग नं 57 .
हेसरघट्टा मेन रोड, चिक्काबावरा,
बेंगलुरु - 560090

क्षेत्रीय कार्यालय व उत्कृष्टता केंद्र
भोपाल
रोहित नगर, फेज़ –II
वार्ड नं . 53, बावड़िया कलां
भोपाल - 460239

क्षेत्रीय कार्यालय व उत्कृष्टता केंद्र
दिल्ली (पश्चिम)
सी-128 व सी-129, मंगोलपुरी
इंडस्ट्रियल एरिया, फेज़ - 1
दिल्ली - 110083

क्षेत्रीय कार्यालय व उत्कृष्टता केंद्र
नोएडा
ए-83, सेक्टर-136, नोएडा
जी बी नगर उ.प्र - 201305

क्षेत्रीय कार्यालय व उत्कृष्टता केंद्र पुणे
आरएलएम बिज़नेस पार्क, क्र.सं/28/4 .ए,
ओल्ड खराड़ी मुंडवा रोड, खराड़ी, पुणे –
411014, महाराष्ट्र

उत्कृष्टता केंद्र काकीनाड़ा
रामरावपेटा, शिवालयम के पीछे
जिला ईस्ट गोदावरी, काकीनाड़ा
आंध्र प्रदेश-5330045

**सीबीएसई वार्षिक रिपोर्ट 2020-21**
**प्रकाशक:**
सचिव
केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
शिक्षा केंद्र, 2, सामुदायिक केंद्र
प्रीत विहार, दिल्ली

**डिज़ाइन, संकलन, संपादन एवं अवधारणा**
प्रमुख (मीडिया व जन संपर्क) एवं टीम

वार्षिक रिपोर्ट
2020-21